

Vidyadhiraja Vidya Bhavan

Higher Secondary School



2016-17

**Join T.I.M.E., the National Leader in
Entrance Exam Training *for***

School Courses

- **JEE** (Main & Advanced)
- **NEET** (Medical) **Entrance**
- **Engg. Entrance**
- **School Tuitions**
(8th / 9th / 10th / 11th & 12th Std.)
- **IIT/Med. Foundation**
(6th / 7th / 8th / 9th & 10th Std.)

BANK & PSC Exams coaching is also available

 **Enrol Now!**



T.I.M.E.

Triumphant Institute of
Management Education Pvt. Ltd.

www.time4education.com

Ravipuram	: 2359775	Thoppumpady	: 2212966
Palarivattom	: 2333310	Tripunithura	: 2776969
Paravur	: 6462488	Perumbavoor	: 2523181
Kakkanad	: 6444414	Aluva	: 2622060
Kacheripady	: 2367851	Muvattupuzha	: 0485-6056000
Kadavanthara	: 6444474		

VIDYADHIRAJA VIDYA BHAVAN

Higher Secondary School

Aluva

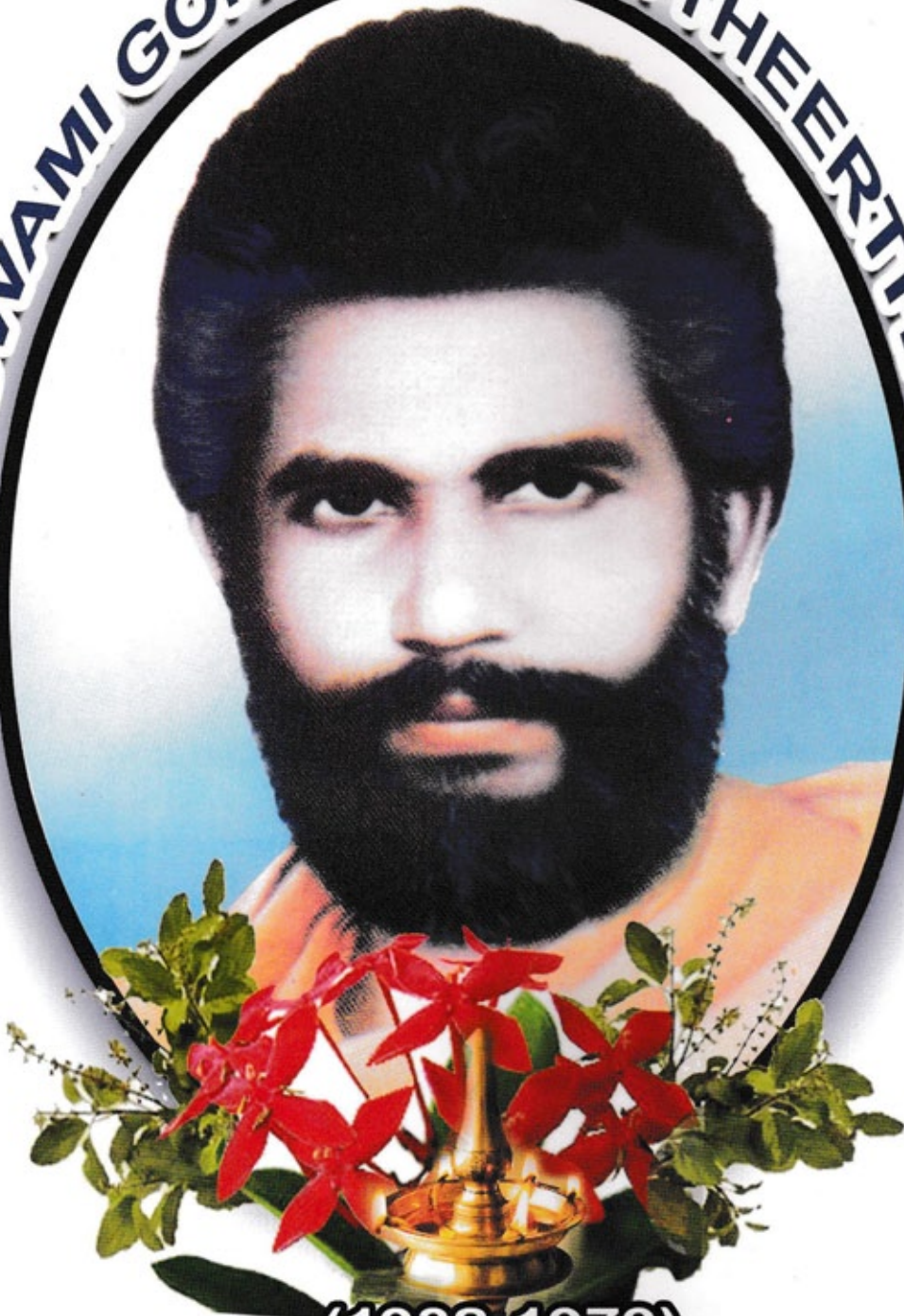
Phone: 2625178, 2627178, 2627168



School Magazine- 2016-17

His Holiness

SWAMI GOPALANANDA THEERTHA



(1932-1979)

സ്മരണാഞ്ജലി

ഉത്തമാചാര്യൻ ശ്രീമദ് ഗോപാലാനന്ദതിർത്ഥൻ
നിത്യവും ലാലസിപ്പു ധർമ്മകർമ്മാർത്ഥമായി
ആ യശസ്സോന്നേ പോരും നന്മനം കുളിർപ്പിക്കാ-
നായുരാരോഗ്യം നേടാനാത്മീയശക്തി കൊൾവാൻ
കൺമുനീൽ നിൽക്കുന്നിന്നും സ്വാമിതൻ ധർമ്മഗാത്രം
കേൾക്കുന്നാ മഹാത്മാവിന്നുജ്ജ്വല പ്രഭാസുകതം
നമസ്തേ കർമ്മധീരാ! ഗോപാലാനന്ദതിർത്ഥസ്വാമിൻ!
നമസ്തേ ശാന്തി: ശാന്തി: ശാന്തിയെന്നതേ ശുഭം

GEETHABHAVAN TRUST

AT THE HELM



**Retd. JUDGE
SUNDARAM GOVIND**
Chairman



Adv. M.K. PADMANABHA
Managing Trustee

Geethabhavan Trust

PATRONS



Sri. A. V. BHASKARJI
(Permanent invitee)



Sri. P. MAHARAJ
(Chief Patron)



C.A.V. VINOD KAMATH
(Patron)



Dr. S. AIYAPPAN PILLAI
(Patron)

Geethabhavan Trust

TRUSTEES



Dr. K.P.S. NAIR



Sri. A.M. NARAYANAN



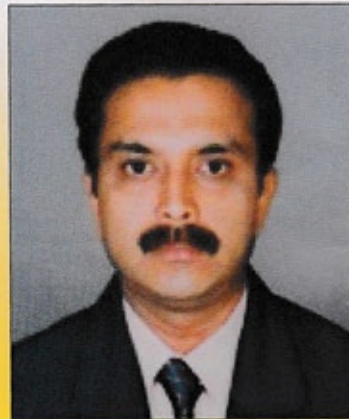
Sri. P.N. RAMAN
NAMBOOTHIRI



Smt. P.N KAMALAM TEACHER



Dr. SREEJITH. P. S



Dr. M.D SANTOSH KUMAR



Sri.SUNILKUMAR S.

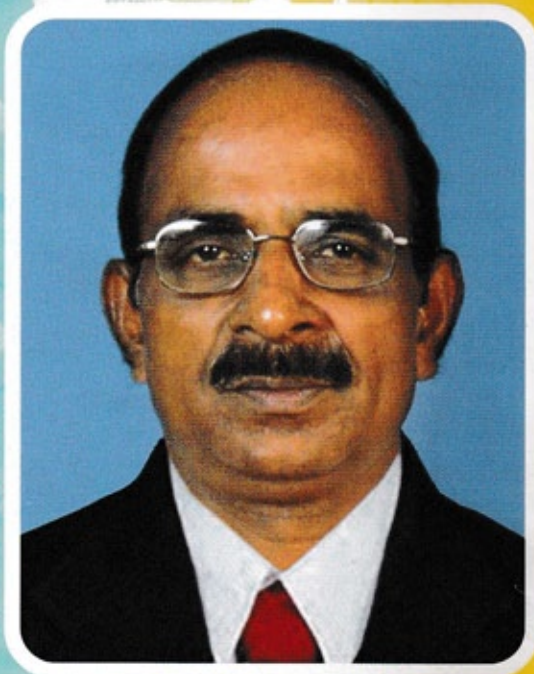
Vidyadhiraja Vidya Bhavan
Higher Secondary School



Smt. M. LATHA
PRINCIPAL



Sri. K.K. BHASKARAN
HEADMASTER



Sri. A.N. PANKAJAKSHAN NAIR
ACADEMIC COUNSELOR



From the Manager's Desk

I wish to touch only upon two relevant subjects .

One is the knowledge explosion - bringing knowledge at finger tips and pros and cons of the same. The student is no longer submissive to classes as knowledge is available elsewhere. Besides syllabus, diverse information also is available – harmful also. Now the teacher has to focus more on directing the student's 'search'. Student has abundant capacity. Proper direction will restrict the student from 'improper search'. The teacher will have to attain required technical knowledge to guide the technically advantageous student.

If this challenge is not confronted successfully, we will have to find excuses continuously for 'eroding values and morality'.

In this plight what is the parent's role? Parents have to support student – teacher venture as close associates. They should provide congenial atmosphere at home. Their gifts to their wards should not be detrimental to the interest of the society: they should not accede to any illegitimate demands. Above all parents should be aware of all activities of their wards not by questioning but as close friends with whom 'anything and everything' can be shared.

The second is an allegation that those students who attain higher education use knowledge only as a wealth earning source. The finger is towards the educational institutions which have transformed themselves as providers of such knowledge which makes their 'products' marketable as young machines to earn enormous packages without any social commitment. This is a point to ponder.

Here is the significance of 'Vidyadhiraja'. Guided by the visions of its Founder Swami Gopalananda Theertha , Geethabhavan Trust, with the co operation of its teachers, staff and parents committed to bring out citizens of social commitment and responsibility to enable strong nation building.

This year 38th batch of SSLC and 12th batch of HSS are appearing for Public Examinations. I assure they will come out as bright as their previous batches and also that their higher education and future life will be as 'Vidyadhirajans'.

K P Sankara



EDITORIAL

Dear readers,

With great vibrancy, color and imagination another edition of our school magazine is in your hands .It is the work of aspiring minds who are moving ahead with creativity innovation and responsibility. This magazine is a panorama of the artistic, literary, academic skills of our students. Moreover it provides a glimpse of all the activities of our students. Man only can dream and make his dreams come into reality. Dreams play a vital role in the aspiring artistic mind. We at Vidyadhiraja strive to make our children dream and also nurture those dreams in to reality. We are confident that you will enjoy and feel enlightened as you scan through the pages of this work of art. We acknowledge the support and co-operation of those behind the screen who have strived to make this magazine a success. We also bow to the omnipotent grace of the Lord and also our Swamiji for helping us to stride forward with our head held high.

Editor

THE PEOPLE BEHIND THE SCREEN - EDITORIAL BOARD





विद्यार्थी और अनुशासन

अनुशासन का तात्पर्य है कतिपय नियमों अथवा बन्धनों के अधीन रहना। जीवन के हर किसी क्षेत्र में अनुशासन अनिवार्य है। विद्यार्थियों को अनुशासन में रहना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता के समाचार आज कल प्रायः पढ़ने को मिलते हैं। प्राचीन भारतीय संस्कृति में शिक्षा को साधना का महत्व प्राप्त था। इससे विद्यार्थियों में संयम की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे विद्यालय के नियमों का पालन करें। खेल के मैदान, परीक्षा भवन और समाजिक संबन्धों में अनुशासन बरतने का प्रयास करें।

विद्यार्थियों के सामने अनेक समस्याएँ हैं। लेकिन उचित है कि वे वैद्य रूप से उसके समाधान का प्रयत्न करें। अगर कोई विरोध भी प्रदर्शित करना है तो हिंसा और तोड़फोड़ से काम नहीं लेना चाहिए, बल्कि शान्तिपूर्वक अपना विरोध प्रदर्शित करना चाहिए।

विद्यार्थी-समाज में परीक्षा संबंधी नियमों का पालन न करने की प्रकृति बढ़ती जा रही है। नकल करना, निरक्षकों को धमक्की देना आदी बातें समान्य हो गयी

है। इसका कारण यह है कि शिक्षा के भूल उद्देश्य के संबन्ध में उन्हें कोई धारणा नहीं है। खेल के मैदान में भी आज विद्यार्थी अनुशासनहीन होते जा रहे हैं। सामाजिक संबन्धों में भी अनुशासन की अवहेलना दिम्बई देती है।

लेकिन उनको समझ लेना चाहिए कि अनुशासन के बिना जीवन में सफलता प्राप्त नहीं होगी।

विद्याओं में अनुशासन की भावना को बढ़ाने के लिए उन्हें अनुशासन के लाभों से परिचित करना चाहिए। इसके लिए यह अनुशासन हे की शिक्षा पद्धति में सुधार करें और आचार शास्त्र को पाठ्यक्रम में स्थान दें।



आतिरा टी.जे, X - A

मेरी पहली अध्यापिका

उससे मेरी पहली मुलाकात मुझे
 एक भयानक सपना सा था
 माँ के हाथ में खुद को
 सुरक्षित न समझी पहली बार,
 माँ ने भी साथ छोड़ दी
 वहाँ उस काराग्रह के सामने
 फिर उसने मेरे हाथ अपने में
 ले ली और दी साथ मेरी,
 एक नई दुनिया की और चले
 हम साथ-साथ
 लेकिन आज वह दिन
 आ ही गया है।
 अंतिम घडी है, इस
 साथ-साथ के सफर की
 आज वह दिन आ ही गयी है
 उससे विझुडने की
 उससे जिसने ज़िदगी से
 लडना सिखाया
 अंत में इस जगह गे
 न बिछुड पाता है और न ही उससे
 वह है मेरी जीवन की परी
 मेरा गुरा, मेरी पहली अध्यापिका
 अब तो उन लमहों की याद ही बचेगा
 उन लमहों की याद जो हम विताए हैं साथ-साथ



मेधा एलिसबत, X - B

माँ

माँ माँ अपने छोटे मुख से कैसे करूँ तेरा गुणगान
माँ तेरी समता में फीका - सा लगता भगवान
माता कौसल्या के घर में जन्म राम ने पाय
ठुमक-ठुमक आँगन में चलकर सबका हृदय जुड़ाया
पुत्र प्रेम में थे निमग्न कौशल्य माँ के प्राण
माँ तेरी समता में फीका सा लगता भगवान
दे मातृत्व देवकी को गोद सुहाई
ले लुकुटी वन-वन भटके चोगचारण कियो
कन्हाई सारे ब्रह्ममंडल में गूँजी थी वँशी की तान
माँ तेरी समता में कीका सा लगता भगवान



कार्तिक कुमार, IX - D



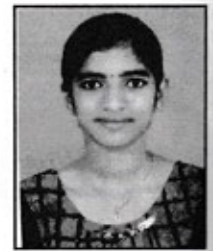
कहानि



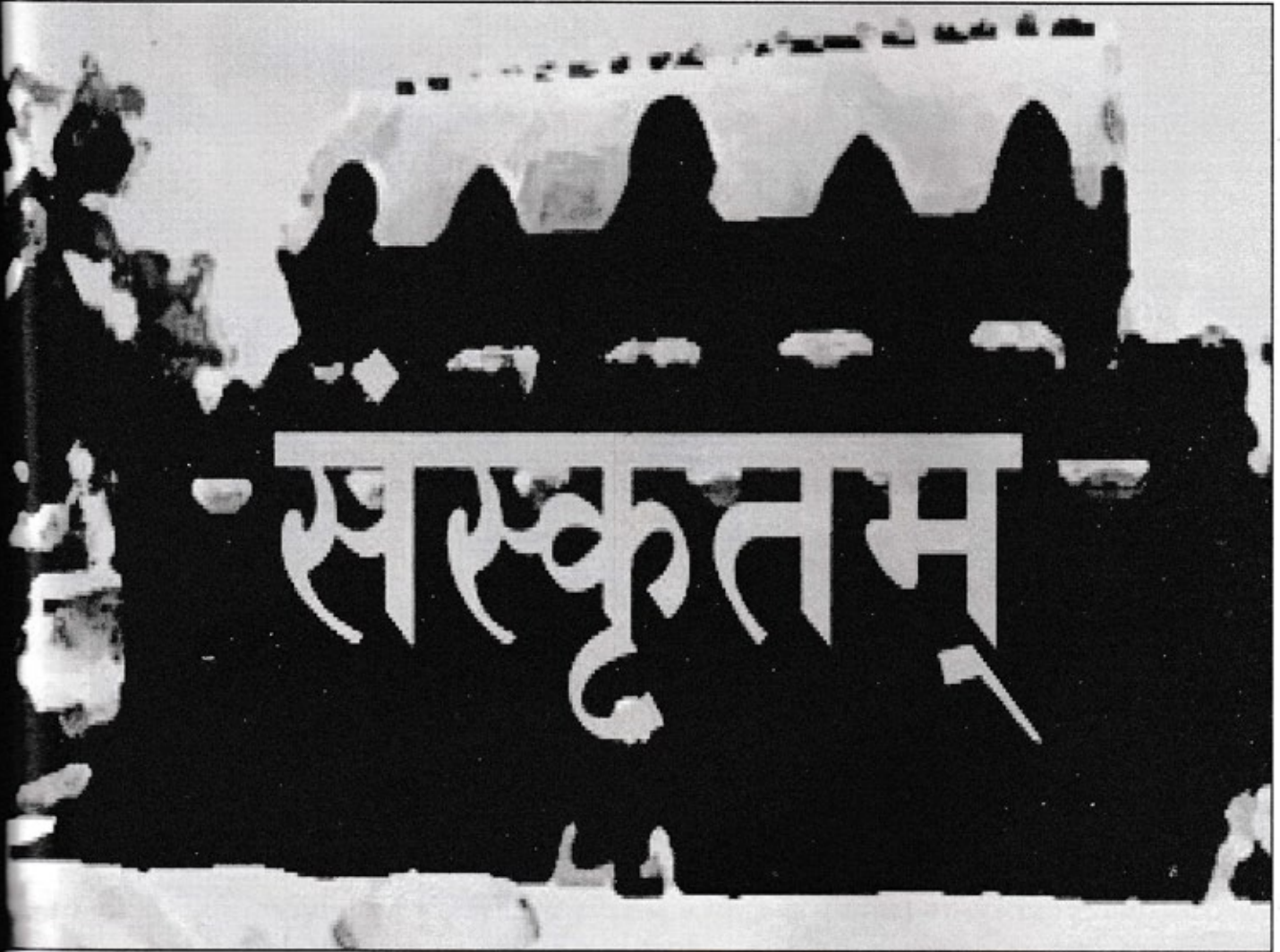
दोस्ती

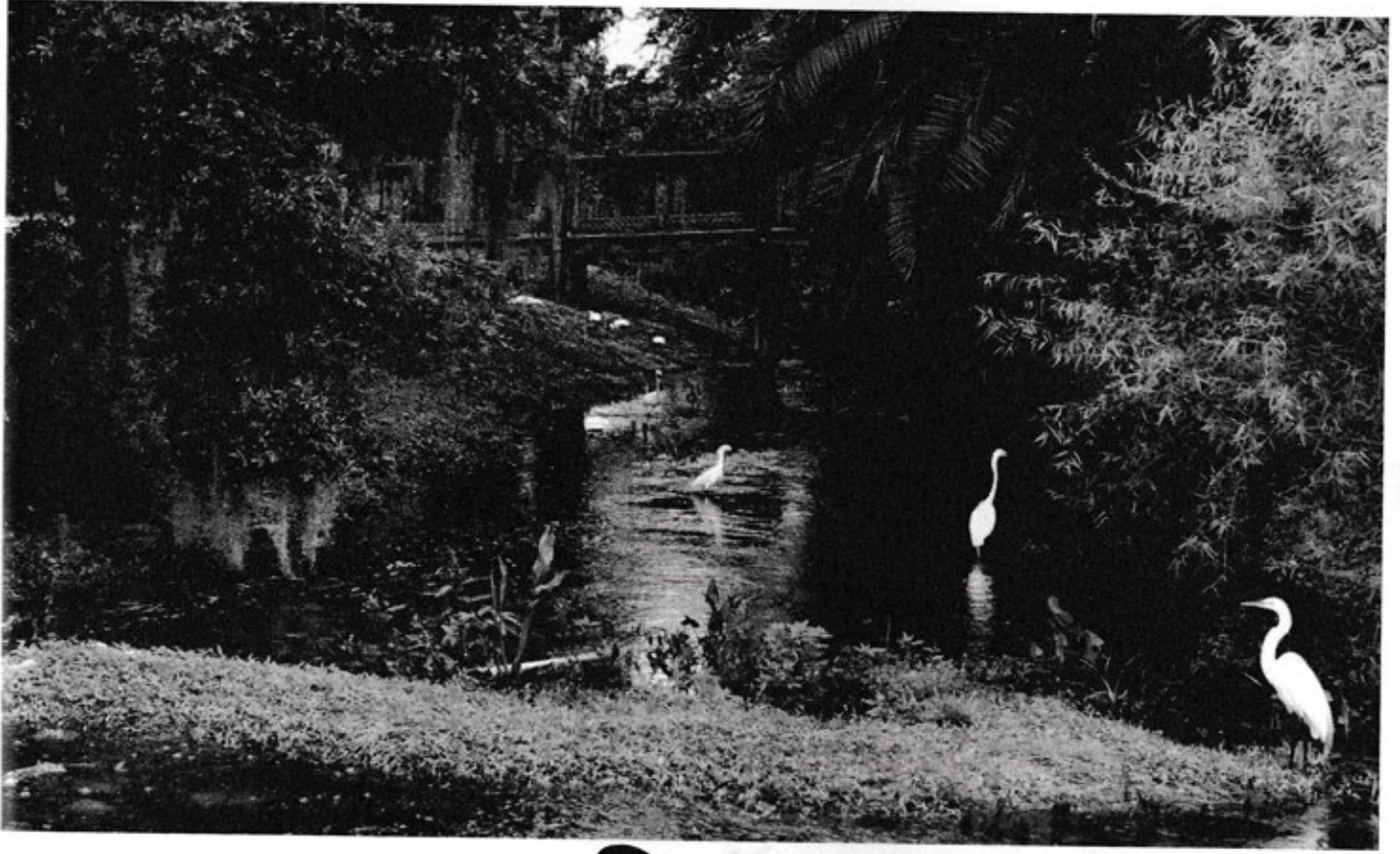
एक मानव के लिए भगवान देने वाला अमूल्य तोफ़ा। जिसके बिना कोई भी नहीं जीता। गोपू यह सब जानता था। वह नौवीं कक्षा में पढता था। उसका प्रिय दोस्त था रामू। पर रामू को गोपू पसंद नहीं था। फिर भी रामू गोपू के साथ स्कूळ जाता था। गोपू को रामू सिर्फ एक दोस्त नहीं था। गोपू ने उसे अपना भाई समझना रहा और उनके साथ अपने सारी परेशानियों और अपने मन के बातें बताया। रामू नै उस बातों को बेकार समझा। कभी भी रामू ने अपने मन की बातें गोपू से नहीं बताया। गोपू अपन जन्मदिन पर रामू को बूलाया और अपने जन्मदिन मनाया एक दिन गोपू जब स्कूळ जा रहा था वह रामू के घर गया और उसे ढूढा। लेकिन उस नहीं मिला। जब वो स्कूळ जाकर देखा तो रामू स्कूळ में था। गोपू कुछ भी नहीं कहाँ। उस दिन शाम दोनों तालाब मे नहाने गया। वह तालाब थोडा गहरा था। गोपू यह नहीं जानता था। रामू को भी नहीं पता था। दोनों तालाब पर उतरा। गोपू झट से डूबने लगा और रामू देखना रहा। गोपू बहुत चिल्लाई लेकिन कोई भी नहीं आया। रामू भी

उसे बचाने नहीं गया। तभी वहाँ एक आदमी आया और उसे बचाया। लेकिन रामू को कोई पश्चाताप नहीं हुआ। जब गोपू आस्पताल में था रामू उसे देखने नहीं गया। कई दिन गुज़र। गोपू स्कूळ रहा था। बीच रास्ते में रामू से मिला। गोपू अच्छी तरह से बात की। रामू भी उसके साथ बात किया और स्कूळ गया। स्कूल में जब रामू को थोड़ी मार्क्स कम मिला। तो अध्यापिका ने उसे बहुत डाँटा और वो रो पडा। उस समय उसके आँसू पोछने के लिए सिर्फ गोपू ही था। धीरे-धीरे रामू को एहसाज़ हुआ कि गोपू ही उसके दोस्त है। और वो गोपू से माँफी माँगा और उसकी हाथ पकडा गोपू भी उसकी हाथ धामा। और दोनों अच्छे दोस्त बनके रहे।



कार्तिका राजीव, IX





प्रकृतिमाता

अस्माकम् आश्रयः भवति प्रकृतिः। प्रकृतिः रमणीया मनोहरी च भवति। प्रकृति सौन्दर्यं अनिर्वचनीयं भवति। तस्य सौन्दर्यं अनिर्वचनीयं भवति। तस्य सौन्दर्यं सर्वे अतिशयति। अस्माकं आधारः भूमि च। प्रकृति शुद्धजलं शुद्धवायु च ददाति। अतः प्रकृतिः अस्माकं माता अस्ति। प्रपञ्चः पञ्चभूतात्मकः तेषां समाहारस्य परिस्थिते सुस्थिति अस्माकं सुस्थितिः। प्रकृतिः मनोहरं सस्यक्षेत्रं भवति। वयं केरलीयाः प्रकृति सौन्दर्यात् अनुग्रहीतं भवति। किन्तु अद्य स्वार्थाः जनाः प्रकृतिः मलिनीकरणं कुर्वन्ति। प्रकृतिसंरक्षणं अस्माकं कार्यव्यमेव। बालवृक्षाणां रोपणम्, संरक्षणम्, वृष्टिजलसंभरणं, पलस्तिकवस्तूनम् निवारणम् जलस्य दुरुपयोगनिवारणम् इत्यादीनि सम्यक् क्रियन्ते चेत् प्रकृति संरक्षणं कर्तुं शक्यते। एतत् विषये बोधवत्करणं च कुर्मः।



गोपिका, VII - A



मम भारतदेशं सुन्दरं अस्ति ।

मम भारतदेशं सुन्दरं अस्ति
पुण्य गङ्गा अस्मिन् देशे ॥
अस्ति हिमालयं भारत देशे
अस्ति वीर जननि भारतदेशम् ॥
मुकुट-काश्मीर प्रदेशः अस्ति
अस्ति पादं कन्याकुमारि नाम्नि ।
शंकरस्य जन्म अस्मिन् देशे
अस्ति ज्ञान्सी अस्मिन् देशे ॥
पुण्यपुरातन -वेद सुशोभित
भाषयाः माता संस्कृत भाषा
कालिदासस्य जन्मभूमिरियम्
भारतदेशं अतीव मनोहरं अस्ति
भारत देशो मामकदशम्

कृष्णवेणि वि.ए, VI - ३

उद्योगी युवकः

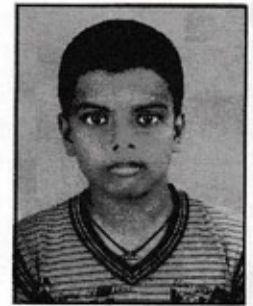
कन्याकुब्जे काशीनाथौ नाम कश्चन कृषकः असीत्।

सः कृषिकर्मणः प्रभूतं धनं आर्जितवान्। तदर्थं तस्य परिवारेपि सहाय्यम् अकरोत्। तस्य एकमात्र पुत्रस्य दिलीपस्य पठने अतीव तात्पर्यं असीत्। सः उपरिपठनार्थं नगरम् अगच्छत्। काले गते कृषकः रोगेण शय्यावलम्बी अभवत्। तस्य चिकित्सार्थं धनं सर्वं व्यायितम्। न केवलं कृषिकर्मासु विध्नः अजायत किन्तु परिवारस्य कष्टा अवस्था अपि मञ्जाता।

उपरिपठनान्तरं दिलीपः प्रत्यागतः। तदानीन्तनी कुटुम्बावस्था ते कृषीकर्म कर्तुं प्रेरयामास। किन्तु तत्कर्मणि सः अनभिज्ञः आसीत्।

अत्रान्तरे एकस्मिन् देनि स तस्य सहपठिनां रमेशं अपश्यत्। सः समीपस्थे कृषिकार्यालये अधिकारि आसीत्। दिलीपः मित्रस्य उपदेशेन आगामि कृषीवेलया स्वक्षेत्रे

शस्त्रीयरीत्या कृषिकर्म आरभत्। कृषिकार्यालयाधिकारिणः सन्तर्भोचितसाहसेन कृषिभूमिः फलदया अभवत्। धान्यानां विक्रयेण बहुधनं आर्जितवान्। उत्तमं चिकित्सां दत्वा सः स्वपितरः रोगमुक्तमकरेत्। परिवारे पुनश्च सन्तुष्टीरागता। कृषिकर्मणः महत्त्वं प्रत्यभिज्ञाय सः कृषीकर्म एव कृत्वा स्वपरिवारं सुखेन कालमनयत्। अत एव उच्यते। “प्रयत्ने लक्ष्मीः प्रतिष्ठिता” इति।



अच्युत उष्णी, VIII - D

सुभाषितम्

परोपकाराय फलानि वृक्षः
परोपकाराय वहन्ति नद्याः ॥
परोपकाराय दुहन्ति गावः ॥
परोपकाराय सतां विभूतयः ॥

वृश्चिकस्य विषं पुच्छे
मक्षिकायाश्च मस्तके ।
तक्षकस्य विषं दन्ते
सर्वाङ्गो दुर्जनो विषं ॥

न चोरहार्थं न च राजहार्थं
न भ्रातृभाज्यं न च भारहारि ।
व्ययो कृते वर्धन् नित्यं
विद्याधनं संवर्धनात् प्रधानम् ॥

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्
न ब्रूयात् सत्यमप्रियम् ।
प्रियञ्च नानृतं ब्रूयात्
एष धर्म सनातनः

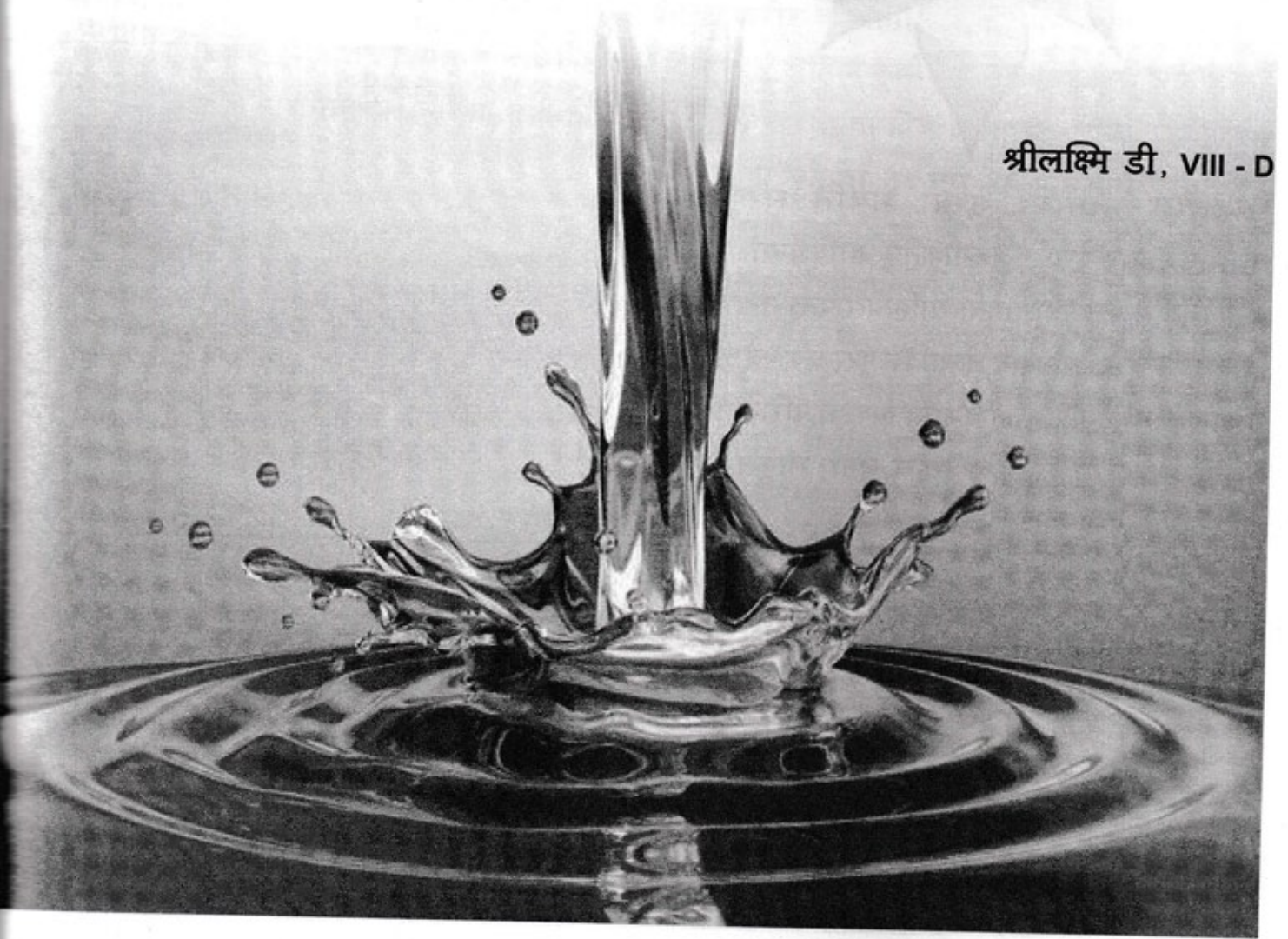


श्रीदेवि. के.एस, VI - A

जलमेव परं धनम् ।

एकस्मिन् ग्रामे एकः तटाकः आसीत् । ग्रामीणः जनाः तटाकस्य उपयोगं पानार्थं कुर्वन्ति स्म । तस्मिन् तटाके बहवः मीनाः आसन् । एकदा एकः धीवरः तटाकस्य समीपम् आगतवान् । सः जालं प्रसार्य उपविष्टवान् । धीवरस्य क्षमा न आसीत् । सः एकं शिलाखण्डं स्वीकृत्य क्षिप्तवान् । पुनः पुनः एवं कृतवान् । सः तटाकस्य जलं मालिन्यपूर्णं करोति स्म । ग्रामीणाः एतत् पश्यन्ति स्म । ते कुपिताः अभवन् । अवदन् च 'एवं न करोतु' इति । धीवरः न अङ्गीकरोति स्म । तदा ग्रामीणः सर्वे मिलित्वा धीवरं तर्जितवन्तः । ग्रामं स्थिता जनाः संघटिताः इति धीवरः ज्ञातवन्तः । धीवरः ज्ञातवान् । सः क्षमाम् उक्त्वा प्रतिगतवान् ।

श्रीलक्ष्मि डी, VIII - D





Smt. Jayanthi Vijayakumar
(Staff Secretary)



Smt. Nazeema C. M.
(Teacher in charge Arts Club)



Sri. Santhosh Kumar
(P.T.A. President)



Sri. O. B. Sudharsanan
(P.T.A. Secretary)



Haripriya H.
(Head Girl)



Sudev T.
(Head Boy)



Devika S.
(Arts Club Secretary)

भाषासु मुख्या मधुरा रम्या गीर्वाणभारति



व्यवहारं कुर्वन्ति । दक्षिणभारते क कर्णाटक राज्ये मान्तूर होसलिग्रामे मध्यप्रदेश देशे झिरि मोहत् बट्वारा इति त्रयो ग्रामाः राजस्थान् देशे गणोदग्रामच संस्कृतभाषया व्यवहारं कुर्वन्ति ।

भारतीय भाषाणां पदावली परिपोषणेन महद्वस्ति संस्कृतस्य योगदानम् । मलयाळम्, कन्नड, तमिळ, हिन्दी, बंगाली इत्येवमादयो दृष्टान्ताः

भारते विदेशेषु च संस्कृत भाषाभ्यसनाय सहायिकः बहुविद्याः अनुसन्धानपद्धतयः प्रचलन्ति । संस्कृतभाषा अतिमहत् प्राधान्यं कल्पन्ति ।

भारतीय भाषायः अम्बा भवति संस्कृतम् । प्रशासनभाषारूपेण अङ्गीकृतेषु द्वाविंशत्यां भाषासु अन्यतमेयं संस्कृतं । प्राचीनता साहित्यसम्पत्त् तत्वाचिन्ता, विविध शास्त्रेभ्यः योगदानं चेत्यादिकं पुरस्कृत्य क्लासिक्कल भाषा इति स्थानमपि गणतन्त्रशास्त्र व्यवस्थां परिल्पितमस्ति । इदानीं भारते मा किं पञ्च सहस्रं जना; संस्कृत भाषान्

पार्वति, V-A

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् ।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम् ॥



सुराया असुरता

पुरा काशीनगर्या 'सुर' नामकः कश्चन व्याधः असीत्। सः हिमालयात् वनविभवान् सञ्चित्य विक्रीय च कालं चापर्यात् स्म। एकदा सुर वृक्षकोटस्थं जलं पीत्वा आलस्यमनुभवतः पक्षिमृगानपश्यत्। किञ्चित्समयानन्तरं पूर्वाधिकम् उन्मत्तान् तान् जन्तून् पश्यन् सः विस्मिताभवत्। वृक्षकोटरस्थस्य जलस्य यः कोपि गुणविशेषः स्यादिति विचिन्त्या सोपि तज्जलम पिबत्। व्याधः मदोन्मत्त संवृत्तः। ततः सः मधुसञ्चयनार्थं आनीते वंश निर्मिते पात्रे तदुन्मादकं पानीयम् आदाय तस्य सुहृदे वारुणाया संन्यासिने आदात्। सोपि उन्मत्तोभवत्। क्षणिकसुखमनुभवन्तौ तौ मद्यकमादाय राजानाम् उपगच्छताम्। मधुपानेने राजापि मदोन्नमत्तोभवत्। क्रमेण अकल्याणमित्रसम्पर्कदोषात् सपौरजानपदम् मद्यपानप्रसङ्गभिमुखमभवत्। तस्मादारस्य 'सुरा', "वारुणी"; इति मद्यस्य नामनी जाते। सुरापानेने नगरं सर्वतः क्रमशः क्षयोन्मुखं संवृत्तम्। ततः सुरवारुणौ राज्यान्तरं प्रपतुः। तत्रापि तौ मद्यं निर्माया राज्ञे नागरिकेभ्यश्च अयच्छताम्। स देशोपि नाशमुपगतः। आरम्भे स्वादिष्टं सरापानं क्रमेण श्रेयांस्यपहरति।

इत्थं मद्यविक्रयार्थमटन्तौ तावन्ते श्रामस्वीनगरं प्रापनु। तदा तत्र सर्वगुणसम्पन्नः सर्व मित्रं नाम राज शासत् आसीत्। अकल्याणमित्रसम्पर्कदोषात् सोऽपि मद्यपानासक्ताभवत्। बोधिसत्वं तदानीं देवाधिपत्यं प्राप्तवान् आसीत्। यदी भूमौ जनाः सर्वे रावं गद् पास्यन्ति तर्हि नूनं सर्वनाशमप्यन्ति इति मत्वा सः यथाकथञ्चित् तान् ततो निवर्त चितुमैच्छत्। किञ्चिदालोच्य बोधिसत्वा ब्राह्मणवेषं धृत्वा राजः सर्वमित्रस्य पुरतः अविर्षभूव। सः तु वामहस्ते सुरापूर्णं नातिवृहन्तं कुम्भं दर्शयित्वा राजानाम् उच्चैरवदन् "इदं क्रीणातु," "इदं क्रीणातु" इति।

अथैनं सा राजा विस्मयावर्जित कौतूहलः सन् सबहुमानमीक्षमाणः कृताञ्जलिरपृच्छत्- "बालसूर्य इव दाप्त्या शरीर चारुतया मुनिरिव वपुषा न विराजमानः भवान् कः? अस्मिन् कुम्भे किम्? तद् विक्रेतुम् आनीतवान् वा? इति रातच्छ्रुत्वा द्विजः प्रत्यवदत्- राजन् कुम्भेस्मिन् तैलं वा घृतं वा न। मधु वा गडा वाम। पानीयस्य अस्य प्रभावं शृणातु - यः इदं पानीयं पिबेत् सः माददोष विह्वलतया स्वच्छन्दश्चरेत्, स्वकुलं विस्मरेत्, बुद्धिभ्रंशेन उन्मत्तो भवेत्। अकारणं रुद्यात्, हसेत्, क्रुध्येते, क्रुमार्गेषु चरेच्च। मनश्शरीर मलिनीभवेताम्। हीनकृत्येषु संलग्नः सः जुगप्सया, ईर्ष्या वा जनैः परिहस्येत" इति

बोधिसत्वस्य रातादृशीं वाणीं " निशम्य। सजा मद्यपान्मनम् अनेकदोषाया बवदिति विचिन्त्य ततः प्रभृति "मदं न पिबेयम्"। इति आतिष्ठत्। मदं न पेयं न पेयम्" इति घोषजामकरोत्। तस्मादारभ्य सपौरजानपदं नगरं मद्यपानात् विराम।

अभिषेक मोहन, VIII-D

समवायों हि दुर्जपः

पुरा एकस्मिन् वृक्षे एका चटका प्रतिवसति स्म। कालेन तस्याः सन्तानिः जाता। एकदा कश्चित् प्रमत्तः गजः तस्य वृक्षस्य अद्यः अगत्य तस्य शाखां शुण्डेन अगोप्यत्। चटकायाः नीडं भुवि अपतत्। तेन अण्डानि विशीर्णानि। अथ सा चटका प्यलपत्। तस्या विलापं श्रुत्वा काष्टकूटः नाम खगः दुःखेन ताम् अपृच्छत्। “भद्रे, किमर्थं विलपसि?” इति। चटकावदत्-“दुष्टेनैकेन गजेन मम सन्ततिः नाशिता। तस्य गजस्य वधेनैव मम दुःखम् अपसरेत्। ततः काष्टकूटः तां विपारवा - नाम्न्याः मक्षिकायाः समीपम् अनयत्- तयोः वार्ता श्रुत्वा मक्षिकावदत् - “ममापि मित्रं मण्डूकः मेघनादः अस्ति। शीघ्रं तमुपेत्य यथोचितं करिष्यामः”। तदानीं तौ मक्षिकया सह गत्वा मेघनादस्य पुरः सर्वं वृत्तान्तं; न्यवेदयताम्।

मेघनादः अवदत्- “यथाहं कथयामि तथा कुरुताम्। मक्षिके! प्रथमं त्वं मध्याह्ने तस्य गजस्य कर्णे शब्दं, कुरु येन सः नयने निमील्य स्थास्यति। तदा काष्टकूटः चंबा, तस्य नयने स्फोटायिष्यति। एवं सः गजः अन्धः भविष्यति। तृषार्तः सः जलाशयं गमिष्यति। मार्गं महान् गर्तः अस्ति। तस्य अन्तिके असं स्थास्यामि शब्दं च करिष्यामि। मम शब्देन तं गर्तं जलाशयं मत्वा स तस्मिन्नेव गर्दे प्रतिष्यति मरिष्यति च। अथ तथा कृति सः गजः मध्याह्ने मण्डुकस्य शब्दम् अनुसृत्य महतः गर्तस्य अन्तः प्रतितिः मृतः च। तथा चोक्तम्

बहुनामप्यसाराणां समवायो हि दुर्जयः

तुलसी



AJITH KUMAR .S
Mob: 98471 33431

All Occasions... All the Time...

Dhanya
catering

East Desom, Aluva - 683 102
Phone : 0484 2608384

We also arrange
Mullappoo Mandapam
& Decoration

Specialists in Vegetarian Sadya &
Tasty dishes for your important events



सर्गवैचित्र्यम्

कस्याचन गृहस्य परिसरे काचित् अलाबुलता आसीत्। तस्यां बहूनि फलान्यपि आसन्। तत्समीपे आकाशे
प्लानि पर्णानि विस्तार्थं नारिकेलवृक्षाः अप्यासन्। तान् दृष्ट्वा कदाचित् अलाबुलता एवमचिन्तयत्। “एतत् वृक्षः
शुद्धं सूर्यप्रकाशं शुद्धवायुं चानुभूय सानन्दं तिष्ठति। मया तु जनानां पादाद्यातैः महान् क्लेशः अनुभूयते। सा
प्रकृतिमातरं प्रार्थयत् “मातः मामपि नारिकेलवृक्ष इव उन्नतिं प्रापयतु” इति। प्रकृतिः तस्याः प्रार्थनाम्
अङ्गीकृतवती। अन्येद्युः प्रभाते सा लता नारिकेलवृक्ष इव उन्नतिं प्राप्ता। ययेच्छं सूर्यप्रकाशं शुद्धवायु च अनुभूय
नियमवाप। परं फलानं भारं वादमशक्ता अलाबुलता भूमौ अपतत्। सर्वाणि फलानि विदीर्णानि अभवन्। अलाबुलता
शोकाकुला अभवत्। सा पुनरपि प्रार्थयत् - “मातः! मया यत् प्रार्थितं तदनुचितमेव। कृपया मम अपराधः
क्षमायताम्” इति। तत् क्षुत्वा सन्तुष्टा प्रकृतिः अलाबुलताम् अवदत्। “मदीयसृष्टौ जीविनां गुणाः स्वभावजाः भिन्नाश्च
संस्थिताः। तेषु कदापि स्वर्धा न भवेत्। यतः सर्वेषामपि जीविनां सृष्टे फलं जगत्कल्याणमेव। त्वां यथापूर्वं भव” इति।
सा प्राप्ता अलाबुलता सन्तुष्टा अभवत्।

अनन्तु मित्रा



THOMSON
DIGITAL STUDIO & VIDEO
PHOTOGRAPHERS - VIDEOGRAPHERS
NEAR K.S.R.T.C. BUS STAND, ALUVA - 683 101
Mobile : 98470 40900, 9249733641
E-mail : vtfrancis1@gmail.com

अधुनां नारीणां अवस्था



प्राचीने भारते नारीणां स्थितिः अतीव गरिमामयी आसीत्। तादृशी उच्चवस्था कथं पतनोन्मुखी अभवत् इति च चिन्तयामः। कस्यापि समाजस्य सभ्यतायाः आकलनाय तस्मिन् समाजे नारीणां स्थितिः कीदृशी इति दर्शनीय। कारणं तु समाजस्य विकासः नारीषु एव आधृतः। भारतवर्षे वेदानां स्मृतीनां च काले नारी अतीव गौरवान्विता आसीत्। लोपमुद्रा, विश्वावारा, घोषः गार्गी, मैत्रेयी इत्यादयः ऋषिकाः न केवलं वेदमन्त्राणि आश्चरन् किन्तु ताः वैदीकविषयाणां चर्चासु भागभाजः च आसन्। मनुस्मृतिः नारीणां विषये एवं परामृशति...“यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः” इदृशी प्रतिष्ठिता नारीणां स्थितिः मध्यकाले क्रमशः दयनीय अभवत्। मुगलसंस्कृतेः प्रभावेण नारीस्थितिः उत्तरोत्तरं अधोमुखी शोचनीया च जाता।

किन्तु अनन्तरकालीनाः केचित् समाजसुधारकाः नारीणां दुर्दशां निवारयितुं प्रचुराणि कार्याणि कृतवन्तः। राजाराम मोहन राय्, ईश्वरचन्द्रविद्यासागर, दयानन्तसरस्वती प्रभृतयः प्रगतिशीलविचारधारायाः समर्थकाश्च अस्मिन् देशे आसन्। ते नारीणां शिक्षां प्रबलतया समर्थितवन्तः आसन्। अद्यतनीयाः महिलाः

यद्यपि अनेकेषु मण्डलेषु नारीशक्तेः अत्तमानि निदर्शनानि वर्तन्ते तथापि नार्यः अर्हतानुसारं न मान्यन्ते इति अनैकैः उदाहरणैः समर्थयितुं शक्नुमः। कारणं तु नारीशिक्षायाः अपर्याप्तता एव। समूहे अधिकांश नार्यः आधुनिके काले अपि निर्धनाः शोषिताः अधिकारवञ्चिताः सुपोषणस्य अभावेन क्लिष्टाः च सन्ति। एतदवस्थायाः दूरीकरणाय शासकैः यत्नः करणीयः। तदा एव नारीणां दुर्दशायाः परिहारः भवेत्। पुरुषवर्गः अपि सर्वेषां नारीणां सुरक्षायै श्रद्धालवः भवेयुः।



देविका एस्
X-D



ആലുവയിലെ ഏറ്റവും
ശുദ്ധമായ സന്യാഹാര ശാല



The
Swad
Pure Veg. Restaurant

Thottumugham, Aluva

8089458620

0484-2633880



We Accept Catering & Party orders

Customer Parking Available

S U I T S
karishma



Find us on:
facebook

Ayodhya - 0484 2408797

അവാളാട്ടി

ടെക്സ്റ്റൈൽസ്

ലൂർദ്ദ് ടൈറ്റർ, ആലുവ Ph: 0484-2624558

RAJHAS
BANGALORE

TEACHING &
NONTEACHING STAFF



PTA EXECUTIVE
COMMITTEE



OUTGOING STUDENTS SSLC 2016-17



OUTGOING STUDENTS SSILC 2016-17

XC



XD



OUTGOING STUDENTS - PLUS TWO -2016-17



COMPUTER SCIENCE



COMMERCE



BIOMATHS

SSLC FULL A+



Yadhukrishna Raju



Indulekha K. V.



Vyshak P. Namboothiri



Neenu M. Shibu



Vishnuprakash K. P.



Haripriya H.



Vinayak R. Chandran



Athira T. J.



Sooraj P. Soman



Aavani Suresh



Manikandan S.



Merin Martin



Salman Ul Fariz M. A.



Sherin Kuriyakose



Sreedev M. S.

SSLC FULL A+



Sudev T.



Devika S.



Vaisakh K. S.



Anupama Anilkumar



Akhil C. A.



Sreelakshmi V. A.



Athul M.



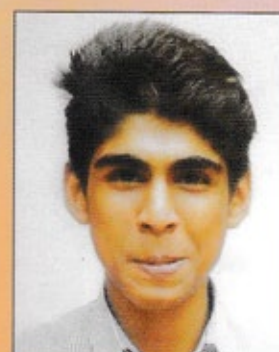
Savithree K. Krishnan



Muhammed Rameez M Z



Revathi C. B.



Athul Manoj



Jabira Farhath M. A.



Aswin Mohan



Jomin Joy



Mahin Ameer

PLUS TWO FULL A+



Malavika Babu



Anandu Venugopal



Maria Vinu



Meera R.



Gokul M. S.



Arundhathi A.



Arjun S.



Sruthy A. V.



Aswathy Shaji



Aysha K. A.



Amaldev



Julia Mathew



Arya R.



Sreelakshmi Satheesan



Claudia Mathew



Faiza N.



Sariga R



Nandana V. Prabhu
(School Topper - 99.2%)



Priyadatha K. R.



Varada Mukesh



Megha Justin

Excellence



BENYAMIN THOMAS

Participant of under 17
School National
Basket ball Team



ASWIN MOHAN

Participant of under 17
School National
Foot ball Team



ABHILASH P. B.

State level participation
in painting competition



KRISHNACHANDRAN U.

P. T. Bhaskara Panicker
smaraka balasastra
pareeksha state level winner

Kalolsavam Winners



VINAYAK VENUGOPAL
(Chakyarkoothu, Koodiyattam)



JYOTHSNA NAIR
(Aksharaslokam, Kavyakeli)



SREELAKSHMI SATHEESAN
(Kuchupudi)



PRIYADATHA
(Violin)



NIRUPAMA VENUGOPAL
(Ottanthullal)



HARISANKAR K.R.
(Kathakali Sangeetham)



ANGELIN LOY
(Monoact, Groupsong,
Drawing&Painting)



SAINANDAN
(Violin)

REDCROSS



SCOUT & GUIDES



Proficiency Winners

Work hard in silence. Let success be your voice



NIRANJANA A. NAIR
STD I



NANDANA HARIDAS
STD II



NAZMIN NOUSHAD
STD III



Amshubhadra M. Vinod
STD IV



KEERTHANA S.
STD V



KRISHNAPRIYA
STD VI



ADWAITH SHABU
STD VII



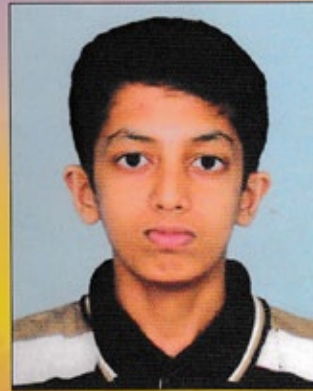
THILLAI RAJ
STD VIII



TULSI SHYAM
STD IX



A. ANANTHAKRISHNAN
STD A1



SAI PRASAD P. V.
B1



JYOTHSNA NAR.
C1

Annual Report

2016-'17

Respected President of today's function, Dr. Sreejith PS, Principal, CUSAT Engineering College, Shri Afsal, Cine Play-back Singer, Shri Sankaran KP, Manager, Shri Bhaskaran KK, Headmaster, Shri Santhosh Kumar AC, PTA President, Parents, Well-wishers, Teachers and my dear students.

Let me invoke the Divine grace and the grace of our founder, Swami Gopalananda Theertha, a great saint, philosopher and social reformist, with whose blessings we are striding forward making giant leaps.

I feel proud to stand before you for presenting the Annual Report of Vidyadhiraja Vidya Bhavan HSS for the Academic Year 2016-17.

Vidyadhiraja Vidya Bhavan was started in 1972 as a *matha padasala*, teaching Bhagavad Geetha to students. Swamiji felt that the students – tomorrow's leaders – should be inculcated in moral values. This was the aim behind Vidyadhiraja. Slowly but steadily Vidyadhiraja grew up into a High School and then to a Higher Secondary School, in 2004, under the patronage of Geetha Bhavan Trust. We aim at the holistic development of the children entrusted in our care. All our activities – physical, mental and psychological – are means towards this end.

Academic Year 2016-17:

This Academic Year, the School reopened after summer vacation on 1st June 2016. We have 100 staff and 1,900 students from KG to Class XII. Apart from academic activities, we teach karate, yoga, music and dance. Our students are trained in Junior Red-cross, Scouts and Guides and National Service Scheme. This year we are

presenting 136 students for Class X and 150 students for Class XII public exams.

Achievements in March 2016 Public Exams:

Due to the Grace of the Almighty and that of our founder, our students secured 100% pass both in Class X and Class XII Public Exams. We presented 150 students in Class X and secured 36 A+ in all subjects. In Class XII we presented 149 students and secured 25 A+ in all subjects. My hearty congratulations to all the students, to their parents and to all the teachers for their untiring efforts. I also thank the infinite presence who is behind our achievements.

We conduct Quarterly and Half-yearly exams as per schedule apart from mid-term tests. We also conduct PTA Meetings and class reviews with parents to discuss their wards' progress. We also conduct outside competitions to enhance the skills of our students.

Scouts and Guides:

There are 64 Scouts and 56 Guides. 6 Scouts and 13 Guides Rajyapuraskar and 12 Scouts and 2 Guides appeared for Rashtapathi. They have celebrated all days and events as directed by Kerala Scouts and Guides. They have rendered yeoman service for all school celebration, Medical camp by Amrita hospital, cleaning Municipal Park for Harithatheeram. They participated in radio signaling training program conducted by Aluva local association. Some of them participated in Nature study conducted by Chinnar Wildlife Sanctuary.

Junior Red Cross: There are 54 JRC cadets. 17 cadets attended the 'C' level exam.

They have celebrated all important days and taken part in all events as directed by the department. They have played an important role in the medical camp organized in our school by Amrita Institute of Medical Science.

National Service Scheme:

The National Service Scheme (NSS) has 95 volunteers – 50 from Class XII and 45 from Class XI. This year our NSS students have had various activities by observing different days. They took out rallies expressing their attitude towards sensitive issues like Jisha murder, drug abuse, traffic awareness, AIDS, etc. The students arranged a library with their own collection for Reading Day, performed a yoga demo for Yoga Day and felicitated Shri Vasudeva Shenoy, an agriculturist, on Farmers' Day. The highlight of this year's activities include **Suhrithinu oru kaithangu** – financial help to a friend – and a Medical Camp along with Amrita Institute of Medical Sciences in dental, eye and general medical surgery. This Camp not only detected the disease but the Hospital vehicle came to our school on different days and took patients to the Hospital for surgery and other related procedures. The students were taken for Nature Camp to Wayanad, Mangalavanam and Abhayaranyam. This year, our NSS students have adopted Uliyannoor Village. They planted vegetable garden in the school, decorated the KG Classes with charts of letters, numbers and other pictures. We also conducted a food fest in the school. The proceeds of which were included in "Suhurithinu Oru Kai Thangu"

Kinder Garten Section:

The world of learning for the blooming buds dawned on 8th June. They were initiated into a world of learning with an inaugural function in which our Managing Trustee, Adv. Padmanabhan, was the Chief Guest. Our students performed a patriotic dance to the tune of *yeh hei mera India, I love my India for Independence Day*. They celebrated Guru Poomima by offering floral *paada pooja* to their teachers, Teachers' Day and

Children's Day were celebrated with distribution of sweets to their younger ones by the NS students. The students and parents active participated in Onam celebrations. The Youth Festival for the kids was from 14th to 17th October. Kids' Fest was celebrated on 25th November where TV Serial Artiste Ms. Swasika Nair was the Chief Guest. Avani KS of LKG won a prize Malayalam Poem Recitation in connection with *Ashithy Mahotsavam* by Library Council. Arch PS of LKG won cash award for colouring competition conducted by Islamic School. Our students have participated in PCM and *Var Jalakam* competitions, the results of which are awaited.

Celebrations:

All important days were celebrated in a befitting manner. We celebrated June 5th Environment Day, besides Ramayana Month, Guru Poornima, Raksha Bandhan, Kerala Pir and other occasions. Independence Day was celebrated with flags made by our students. They performed certain incidents from the freedom struggle. The school conducted school-level exhibition on 15th October. The best exhibits were selected for inclusion in the Science, Math, Social Science, IT and Work Experience Fair. Onam was celebrated with pomp and gaiety. Apart from pookalam, our students participated in *vadamvali, uriyadi, kummattikkali*, etc. Gan Jayanti was observed with a cleaning drive. Reading Day was observed with Book exhibition. Kalamandalam Sunil conducted a seminar on Ottamthullal – its different types with a demonstration in connection with *Kerala pir* on November 1st.

Seminars:

There was a class on Good Parenting for parents of Plus one students by Vijayachandran – former Principal of S.S. School, South Chittoor, and a renowned Trainer. Dr. Sreejith S conducted a guidance session for students on career options and higher studies. There was a class for Plus one and Plus

commerce students on CA, CMA – Scope, opportunities and Exams. A class by Shri Arghese Paul, a renowned HR Trainer, was also organized for Class X students to help them face the first public exam in their life with confidence and skill. We also organized a programme called 'Heartfulness' conducted by Sree Ramachandra Mission, to equip our students of Class XI with a healthy heart – by avoiding tensions with meditation and relaxation techniques – which lasted for 15 weeks. Besides, the teenage girls were given a class on health and hygiene by Smt. Ranya.

Outside Competitions:

Our students are trained to participate in outside competitions, thereby bringing out the best in the class. In YMCA competition, we secured the Runners-up in the HSS Section. In the Ramayana Month competitions organized by Peruvaram Mahadeva Temple, North Parur, our students secured the First place for the third consecutive time. We also participated in Power Quiz conducted by KSEB and Legal Quiz conducted by Kerala State Legal Services Committee – Sai Prasad, Megha Unnikrishnan and Haripriya S of Class XI secured the Second place in the District-level. Our students also took part in competitions conducted by Mukti Sena, United Residents' Associations, Manjummel Nature Club, etc.

Jayanthi Celebrations:

The Birthday of our Founder, Swami Gopalananda Theertha, is being celebrated as Parents' Day every year. This year the celebrations started with lighting of *Deepa Shikha* by Swami Purandaranandji at Nochima Ashramam, which was taken in procession to the School where it was accorded a civic reception by the Municipal Chairperson. The Inaugural Session was presided over by PTA President Shri Santhosh Kumar AC and Inauguration was by Kum. Lissy Abraham, Hon'ble Chairperson of Aluva Municipality. It was followed by Vichara Sabha in which there was a seminar for parents

on Good Parenting in the modern context by Swami Atmananda Theertha. The afternoon saw the audience plunged into mesmerizing music by our parents and teachers. The programme wound up at 3.00 p.m.

Charity:

Our students are trained to be compassionate with the suffering and help them in their need. One of our parents, Shri Suresh Kumar, passed away when a branch of a tree fell on him in Aluva while he was travelling on a two wheeler. The family was immersed in grief at the loss of their breadwinner. Our students rose to the occasion and, with the help of the PTA, collected Rs.3.00 lakhs which was handed over to his widow. When Shri Mohan, husband of one of our staff was hospitalized seriously, our staff rose to the occasion and collected Rs.48,000/- for his hospitalization expenses. I sincerely thank all the parents for their contribution through their wards thereby creating a culture of sympathy and empathy towards their fellow beings.

Clubs:

We have Science, Maths, Social Science and IT Clubs, apart from Language Clubs. A student is a member of one Language and one Subject Club. The different clubs were inaugurated in June and they have their own schedule of activities.

Sasthrolsavam:

In the sub-district Kalolsavam, our students performed well in Maths, Science, Social Science, IT and Work Experience.

Kalolsavam:

In the Aluva Sub-district Kalolsavam, we are the reigning champions defending the Winners' Trophy for the past 24 years. We secured 653 points. With 178 points in HSS General, 165 points in HS General, 93 points in HS Sanskrit and 93 points in UP Sanskrit we are the champions. In LP and UP, we were the runners-up with 51 and 73 points respectively.

In the District Kalolsavam, we were the runners up in HSS General and Winners in HS Sanskrit. Jyotsna Nair of Plus One Commerce secured First with A Grade in Aksharaslokam at the State Kalolsavam held at Kannur, while Priyadatha of Plus Two and Sai Nandan of Class IX secured Second place in Violin. In the HS Koodiyattam our students secured the State Second place. In Kathakali Sangeethan, Harishankar KR of Class XI secured the State First. In HSS Koodiyattam, our students could secure only 4th place while Vinayak Venugopal of Class XI secured Third Place in Chakiyar Koothu.

Sports:

A healthy mind in a healthy body so goes the saying. In accordance with it we try to encourage sports activities and inculcate sportsmanship even though there is a paucity of ground to practice. Our Junior cricket team and Senior Kabadi team won First prize in sub district competitions. Aswin Mohan of Xth standard was the goal keeper representing the state school under 17 competition conducted at Lakshadweep. Benjamin Thomas of class X participated in state level under 17 Basket ball competitions conducted at Chatisgarh.

Parent-Teacher Association:

Parents, teachers and students form the vital triangle for the growth of any student. Parent-Teacher Association has a vital role in having a rapport between the parents and teachers thereby strengthening the support of the parents to the School. We have a very supportive PTA under the leadership of Shri Santhosh Kumar AC. Due to the efforts and support of the PTA for the past three years, we have been able to install a generator in our School. The PTA also organized a seminar conducted by Shri Paul Varghese for Class X students who face the public exams.

Condolence:

During the year, Neeraja Suresh, Class VII, and Nikhila Suresh, UKG, lost their father, Suresh Kumar, Saurav Ajith of Class XI lost his father

Radhakrishnan, Anu Mathai of Class XI lost father Mathai, Adwaith of Class IX lost his father Madhu M Menon and Sahil MM of Standard lost his father Maheem. I join with the respective families in their grief on the irreparable loss and place on record my heartfelt condolences. May their souls rest in peace.

My heartfelt condolence also to the bereaved families of Shri Chandran MP, our former student who passed away on 15th August 2016, and former student, Shri Abhilash, son of S Madanan, who passed away on 16th August 2016 while trying to board a train. May the Almighty give strength to the bereaved families to overcome their grief.

A word about our staff:

I place on record my sincere appreciation for the dedication and cooperation of all our staff making Vidyadhiraja what it is today. My sincere thanks to the families of all our staff who have been very supportive in all our ventures.

Thanks:

I place on record my sincere thanks to Sankaran KP, our Manager, Shri Sundar Govind, Chairman, Geetha Bhavan Trust, Padmanabhan, Managing Trustee, and members of Geetha Bhavan Trust, Bhaskaran KK, Headmaster, former members of this School, well-wishers and colleagues for their support and encouragement to this institution.

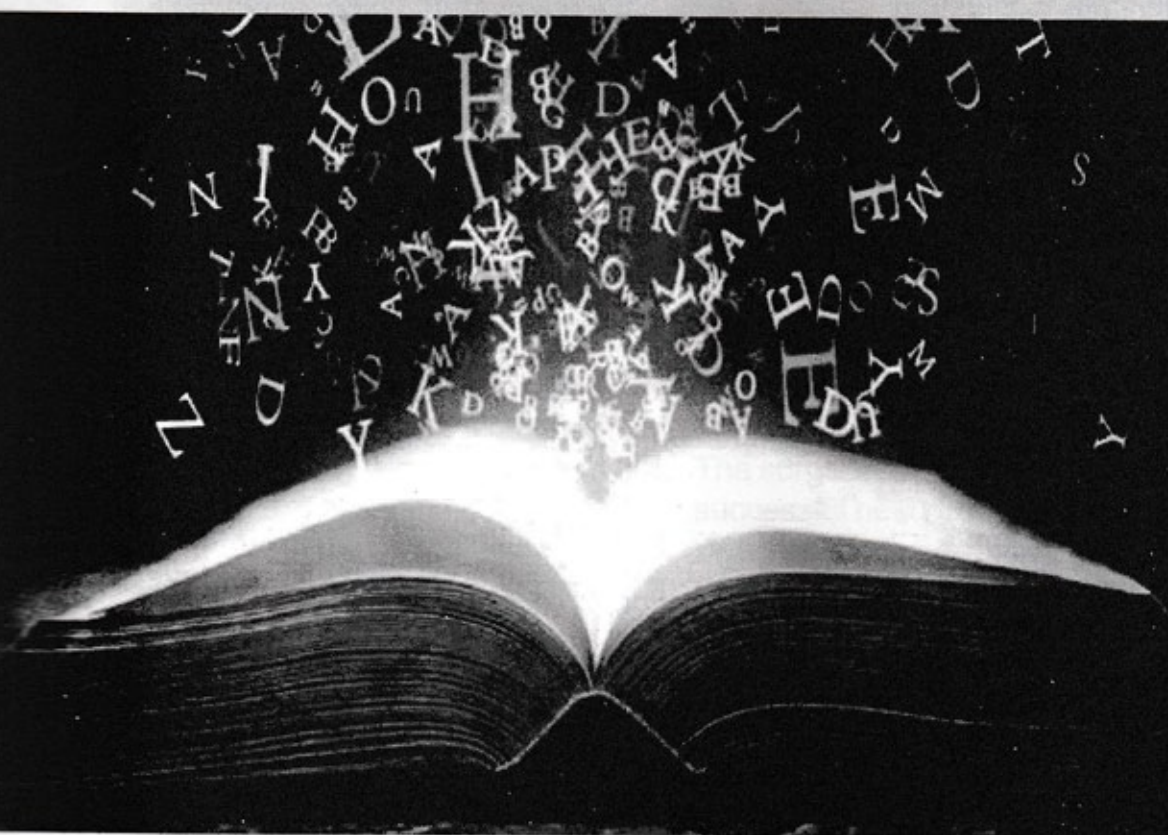
Once again I thank all our well wishers for support.

Thank





ENGLISH SECTION





I CAN

I am an owl

I can hear

I can fly

I can see at night

I am a peacock

I can scream

I can dance

I can spread my feathers

I am a duck

I can quack

I can swim

I live on land

I am a dove

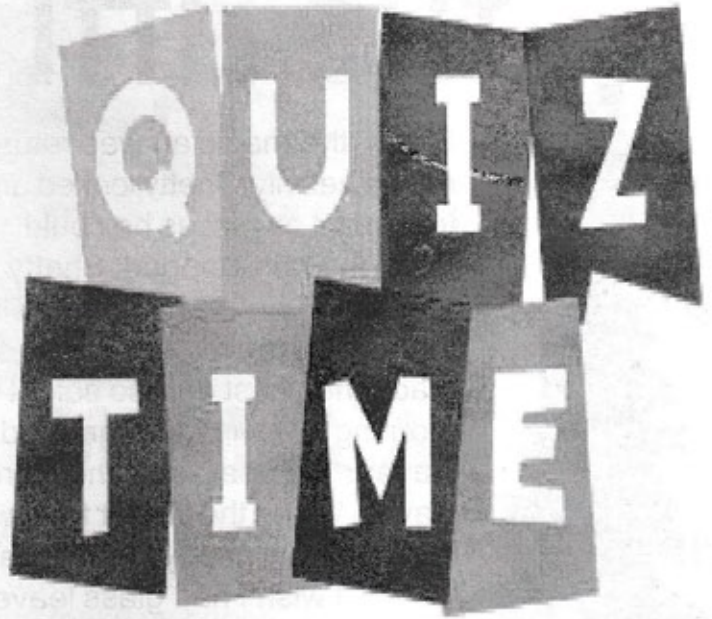
I can go

I can fly

I am the symbol of peace



Nandana Haridas, IIC



1. The first Indian to win the world champion little in chess?
2. Who is the first Indian women to win a medal in the world athletic meet?
3. What is the number of rings in the Olympic Flag?
4. The surgeon who carried out the first successful heart transplantation
5. Which is the largest milk producer?
6. Fastest century by an Indian in test Match cricket

Answers

1. Viswanathan Anand
2. Anju Bobby George
3. 5
4. Christian Bernard
5. India
6. Kapil Dev



Muhammed Suhail. P.B., IV B

THE LITTLE FIR TREE



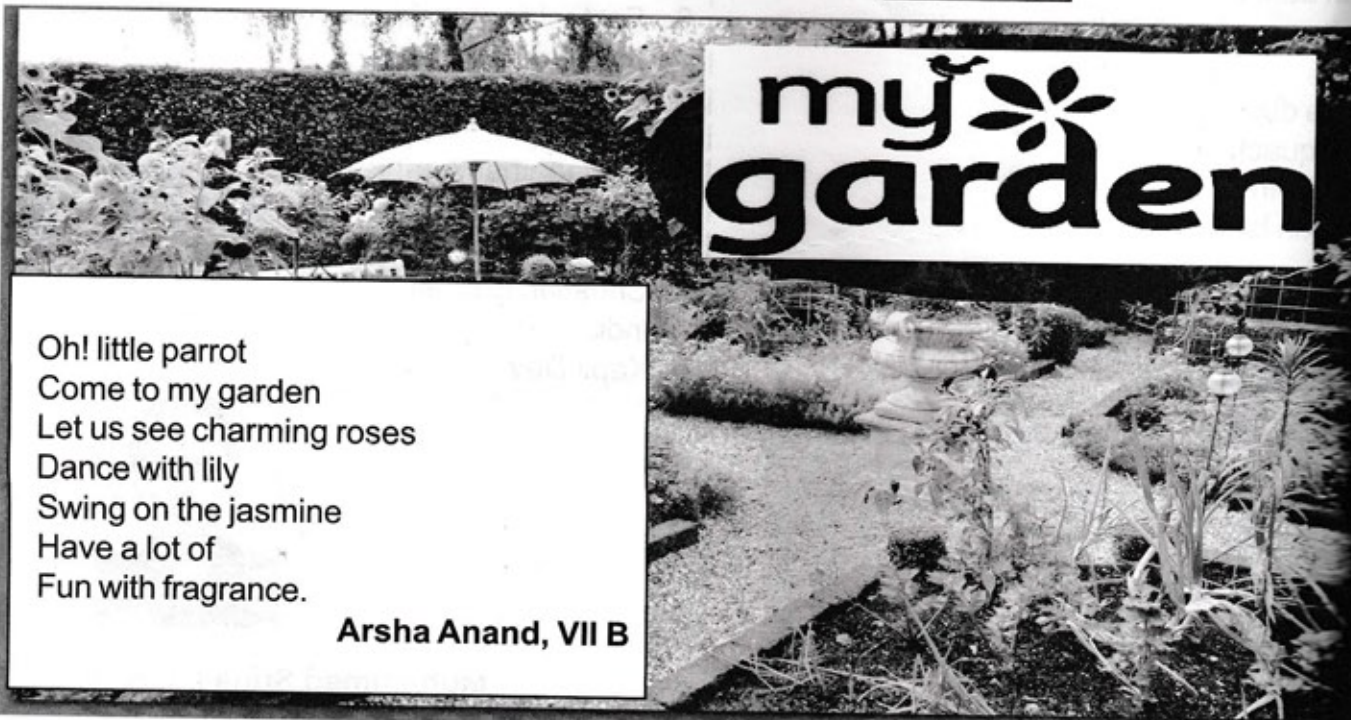
Shetty the magician was returning home, when all of a sudden it began to rain. It rained heavily. Shetty looked around for shelter, and saw a pretty little fir tree. He ran towards it as fast as he could.

Soon the rain stopped. Shetty was happy that he did not get wet. "Thank you, you have been kind to me. I would like to reward you. Ask for four wishes and I will grant them." said the magician. The sad fir tree had leaves like needles and no birds ever made their nest on it so said "I wish I had green leaves like my other friends". Next morning, its wish was granted. Soon a goat came along and ate all the green leaves. "Ok dear" said the fir tree I wish I had gold leaves as goats do not eat gold leaves. When the little fir tree woke up the next morning it was surprised to see gold leaves. "How happy I am!" it said. A man came-along and stole the gold leaves.

"I wish I had glass leaves instead. Men do not steal glass leaves. The next day its glass leaves shone in the bright sun. "How happy I am" it said at night the wind blew whoooooo. All the glass leaves broke. "Oh dear" said the fir tree. "I like my needle like leaves best, for goats do not eat them. No man can steal them. The wind will do no harm" The tree went to sleep. When it woke up the next morning, it had its needles back again. "Oh I never was so happy. said the little fir tree.



Hifal Hazmi. M.A, N



Oh! little parrot
Come to my garden
Let us see charming roses
Dance with lily
Swing on the jasmine
Have a lot of
Fun with fragrance.

Arsha Anand, VII B



OH! MY TEARS

Oh tears!! why you love me this much?
 When my heart failed, you came with love while
 the dark touched me,
 you accompanied me?
 Like a friend who is always with me
 you stayed with me when I was left alone
 When my voice couldn't come out,
 you came for help though didn't help
 My hand got stuck; my voice got silenced
 with their branches when tried to scream
 you came to help me while no one came
 Your fight was heroic but it got failed
 as their roots spread over me torn a part
 My ambitions and my life.
 Why hands why you tear me?
 Scattered my life and my happiness?
 And left me to live, while my dreams
 And everything in me is killed? Let me die!! They
 take everything in me
 Now there is nothing to make me live
 Like a doll put in fire.....
 Oh! Tears.... Let me go.....
 Let me die in your lap.....



Merin Martin, XD

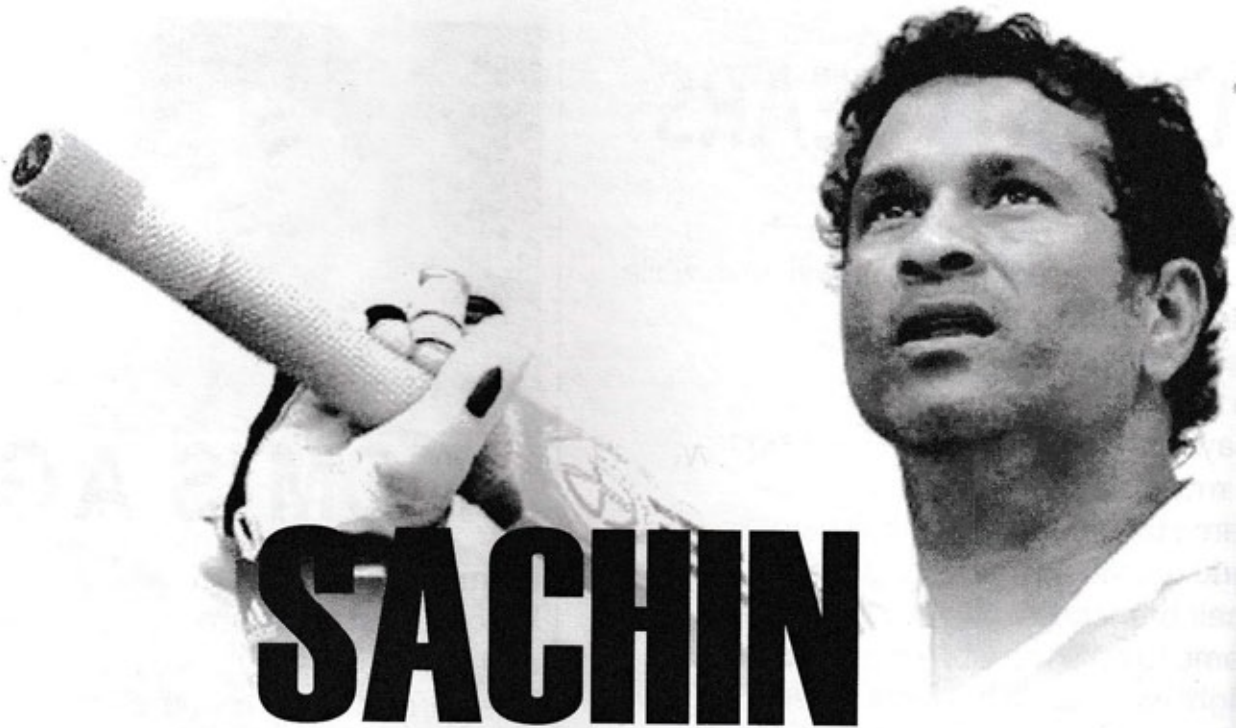


MOM IS A GOD

Mom is a god
 Who bear all her pains
 and make us happy
 She cares me more where I am weak
 She loves me more when I am sick
 She kisses me when I am cute
 She is a god.
 She scolds when I am bad
 She hugs me when I am good
 She tells me to be right
 She is a god
 She saves me from danger
 She shows me the right
 She appreciates me when I am out standing
 She is god.
 She taught me to speak
 She taught me to walk.
 she taught me to dream
 She is god
 She made me to live
 She is my god
 She is my life.
 She is my teacher
 She is my precious diamond.



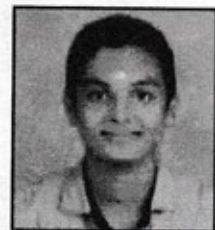
Meenakshi A Rao, 7A



SACHIN

THE MASTER BLASTER

India's final over
Need six in the over
Sachin in the creeze
Batting as a breeze.
Malinga is bowling
As fast as storm
Man in Blue is
batting as a breeze.
Ahead to the stump and
Sachin made a swing
Ahead to the boundary and
earth get quaked.
Malinga is angry
bowling very hard
Sachin flies the ball
over the park.
India wins the match as
Sachin turned the match
Happy are the people
As India won the match.



Abhiram Sudharshan



Tom Francis

JUST FOR A CUP OF COFFEE

"Leave me... leave me alone..." The old man in rags was crying aloud when a lady held his hands up from the street corner.

"Get up Charlie" The lady said kindly. "We will go to that cafe for a cup of coffee!"

"Take that old man out!" The manager of the cafe shouted impatiently. "Sorry Ma'am We serve only dignified customers"

"Why did you invite me to this cafe, Don't you know I am a poor old man?" said the old man.

"Did you recognize this logo?" The lady showed a card from her pocket to the manager.

"Of course, Ritz International! They're our regular customers. Their manager holds monthly meetings here"

"I am Rita Samuel, the CEO of the Ritz. Could you arrange coffee for both of us, please?" The manager stood spellbound while the lady shared her hard days of childhood over a cup of coffee.



When she came to the city as an eight - year - old orphan, worn out and hungry, it was charlie who fed her with coffee and snacks. charlie was a waiter in the same cafe, about 30 years back. She would not have survived if charlie had not fed her that day. When years passed, Rita climbed the ladders of success and prosperity. "This is my card Charlie" the lady said finally. "When you are refreshed, just walk into my office on the fifth north street my secretary will be there to offer you a job and place to stay. All you have earned with a cup of coffee and snacks!"



Safana. A. Latheef, VIII A

RED ROSE FLOWER

Hai, My favourite rose flower you are so nice and beautiful
How did you get this beauty
Who gave you this colour & smell
I want you in my heart
That makes my heart cool
you always smile and dance
Do you know me?
You are symbol of love
So I love you very much!



Anjana B, IV B

ALWAYS POSITIVE



Stress is a major problem faced by youngsters. Stress can be defined as the pressure developed in ones mind which makes him wild. One of the best way to overcome stress is to think positive in your action. Positive thinking trait should be developed in children from their childhood.

For students academics should be taken as a medium of entertainment as well as information. The books should be designed in such a way that students should be attracted to read them. Hearing music, playing with little children, spending time with dear and near once will help you to release the stress. Practising these actions will help to become a positive thinker.

Japanese people are the most suitable example for positive thinking. Their attitudes towards continuous earthquakes and Tsunamis are astonishing. Everytime they get struck by a Tsunami they rise up from their ashes like a pheonix bird. Japan is the nation with high HRD indicators. This is because of their positive thinking and attitude. They face every disaster with a positive mind and find solutions to their problems.

Today there are a number of solutions such as

yoga and retreats which help to relieve stress and help people become healthy both physically and mentally. Practising yoga everyday will help increase our longevity and say goodbye to negative thoughts.

Always be positive not in blood group but in mind and body. Learn to love your life. Positive thinking leads to creative thoughts and creative thoughts leads to innovative inventions. Never be annoyed about the past or be anxious about the future, first live in the present. Just believe that good things are going to happen in your life. Being an optimist will take you to greater heights of glory.



Jomin Joy



GIFT OF GOD

Nature is a blessing,
Thank you God for this gift
Nature is our mother,
We are all it's children
We cut off our trees,
We cut off our forests,
But they always help us.
If they die we will die
If they live we will live
And they will always help us
Nature is a blessing
Thank you God for this gift.
We should thank them,
We should help them,
We Should all care for our nature
Thank you God for this gift.
If you are there, We will be there
If you are not there, we are not there
And they will always help us,
We should all let them help us.
Nature is a blessing,
Thank you God for this gift.



Vivas Jawahar, VII C



MOTHER EARTH

When I was born, my mom planted you
As I grew up, you too grew up.
You took care of me.
Giving everything you have to me and my world..
You started being my best friend.
A friend where listened to everything I said.
As I grew up, I started neglecting you.
My visits to you began to stop
I was no longer there with you.
Because getting caught up in a busy life, I
began to forget you
But you stayed strong and believed in me
Believed that I would be by your side.
I came to you, but it was to fulfill my needs.
Many others came with me for you
And now me and my world miss you.
But it was too late, when we understand that
Our greed was too much.



Krishnapriya P. J.
V.A.

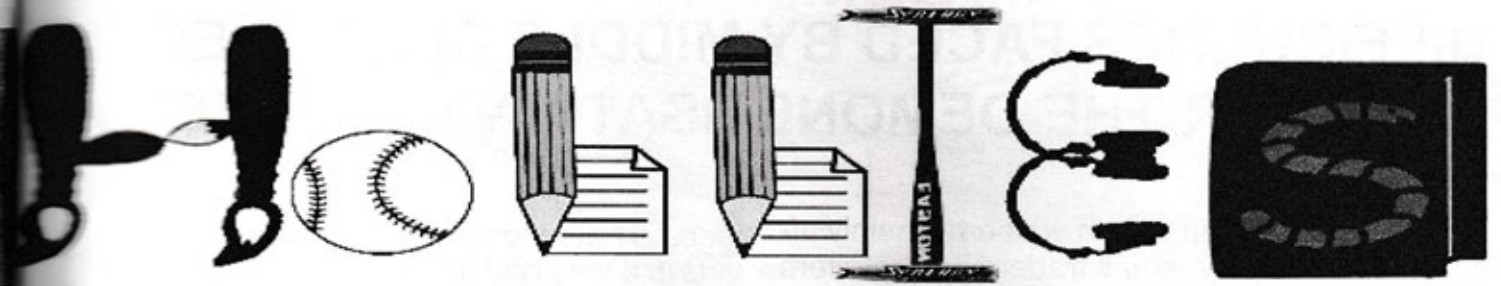


NATURE'S GREEN

The sun does arise
and makes me happy.
The sparrow and myna
Welcome me to the
nature's green
The raindrops is there
but it is drying out
by the sun.
The plants and trees are
lush green. and it
makes my eyes brighter
I run towards the nature
And hug the trees.
and it makes my heart
full of happiness.



Murari Kurup.

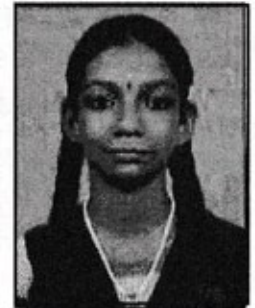


A hobby may be defined as a person's favourite occupation apart from his main business. It can be said to be a recreation engaged in during leisure. Hobbies will add one's pleasure and lessen one's tension arising out of hard work. Therefore it is advisable that one finds out a suitable hobby and spends sometime for recreation.

Hobbies may be selected according to one's taste and ability. Reading, watching T.V., listening to music, playing cards/chess etc, out door games like football/badminton/cricket etc. are some of the most popular hobbies.

As hobbies are so much important every institution -whether private or government should

provide time for the staff members/students There should be a gneral awareness of the imprtance of hobbies and its effect on society as a means of creating a healthy and positive outlook towards life.



Sreelakshmi M. A. IX D

The sun is rising in the sky
Birds are flying in the sky
Clouds are floating in the sky
Stars are twinkling in the sky
Moon is shining in the sky
Thunder and lighting playing in the sky
Kites are flying in the sky
What a beautiful colour in the sky
I wish to fly in the sky
I wish to play in the sky

SKY



Adwaith Shabu, VII B

DIFFICULTIES FACED BY MIDDLE CLASS PEOPLE AFTER THE DEMONETISATION OF MONEY

The scale of India's cash economy mainly affects the merchants, small traders and retailers delivers. The people of North India suffered a lot. Almost every transaction, like most in India, is done in cash and business at the massive. New Delhi market is evaporating, the food spoiling and wasted, 2 weeks after the government surprise currency move made more than 80% of India's bank notes useless. By withdrawing all 500 and 1000 rupee notes from circulation, the government is trying to clean India's economy of "black money" Worried about their next meal so, people are holding on to their precious 10s & 100s out of fear of when they will be able to make their next withdrawal. It also affects business and struggling to do busi-

ness. Thus, money demonetisation affects people in a very bad manner.

Salviya Silvest



HOW BLESSED TO HAVE A GIFT LIKE NATURE...

When I look into nature
I feel happy on seeing
Its immortal creation and amazing beauty
I am filled with pleasure .
On getting to know about you
Simply sitting near the window of my house
I think of your power and your kindful habit
It's a blessing to me
To know about you

You are a source of good advice to man
Kindful, peaceful weapon to all
I am awoken with your habit of
engaging in the joy of life.
Having a chance to know about
your importance
I'm really blessed



Sana P. A., VIII A



PTA GENERAL BODY MEETING 2016-17



Ramayana month Inauguration
Suchadra Teacher, CRHS Kuttipuzha



PLUS TWO A+ WINNERS



SSLC A+ WINNERS

PTA GENERAL BODY MEETING 2016-17



RASHTRAPATHI AWARD WINNERS



RAJYAPURASKAR WINNERS



REDCROSS C LEVEL



STATE KALOLSAVAM WINNERS HS



UP KALOLSAVAM WINNERS



STATE KALOLSAVAM WINNERS H



ഓണശേഷകൾ



Swami JAYANTHI

DEEPASHIKHA YATHRA FROM NOCHIMA ASHRAMAM TO SCHOOL



Swamini Darshika Chaithanya & Swami Atmananda Theertha giving an awareness class.



ENTERTAINMENT PROGRAMME



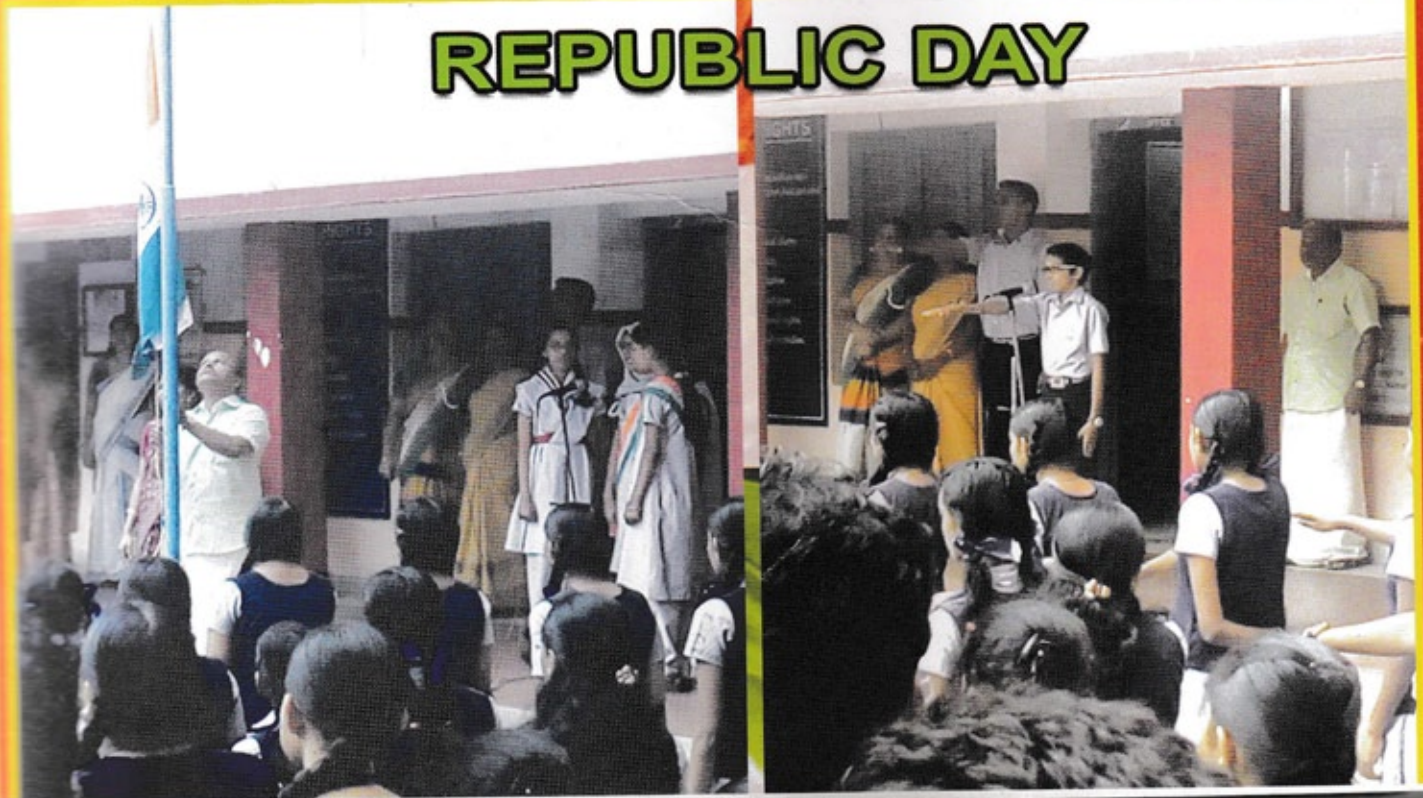
INTERNATIONAL YOGA DAY



RAKSHABANDHAN



REPUBLIC DAY



TEACHERS DAY

*A teacher takes a hand,
Opens a mind, and Touches a Heart*



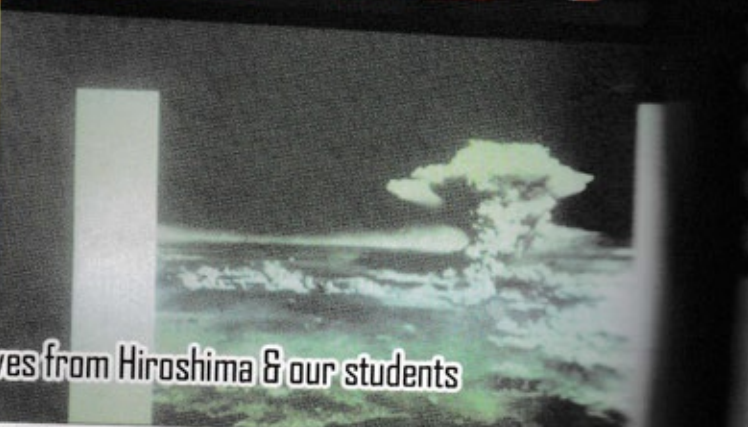
Honouring our former Manager Sri. Mohanan Sir with Ponnada



HIROSHIMA DAY



A talk between the representatives from Hiroshima & our students



ONE DAY I DECIDED TO QUIT



I quit my job, my relationship, my spirituality

I want to quit my life....

I went to the woods to have one last talk with god

"God", I asked,

"Can you give me a good reason not to Quit?"

His answer surprised me....

"Look around", He said, "Do you see the fern and the bamboo?"

"Yes", I replied

"When I planted the fern and the bamboo seeds, I took very good care of them.

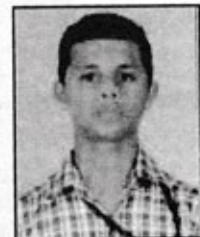
I gave them light, I gave them water. The fern quickly grew the earth, its brilliant green leaves covered the ground; yet nothing came from the bamboo seed after a year. But I did not quit on bamboo. So many years... The last 5th year a briny sprout emerged from the earth. Your time will not come back." God said to me, "You will rise high."

I asked, "How high should I rise?"

He answered, "As high as you can"

I replied, "Yes"

He said, "Give me glory by rising as high as you can...."



Harisankar (A2)

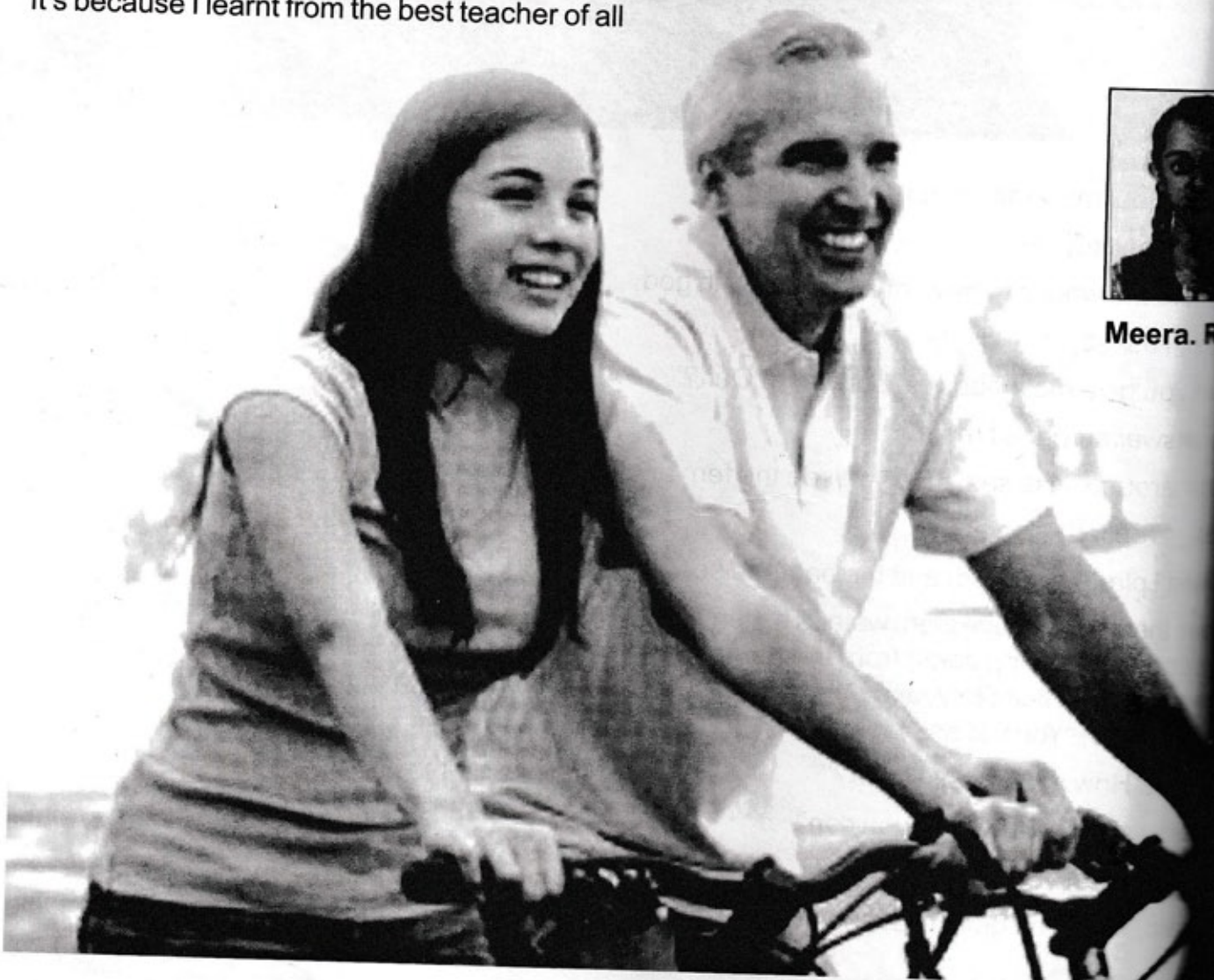
MY FAVOURITE MAN

If there is happiness in my heart,
It's because you put it in there
If there is gentleness in my approach
It's because you showed me how to care.

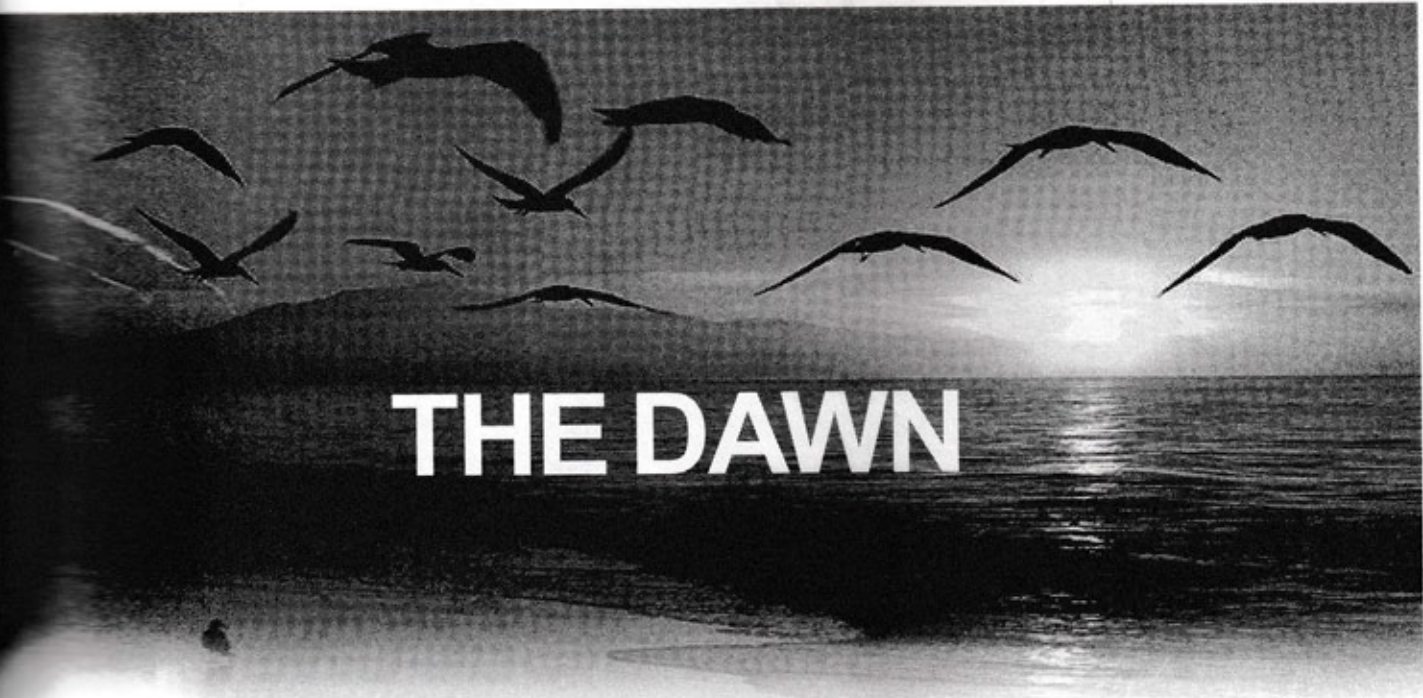
If there is charity in my thinking
It's because you shared your wisdom
If my heart beats like a musical rhythm,
It's because I heard you right from my mother's womb.

If I could turn some tears into laughter,
It's because I had your shoulder to count on.
If I would make my dreams come true,
It's because I learnt from the best teacher of all

If I still believe in angels on earth,
It's because I've a father.....
A father like you!!



Meera. R



THE DAWN

Early did I wake up and couldn't go back to sleep
Mesmerized I was, looking out the window.
The sky was a palette of purple and red
It surely was a masterpiece of the artist

The sun was not yet to be seen,
But he surely has rang the bells of its arrival
A scene so magical that no man could ever resist
to be caught in its confounding power

Through the mist, I walked
The first signs of life was to be seen
getting ready for the adventure were the sparrows,
On a nearby cherry tree.
And out of its burrow came a mole

On every plant life bloomed millions of dew drops,
Glass of purity and freshness they were
A picture of snow and fog were the nearby fields
Under a birch tree I sat, breathing in the Nature

From colour to colour changed the sky as time went
Then came the sun pouring light,
On everything in its way.
How clearer was everything??!

Till a man walked by me hadn't I realized the time,
Busy was the world getting
Clear as a crystal was my mind on turning back
And forever it is to be.



Julia Mathew (B2)



WOMEN STILL INSECURE...?

Women are the deity of prosperity. She is the corner stone of the ideal home." These are the words of Thirukkural who lived ages and ages before. But the attitude is changing now. Turn around, and you can see humiliations against women occurring frequently and it has turned out to be a 'usual' thing. Newspapers are almost packed with frightening news about harassments and we are still least bothered

We have seen how the girl Jisha had been brutally harassed and killed. Recently, we are shocked to hear about the attack towards a woman in the ATM, and stories are lot more...! spread like wild fires and invoke protests while some others are silently suppressed by the political hands. Now, the question is why people have turned out to be so inhuman these days? Why do they do so? Most of you may come up with opinionated answers blaming the dressing style of women as the main reason for 'provocations'. But at the same time, we need to refer the foreign countries where women are free to dress in whichever way they like and still they receive the 'same respect' in the society! So the problem is not evidently with the dressing style, it's with the attitude of people. Even if they are abused, they react spontaneously and there is efficient police force and the judicial system to look after the rest.

That is what holds back the people from doing harassments against women in such countries. But what if the same happens here in India. Yes,

you know the answer. Media would take "BREAKING NEWS" aiming at a high rating going deep into the issue. They sensationalize instead of sensitizing. And, people blame women for reacting spontaneously and the police force and judicial system are always there to protect the interests of the accused. The criminals get special facilities even in the jail and the state of the victims is very pathetic!

Recently, our government has adopted various measures like free self-defence training to women. Some proposals of women Bank of India were to let women play the roles in the bank and even women (She taxi) to safeguard the security of women in public places. These are all great measures. Of course, government is doing much for reducing women insecurity. But, it's not enough. We ourselves have to join hands to strive for creating a secure place for women to live!.



Harikrishnan S



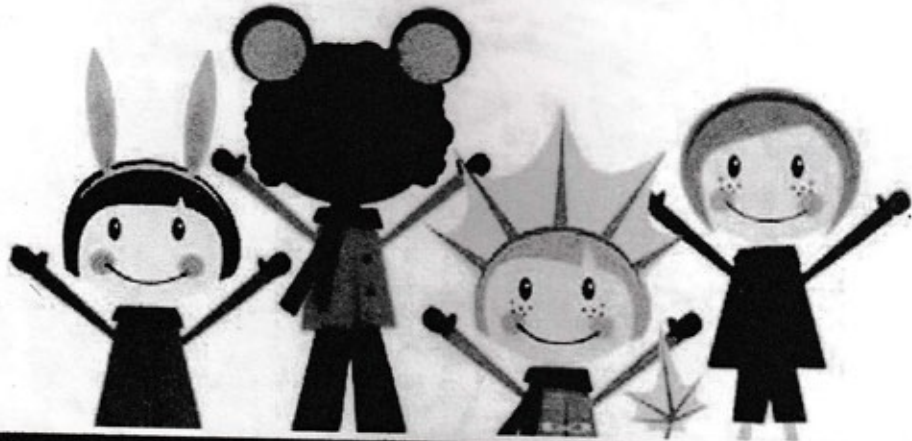
Monday Tuesday Wednesday Thursday Friday Saturday Sunday

The ancient Babylonian, then the Romans, named the days of a week after planets and other bodies they saw in the sky. Some names we know today come from the names of Scandinavian Gods.

- Monday** - Moonday
- Tuesday** - Tin's day: Mares, the common god of war was adopted in the Scandinavian mythology as the warrior Tin or Tio
- Wednesday** - Wooden's day: The Roman God, Mercury became the Scandinavian God wooden
- Thursday** - Jhor's day: Like the Roman God Jupiter, Jhor was the thunder God
- Friday** - Trija's day Like Venus, Freija or Frigg was the goddess of love
- Saturday** - Saturn's day
- Sunday** - Sun's day



Maria Vinu (B2)



ENGLISH IS FUNNY

We start with get, got, gotten
 But now with let, lot, lotten
 We know the plural of mouse is mice
 The plural of house is houses not nice!
 We often use hide, hid, hidden
 Never bids, bid, bidden!
 The plural of cow is cows on kinds
 The plural of vow is vows not vine!
 We feel pain in the tooth, plural of which is teeth
 And we phone from a booth, plural of which is not beeth!

We use brother and sometimes brethren,
 We use mother, not mothern!
 Here the singular is this and plural is these
 Can the plural of kiss be kесе?
 Now the boys are he, his and him
 Imagine the girls being she, shis and shim
 We always say one is foot and two are feet,
 Never one is boot and two are beet!
 As I know the plural of man is men
 Why shouldn't the plural of pan be pen?
 So now English you will agree
 Is the funniest language on earth.



Amrutha Sajeev (C1)

A TEACHER FOR ALL SEASONS



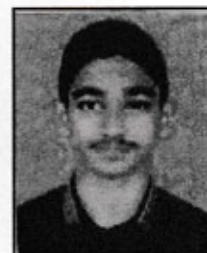
A teacher is like the Spring,
Who nurtures new green sprouts,
Encourages and leads them,
Whenever they have doubts.

A teacher is like Summer,
Whose sunny temperament
Makes studying a pleasure,
Preventing discontent.

A teacher is like Fall,
With methods crisp for clear,
Lessons of bright colors
And a happy atmosphere.


A teacher is like Winter,
While it's snowing hard outside,
Keeping students comfortable,
As a warm and helpful guide.

Teacher, you do all these things,
With a pleasant attitude;
You're a teacher for all seasons,
And you have my gratitude



M. Rashid (A1)

MOTHER IS SPECIAL



'Why are you crying', a young boy asked his mother. Because I'm a woman, she told him. I don't understand, he said. His mom hugged him and said. "And you never cry but that's OK. "Later the little boy asked his father, "Why does mom seem to cry for no reason?" "All women cry for no reason," Was all his dad could say. The little boy grew up and became a man, still wondering why women cry. Finally he put in a call to God, and when God got back to him, he asked "God, why do women cry so easily?" God answered, "When I made woman, I decided she had to be special, I made her shoulders strong enough to carry the weight of the world, yet, made her arms gentle enough to give comfort. I gave her arms gentle enough to give comfort. I gave her the inner strength to endure child birth and rejection that many times will come even from her own children. I gave her hardness that allows her to keep going and take care of her family and friends, even when everyone else gives up through sickness and fatigue without complaining. I gave her the sensitivity to love her children any and under all circumstances. Even when her children hurt her badly. She has the very special power to make a child feel better and to quell a teenager's anxieties and fears. I gave her strength to ease for her husband, to overlook his faults and I fashioned her from his rib to protect his heart. I gave her wisdom to know that a good husband never leaves his wife, but sometimes tests her strengths and her resolve to stand beside him unflinching. For all this hard work I gave her a tear to shed. It is her to use whenever needed, but it is her only weakness.

When you see her cry, tell her how much you love her and all she does for everyone and eventhough she may cry, you will have made her least feel good, know this.

She is special

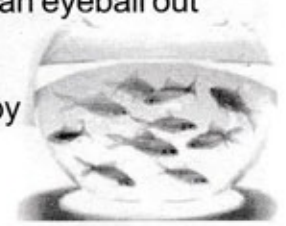
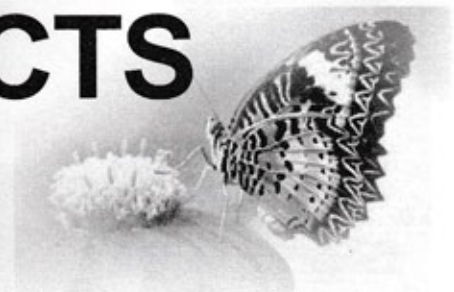


Unnima



FUNNY AND INTERESTING FACTS

1. It is Physically impossible for pigs to look up into the sky.
2. A pregnant goldfish is called a twit
3. If you keep your eyes open by force, when you sneeze you might closepop an eyeball out
4. If you sneeze too hard, you can fracture a rib
5. wearing headphones for just an hour will increase the bacteria in your ear by 700 times.
6. Like fingerprints everyone tongue print is different
7. Money notes are not made from paper, they are made of a special blend of cotton and lines
8. Tea is said to have been discovered in 2737 BC by a Chinese emperor when some tea leaves accidentally blew into a pot of boiling water.
9. Ostriches are often not taken seriously. They can run faster than horses and the males can roar like lions
10. The torpoise is second to man as the most intelligent animal on the planet.
11. A group of twelve or more cows is called a flink
12. Donald duck comics were banned from Finland because he doesn't wear any pants.
13. Chewing gum while peeling onions will keep you from crying.
14. Rhythm is the longest English word without a vowel.
15. Butterfly taste with their feet.



Krishnapriya (B2)



SILENCE

Silence, the most powerful weapon
that one can have

It is the worst punishment that
none can bear

It is more equiptant to words
can speak over emotions

sometimes sharper than words
It can build up or destroy

You and your bonds

He is the super hero and a super villain
That history has witnessed

Silence.... It can lead us to another world,
It may reflect our mind status

It has witnessed the most pure and beautiful bonds of
It walks along with both triumph & disaster...

Silence, he can twist the situations

He can make good to bad and even worse to good
Now I realize that he is that infinity

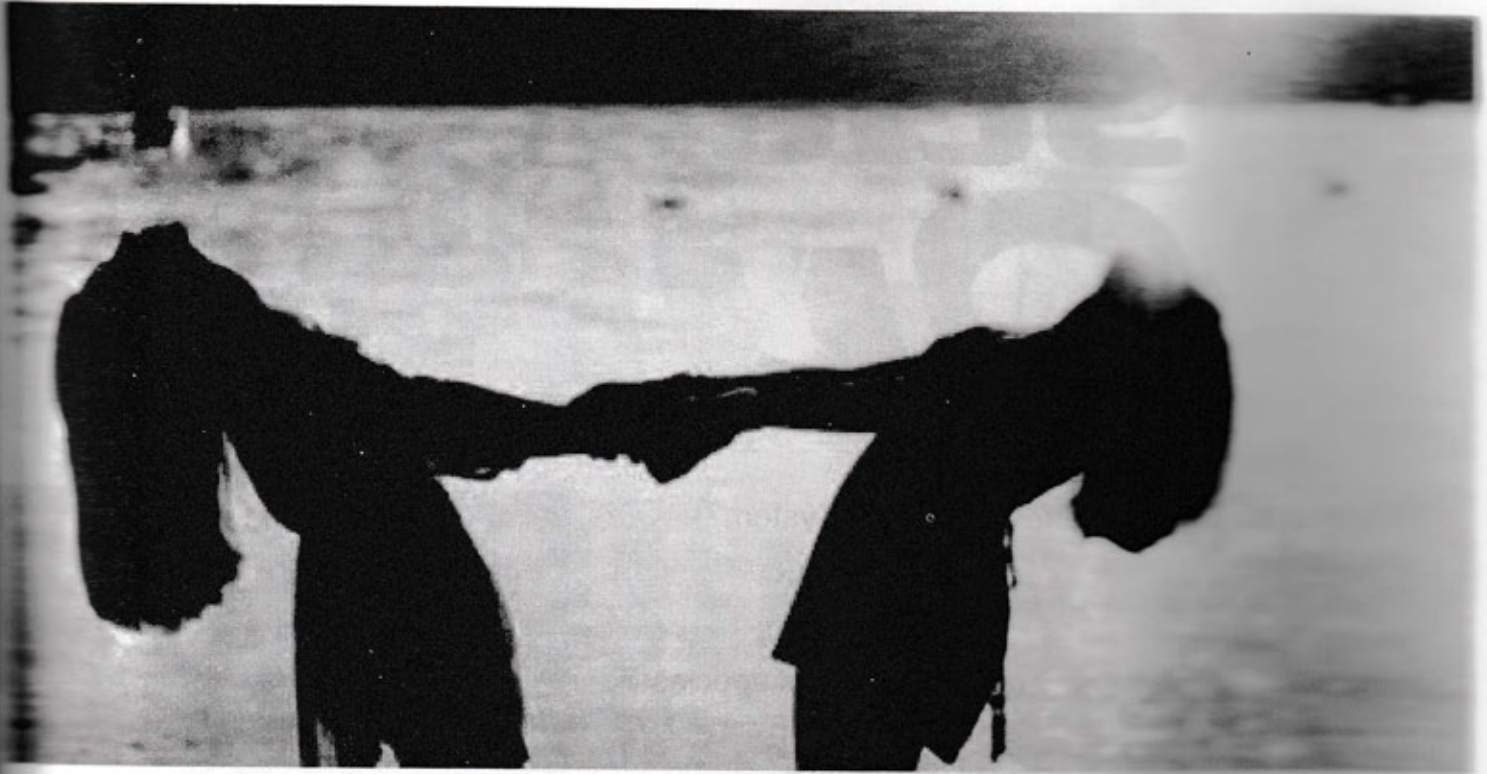
That lies beyond eternity....

Shhh

S
I
L
E
N
C
E



Meenu Noust



MY FRIEND

I had a friend!
Yup, It's awesome to be her friend
I could see myself in her eyes,
And could doze off on her hands.
She was there at the last bench
On the fruit day,
And I didn't know she would be my best
Friend from that day
We loved and laughed,
We cried and and scared,
But every time together
On that last day,
We couldn't see each other
As our eyes got filled with tears
But even now her silly hair and olive eyes,
Are still there deep in my heart.....
Oh god, her memories...
It's been chasing me since she left me,
But they are sweet, I swear
They are sweet, Sweet, and Sweet.....

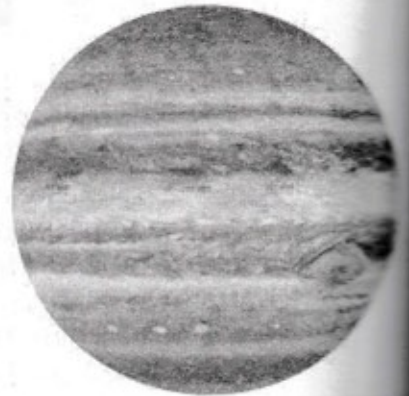


Memories 20-2011

SCIENCE

Science Quiz

1. Which is the biggest planet in our solar system?
Jupiter
2. The highest mountain on earth is?
Mount Everest
3. Which British naturalist wrote 'The origin of species'?
Charles Darwin
4. Which are the smallest parts of elements?
Atoms
5. What part of the body pumps blood to every other part?
The heart
6. Which can make its own food?
A plant
7. What are the 2 main gases in the air that we breath?
Nitrogen, Oxygen
8. Which do not feed their young?
Reptiles
9. Leaves that turn red or yellow in autumn have lost.... What?
Chlorophyll
10. Which is the smallest bird?
Humming bird



Aditya R.

Scienco

1. What is a black hole?

A Black hole is a compressed dense mass with an intense gravitational field. The black hole nearest to our solar system is about 8200 light years away.

2. Why do we need blood?

The red blood cells transport vital Oxygen (O₂) around the body. The blood also absorbs nutrients from the digestive tract, distributes them to the organs, and in returns, take away the waste products from the organs. Blood contains platelets that seal the wounds and WBC that help us to fight diseases causing germs

3. What happens when we do not eat?

If we do not eat for sometime, we lost weight, feel tired & weak.

4. Why are sand storms dangerous?

Dry and hot winds that whirl up and carry the desert sand are sandstorms. The sandstorm appears as a solid wall of sand that could be as high as 1.6 km. camels can close their and they have extra-long eyelashes that cover their eyes.



Shradha Sinoj, IV C



ENVIRONMENT

Slogans

Go Green and help save the Environment

Keep clean and save the Environment

If you can't clean your surrounding them don't make it dirty

Let's go green to get our globe green

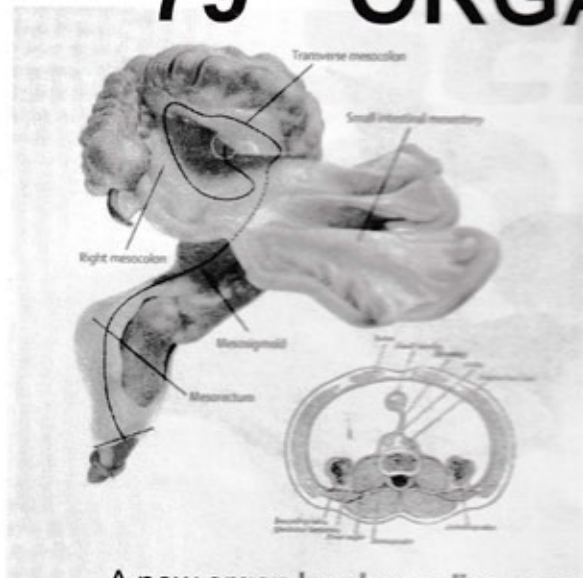
Protect our earth Tockey for our children tomorrow.

Plant for the planet.



Abhijith Deepak, IV B

79TH ORGAN MESENTERY

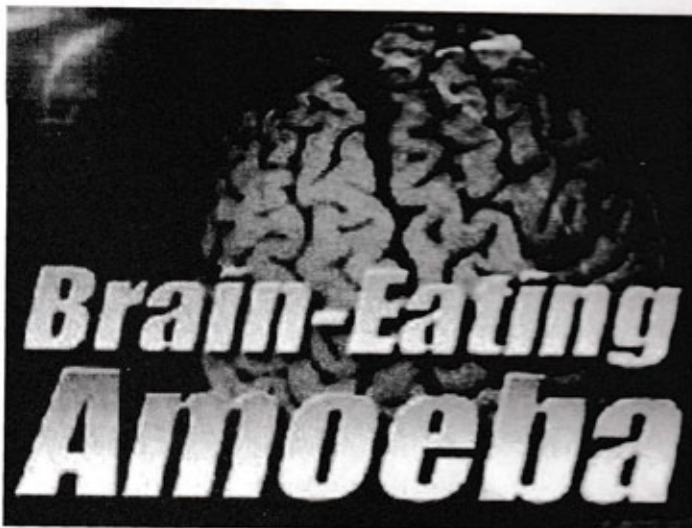


A new organ has been discovered hiding in plain sight inside the human body. It is known as the mesentery, it was previously thought to be just a few fragmented structures in the digestive

system. But scientists have realised it is in fact one, continuous organ. Although its function is unclear, the discovery opens up a whole new area of science. If we approach it like every other organ... We can categorise abdominal diseases in terms of this organ.



Vaishanv. A. M., V



**ONE OF THE
THREATENS OF
LIFE**

A brain eating amoeba just as horrific as the sounds. It's a parasite that can enter the brain and lead to deadly inflammation at the brain. There have been several reports of Brain Eating Amoeba Infections.

'Naegleria' is a form of amoeba that is typically found in warm fresh water such as lakes, rivers, ponds as well as in soil. Only one form of amoeba 'Naegleria fowleri' can infect people. When Naegleria fowleri infects a person, it leads to a deadly infection of the brain called 'Primary Amoebic Meningoencephalitis' (PAM). The amoeba enters the brain through the nose, usually when someone goes underwater. It is one of the most dangerous amoebas to the human body.

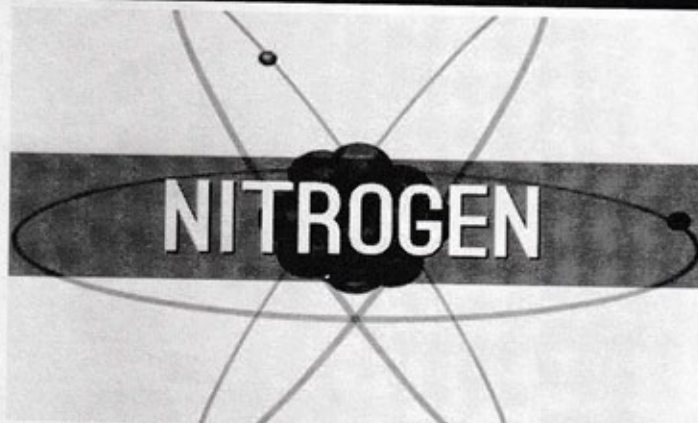
We hope that medical science will control these type of deadly amoebas and it will be vanishing from this beautiful world.



Vaishak B. R.

SOME FACTS ABOUT NITROGEN

1. You breathe oxygen, yet air is mostly nitrogen. You need nitrogen to live and encounter it in needs in the foods you eat and in many common chemicals.
2. Nitrogen is an element having atomic number 7. Its symbol is N. Nitrogen is odorless, tasteless and colourless gas at room temperature and pressure. Its atomic weight is 14.0067.
3. Nitrogen gas (N₂) makes up 78.1% of the volume of the earth's air. It's the most common uncombined (pure) element on earth.
4. Nitrogen is a nonmetal like other elements in this group, it is a poor conductor of heat and electricity and lacks metallic luster in solid form.
5. Nitrogen gas is relatively inert, but soil bacteria can fix nitrogen into a form that plants and animals can use to make amino acids and proteins.
6. Nitrogen compounds are found in food, fertilizers, poisons, and explosives. Your body is 3% nitrogen by weight. All living organisms contain the element.
7. Nitrogen is responsible for the orange-red, blue-green, blue-violet and deep violet colors of the aurora.



8. One way to prepare nitrogen gas is by liquification and fractional distillation from the atmosphere.
9. Nitrogen has a valence of 3 or 5. It forms negatively charged ions (anions) that readily react with other non-metals to form covalent (compounds) bonds.



Aditi Aneesh, IX A

IMPORTANCE OF LITERACY



Educated and skilled citizens are a nation's asset.

Literacy helps a nation in economic, scientific and cultural progress. It also helps in wiping out social evils. Literacy is a pre-requisite for democracy, which is considered as the best form of government.

Only the literate public can evaluate the policies and programmes of government. Literacy also helps to increase efficiency. Literacy makes people con-

scious of their rights and duties.

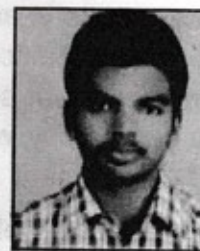
Literacy prevents exploitation and thus for economic development. Social evils like dowry and communalism can be eliminated to a great extent. In short, literacy is essential for leading a smooth and successful life.

Abhinav Shabu, X B



The Beauty of Science

In science there are branches three,
Physics, Biology and Chemistry!
A lot of problems in physics
Must be dealt with a lot of tricks
Biology is like a branch of tree
Spreading, fragrance and greenery
It is the study of life on earth
And it fills my mind with a lot of scenery
In it we learn all about animals and trees
And reasons for the occurrence of breeze
The toughest branch is chemistry
This unfolds the atomic mystery
A number of reactions and its history
Indeed fills my mind with a lot of mystery
Even though the study of science is difficult,
It is as tasty as a biscuit.
Learning science is indeed great fun
For, we become aware of all under the sun
Wow! The beauty of science
Indeed adds spice to my life!



Aswin A. Nair (A2)

ANNUAL DAY 2016-17

Inaugurated by
Playback singer AFSAL

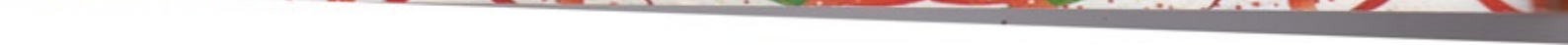




KIDS FEST



Inaugurated by Swasika Nair
Cine Artist





CULTURAL CHAMPIONS LKG

Adwaith R. Nair (LKG. B), Avani K.S (LKG C)



CULTURAL CHAMPIONS UKG

Prayag. K.R. (UKG. B), Ardra Arun (UKG B)



SPORTS CHAMPIONS LKG

Aradhya A.S. (LKG. A), Arathy Sibin (LKG A)



SPORTS CHAMPIONS LKG

Alan Krishna. (UKG. B), Aysha Sahara (UKG C)



ACADEMIC PROFICIENCY LKG

Aradhya A.S (LKG A) Adwaith R. Nair (LKG B),
Avani.K.S. (LKG C)



ACADEMIC PROFICIENCY UKG

Krishnaveni. K.V (UKG .A), Ardra Arun (UKG B),
Aysha Zahara T.I. (UKG C)

PCM SCHOLARSHIP WINNERS- LKG



Sarath Yasin. K.N., Aradhya A.S., Anagha. C.V.
Devesh M. Krishna, Athul Krishna, Arjun. R
Ashritha Prabhu. V.A

Badri Binoy, Pranav pai K.P., Souparnika M. Pratap
Adwaith R. Nair, Devaharsh. K.V, Saran K.B,
Anandakrishnan T.S, Gouri B. Nair

PCM SCHOLARSHIP WINNERS- UKG



EricJohn, Abnav Babu, Rajat. M, Abhirami S.S, Fathima Safa, Anuja R,Devinanda K.V,
Dhyan Gireesh, Ardra Arun, Adiya Fazeer
Aryan P. Nair, Sreehari P.S, Ann Niya James, Nikhila Suresh, Krishnaveni, K.V.,
Aisha Farha T.S, Jaice Shinoj, Thushar R. Rao, Prayag K.R, Hamlin Robin

WINNERS OF VARNAJALAKAM COLOURING COMPETITION - LKG



WINNERS OF VARNAJALAKAM COLOURING COMPETITION - UKG





CULTURAL UNITY OF INDIA

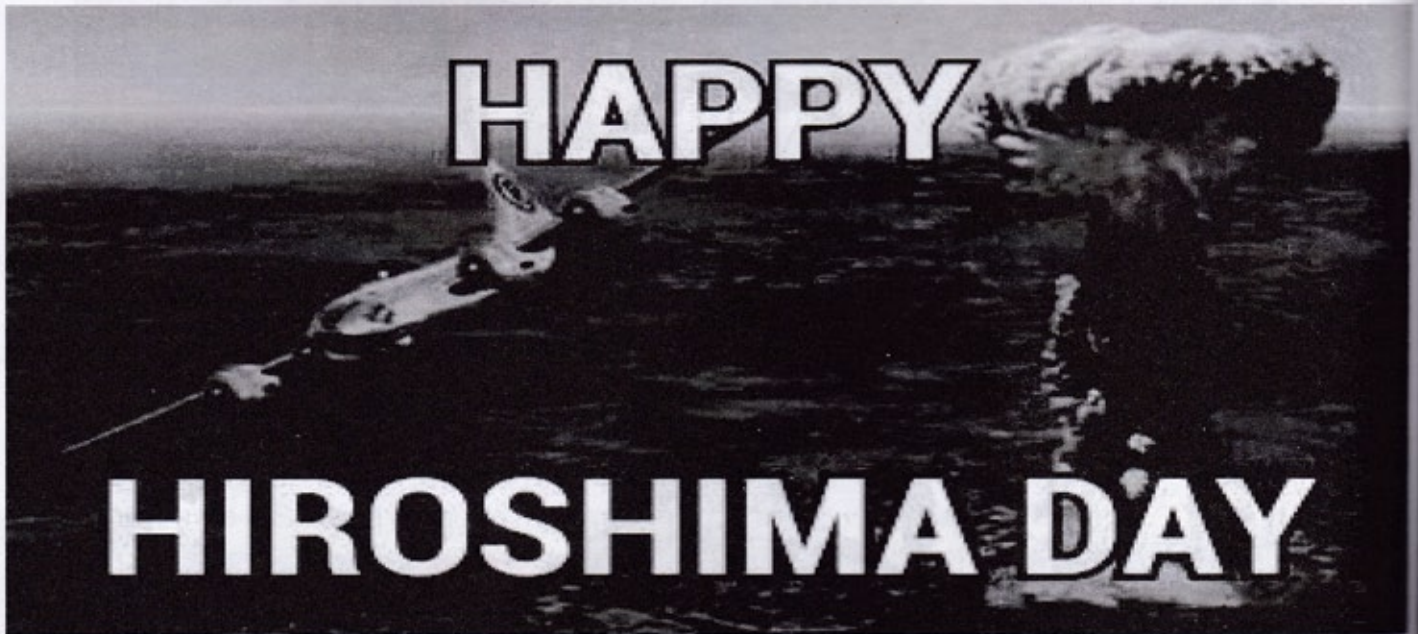
The word 'culture' is rather difficult to define accurately and is as elusive as the term 'civilization'. The concept covers material as well as non material things, the later including languages, rituals, beliefs, values, economic relations etc. What really binds people together is their culture. The ideas, beliefs and standards they have in common.

The cultivation of good tastes acceptable pattern of external behaviour, deep moral sensibilities all these are indications of culture. It is culture that distinguishes man from other organic culture. Culture is the product of human society. Each distinctive culture corresponds necessarily to a particular society. Throughout history India has been culturally united i even though politically it has been split up into quarreling status and it has been split up into quarreling status and territories. India is past with languages and religious beliefs is in effect the common heritage of all Indian. There are diversities of course. But there is an essential unit of outlook which one notice from north to south and East to West. Indian society has progressed

by a synthesis of the emerging contradictions. This incorporates several Indian tradition.

Indian Society has not been rigid. Over the centuries. India has absorbed waves of foreign culture. The joint family and the case system have virtually crumbled. Indian culture is composite in character, the traditional tolerance of Indian society has been a vital factor. Albert Schweitzer the well known philosopher described Indians as 'self neglecting people. The cultural unity of Unity of India is doesn't as complete, all pervasive and desirable as our predecessors supposed.

Lakshmi Priya, VI A



71 Years back at exactly fifteen minutes past eight in the morning on August 6, 1945, The first atomic bomb was dropped by united state on the Japanese city of Hiroshima. Hiroshima which means 'Broad Island' in Japanese turned to dust within seconds. Every year, August 8 is observed as Hiroshima Day. This sober observance is a reminder of a quarter of million souls who perished due to single catastrophic exploration.

The year 2016 bestowed us a golden opportunity to meet 4 japan citizens one from Hiroshima itself. Through a presentation, we got the vivid idea of the bomb explosion that happened years before. After the explosion, the scenario of Hiroshima completely changed . It was pathetic to know that people are still undergoing the after effects of the bomb blast. The radication caused by the bomb blast affected the following generations. Some have mental disorders and some others have cancer. It was deplorable to know that people who had such physical and mental ailments are still avoided by other people.

Government along with some agencies adopted several steps to bring up people from such worse conditions. The government provide medical aids to the victims. They also visit the vic-

tims of the war and share their problems to the public through media. Yumi, a student from Hiroshima told us that it was their hardwork and perseverance that helped Hiroshima rebuilt itself. They have even organized a baseball team to help the victims.' Hiroshima Toyo Carp' is the professional baseball team in Hiroshima. The new nation Hiroshima has people who are really optimistic in their thoughts. Even after the problems created by America, they were really happy to receive Barak Obama, then the President of America.

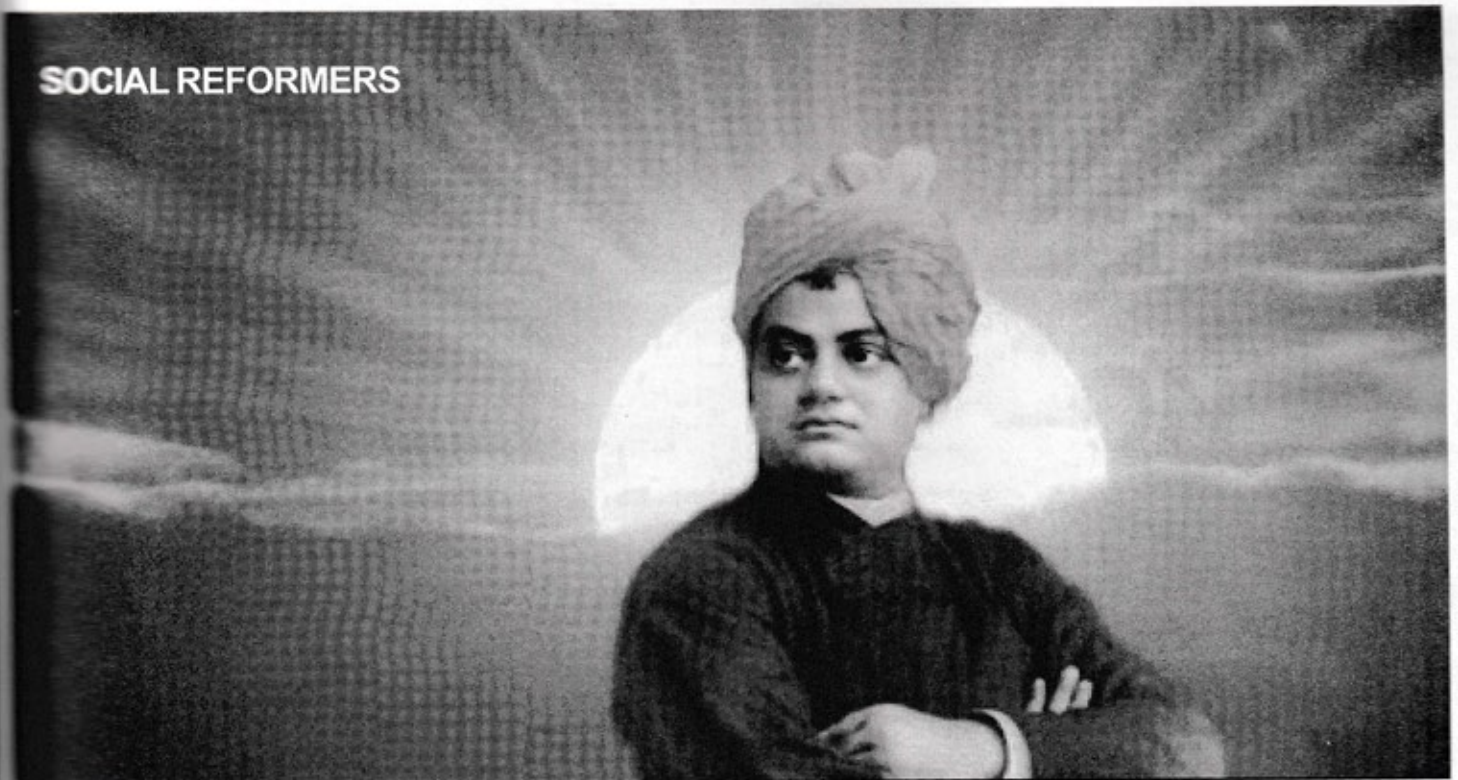
Hiroshima is the best example to show the hell created by wars. It is their confidence and hope that rebuild the nation.



Haripriya.H, X C



SOCIAL REFORMERS



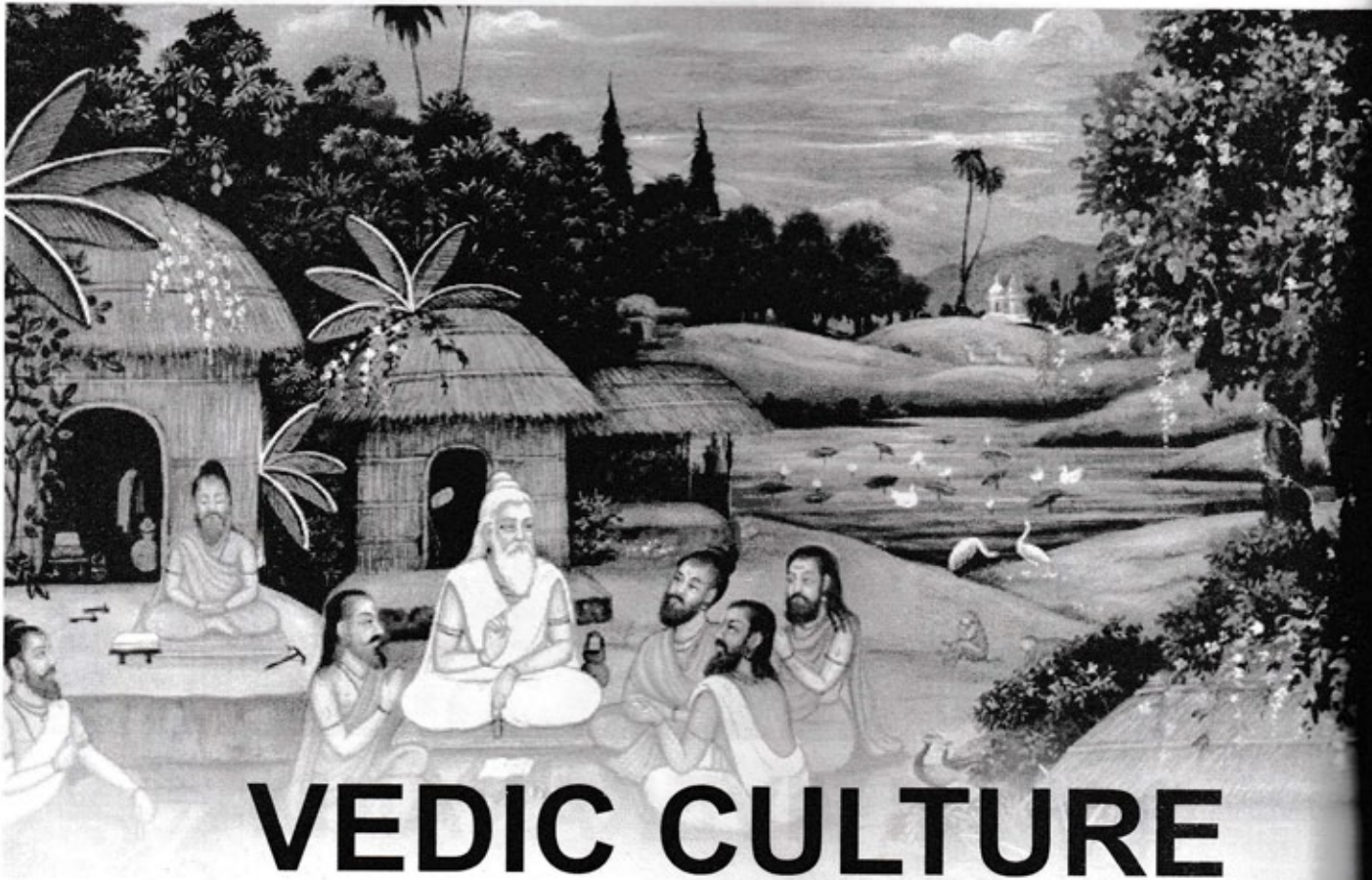
SWAMI VIVEKANANDA

Swami Vivekananda's real name was Narendranath Datta and his parents called him 'Nile'. He was born in Calcutta's Shimla Palli, on January 12, 1863. His father Viswanatha Datta was a successful attorney with interests in a wide range of subjects, and his mother Bhuvaneshwari Devi was endowed with deep devotion, strong character and other qualities. In 1879 Vivekananda went to the Presidency College Calcutta University for higher studies. By the time he graduated from the college, he had acquired vast knowledge of different subjects especially western philosophy and history. He was also associated with Brahmo Movement led by the Keshab Chandra Sen from some time. On 16 August 1886 Sri Ramakrishna gave up his mortal body. In 1887 they took the formal ways of Sanyasa, thereby assuming new names. They all left for a journey to become a wandering monk.. During his travels all over the country,

Vivekananda was deeply burnt to see the appalling poverty and backwardness of the country men. He also found that despite of the masses clung to religion. One thing became clear to Swamiji: to carry out his plans for the spread of education and for uplift of the poor, masses, and also of women, an efficient organization of dedicated people was needed. Few years later, he founded one of the world's largest charitable relief mission the Ramakrishna Mission. On 4th July 1902, the day of his death, he had a walk with Swami Premananda, a brother disciple at Belur Math, Calcutta. Vivekananda expired while he was meditating.



Revathi C.B., X D



VEDIC CULTURE

The Aryans originally lived in Central Asia and the region around the Caspian Sea forced by shortage of food and fodder, they left their original home. Some of them, went to Europe while others came to India through the passes of Hindukush around 1500 B.C. Those who came to India came to be known as Indo-Aryans. The Aryans first settled in Punjab. The civilization developed during this age came to be known as Vedic civilization

Vedic Literature

The most important sources of Vedic Civilization are Vedas. Veda means 'Knowledge'. The Vedas are neither any individual religious work nor a collection of definite number of books compiled at a particular time. The vedic literature had grown in the course of many centuries and was handed down from generation to generation by word of mouth. It consists of 3 successive classes

of literacy creations. Some of still exist, but many have been completely lost for ever.

Vedas

The vedas are a large body of text original in ancient India. There are four Vedas: Rigveda, Yajurveda, Samaveda and Atharvaveda.



Siva pournami B. Nair



KALINGA WAR

The state of Kalinga was a feud republic located on the coast of the present Odisha and northern Andhra Pradesh. The Kalinga was a glorious and prosperous region at that time and was inhabited by freedom loving and artistic skilled people

From the reign of Bindusara, Ashoka's father the Mauryan empire was having a policy of territorial expansion. After Ashoka's accession to throne, he tried to annex Kalinga. The war began in the 8th year of Ashoka's reign, probably in 261 BC. Kalinga raised a stiff resistance against the brutal force of Ashoka and fought bravely till the end

No war in the history of India is as important

either for its intensity or its result. It was a war which changed the heart of the victor from one of extreme cruelty to that of an exemplary piet. After seeing the blood shed with his own eyes, Ashoka felt that he was the only cause of this destruction. This prompted him to devote his life to Ahimsa and Dharma. Adopting Buddhism he led his empire for more than 40 years with peace, harmony and prosperity.



Tulsi Shyam, I

CHEMICAL MARRIAGE

Mr. and Mrs. Calcium (Volatile Bhavan)

cordially invite you and your family to the warm marriage occasion of their one and only son,

Mr. slaked lime with Miss Dilute sulphuric Acid,

daughter of late Mr concentrated Sulphuric Acid and Mrs Sulphurous Acid.
(Dibasic Nikethan) on 15 the of September 2017

Mr slaked lime is working as the chief Chairperson of the Exothermic Reactions Association at organic city and miss Dil Sulphuric Acid is the secretary of Endothermic council at inorganic city.

Mr and Mrs Calcium Carbonate Expect your esteemed presence at the marriage of their son

Venue : Chemistry Lab, Vidyadhiraja Vidyabhavan HSS, Aluva

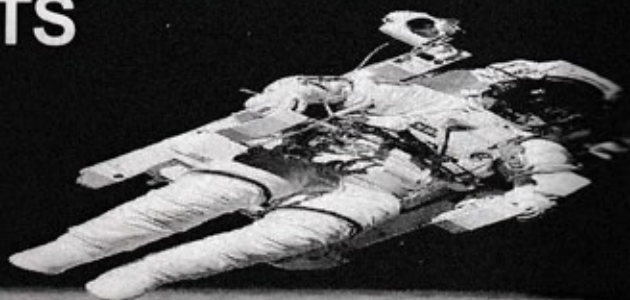
Time : 10.30 am to 11.30 am

Special Reception: Will be arranged at the Chloroform Auditorium,
Lithium city on 16 th September 2017

Special and Best wishes from : Organic Family

Muhammed Rashid (A1)

KEEPING ASTRONAUTS ALIVE AND HEALTHY FOR A LONG TIME



Our bodies aren't built to withstand the hardship of interstellar travel. And even if astronauts can somehow survive to voyage. The crew will be at risk of succumbing to claustrophobia, anxiety, insomnia and depression.

Scientists feel that by putting the 'crew into deep sleep' the cost and resources can be significantly cut down. The negative psychological effects of

prolong space travel could be mitigated. To reach the technology NASA has teamed up with an Atlanta based aerospace company is investigating procedures for putting space travelers into hibernation



Yes

MATHS

THE MAGIC OF MATHS

$$21 \times 36 = 12 \quad \times \quad 63 = 756$$

$$21 \times 48 = 12 \quad \times \quad 84 = 1008$$

$$31 \times 39 = 13 \quad \times \quad 93 = 1209$$

$$32 \times 46 = 23 \quad \times \quad 64 = 1472$$

$$41 \times 28 = 14 \quad \times \quad 82 = 1148$$

$$42 \times 48 = 24 \quad \times \quad 84 = 2016$$

$$42 \times 36 = 24 \quad \times \quad 63 = 1512$$

$$62 \times 39 = 26 \quad \times \quad 93 = 2418$$

$$43 \times 68 = 34 \quad \times \quad 86 = 3024$$

$$64 \times 69 = 46 \quad \times \quad 96 = 4416$$



Anusree. M.A, III C

FIND THE SOLUTION

6	+		=	14	6	-	12	=	
+		+		+	+		+		+
	+	9	=	16	25	-		=	13
=		=		=	=		=		=
13	+		=			-		=	

Athul Shyam
IV - C



Question

Solution

6	+	8	=	14	20	-	12	=	8
+		+		+	+		+		+
7	+	9	=	16	25	-	12	=	13
=		=		=	=		=		=
13	+	17	=	30	45	-	12	=	21

PUZZLE

Rakhi S. Nair
IV - C

Question

Solution

	3	16				9	17	
9			17		3			
17								
	17	31	8		7			16
29				10	11			
17			20	31	8			
	16			5		4	15	
	17				5			
	9				11			

	3	16				9	17	
9	2	7	17		3	2	1	
17	1	9	7			3	5	
	17	31	8	1	7	10	4	3
29	8	1	9	6	5	8	11	2
17	9	8	20	31	8	1	9	6
	16	7	9	5	4	1	4	
	17	9	8		5	8	1	
	9	6	3			11	3	



MEASUREMENT

<p>Length</p> <p>10mm - 1cm 10 cm - 1DM 10DM - 1M 10M - Dec.M 10Dec.M - 1Hecto M 10 Hecto M - 1 KM 100 cm - 1 m 1000 mm - 1 m 1000 m - 1 KM</p>	<p>Clock</p> <p>60 seconds - 1 minute 60 minute - 1 hour 24 hour - 1 day 7 days - 1 week 30 days - 1 month 12 months - 1 year 365 days - 1 year 10 years - 1 tentuary 100 years - 1 centuary</p>
<p>Numbers</p> <p>2 numbers - 1 pair 12 numbers - 1 dozen 12 dozen - 1 groce 144 numbers- 1 groce 20 numbers - 1 score</p>	<p>Paper</p> <p>24 paper - 1 quire 20 quire - 1 R 5 quire - 1 boundle 4 bundle - 1 beile</p>

ഗണിതശാസ്ത്രം ക്വിസ്



1. ശാസ്ത്രങ്ങളുടെ രാജ്ഞി എന്നറിയപ്പെടുന്ന ശാസ്ത്രരേഖ ഏതാണ്? ഗണിതം
2. "സ്വർഗ്ഗത്തിന്റെ സമ്മാനം" എന്നറിയപ്പെടുന്ന ഗണിതശാസ്ത്രജ്ഞൻ ആരാണ്? ശ്രീനിവാസ രാമാനുജൻ
3. രാമാനുജൻ സംഖ്യ എന്നറിയപ്പെടുന്ന സംഖ്യ ഏതാണ്? 1729
4. 2012 ഏത് വർഷമായി ആഘോഷിക്കാനാണ് കേന്ദ്ര സർക്കാരിന്റെ തീരുമാനം? ഗണിതവർഷം
5. \div ചിഹ്നം ഹരണത്തിന് ആദ്യമെഴുതിയത് ആരാണ്? ജോൺ പെൽ
6. ആദ്യത്തെ അഭാജ്യസംഖ്യ ഏതാണ്? 2
7. ഗണിതദിനം എന്നാണ്? ഡിസംബർ 22



ഐശ്വര്യ വി.ആർ ഏഴ് എ.

Your Turn

STUDY THIS TABLE AND THEN ANSWER THE QUESTIONS THAT FOLLOW

x	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
2	0	2	4	6	8	10	12	14	16	18
3	0	3	6	9	12	15	18	21	24	27
4	0	4	8	12	16	20	24	28	32	36
5	0	5	10	15	20	25	30	35	40	45
6	0	6	12	18	24	30	36	42	48	54
7	0	7	14	21	28	35	42	49	56	63
8	0	8	16	24	32	40	48	56	64	72
9	0	9	18	27	36	45	54	63	72	81

Parvathy P. S.
VII A

1. Select any two add numbers. Multiply them. is the product add or even?
2. Select any two even numbers, Multiply them is the product add or even?
3. Select an add number and an even number multiply them. Is the product odd or even?
4. Select any two odd numbers. Add them. Is the sum even or odd?
5. Select any two even numbers Add them. Is the sum even or odd?
6. Select an even number and an odd number. Add them. Is the sum even or odd?

Answers: 1. Odd, 2. Even, 3. Even, 4. Even, 5. Even, 6. Odd

Equation of Life

Life = Pleasure 1

Life = Sorrow 2

Adding Equations 1 and 2 we get

2 Life = Pleasure + Sorrow - 3

Dividing the equation 3 by 2 we get

Life = $\frac{1}{2}$ Pleasure + $\frac{1}{2}$ Sorrow

Arathy Rajan P.
VIII C

Calculating Talk

Did you know that your calculator can talk to you?
Just try this.

Enter the number 0.1289 and multiply it by 6. The answer is 0.7734. Now turn the calculator upside down and it will greet you with a HELLO
Have conversation with Your Calculator by trying transactions given below and see what you get.

1. $.370000+6616$
2. $0.59 - 0.22$
3. 18940.3×20
4. 931×2149
5. $958 - 351$

Answers: 1. Giggle, 2. Leo, 3. Gobble, 4. Oboe, 5. Log

Can you find me?

I am a four digit number
Me and two times me together make
the largest four digit number
Who am I?

Ans: 3333

Athulya C. S.
IV - A

മാത്യൂഭൂമി

FEBRUARY
2020

1194

മകരം - കുറുപ്പം

ഫിബ്രവരി

2020

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

SUDOKU

Varsha T. S.
IV - C



8								4
2			3		6			9
		9	4	5	2	3		
	2		8		9		7	
6								8
	5		7		3		1	
		3						
9			6		5			1
5								3

How to play?

Fill in the grid so that every horizontal and vertical column or box contains the digit 1-9 without repeating the numbers in the same row, column. You can't change the digit given in the grid. Every puzzle has one solution

5	1	6	9	7	4	8	2	3
9	8	2	6	3	5	7	4	1
7	4	3	2	1	8	5	9	6
4	5	8	7	6	3	9	1	2
6	9	7	5	2	1	4	3	8
3	2	1	8	4	9	6	7	5
1	6	9	4	5	2	3	8	7
2	7	4	3	8	6	1	5	9
8	3	5	1	9	7	2	6	4

Solution



A-Z COMPUTER WORLD

- A - Agusta Ada King - First computer programmer
- B - Byte is the unit of memory
- C - Compact Disk - used to store information and data
- D - Data - Any material put into the computer
- E - Enter key - It ends your instruction to computer
- F - Floppy disk - used to store information
- G - Graphics - to draw pictures in a computer
- H - Hardware - All the touchable part of a computer
- I - Icon - representing any programme by a picture
- J - Joystick - Device used to play computer games
- K - Keyboard - A small board numbering keys on it used to feed information to the computer
- L - Laptop - Very small and hardly computer can be taken everywhere one goes
- M - Monitor - TV like unit that displays information and results
- N - Network - Computer connected each other for exchanging information
- O - Output - Result generated by a computer]
- P - Printer - give information to output or paper
- Q - Quadcore - A single chip with distinct processors that work simultaneously
- R - Robot - A computer which imitates like humans
- S - Super computer- very large and strong computer
- T - Turbo switch - A switch that makes the CPU work faster.
- U - Unix - Name of a translator in between you and your machine
- V - Virus - A programme that damages programme and information
- W - World wide web
- X - X copy command in Dos
- Y - Cable used to connect interval parts of computer
- Z - Zero - First counting unit of a computer.

Roshan (A1)

നാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീം



വിദ്യാർത്ഥികളെ സാമൂഹ്യസേവനത്തിൽ പങ്കാളികളാക്കുകയെന്ന ഗാസിജിയുടെ സ്വപ്നസാക്ഷാത്കാരമായിട്ടായിരുന്നു നാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീമിന്റെ ആവിർഭാവം. 2015 ൽ ആരംഭിച്ച നാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീമിന്റെ തുടർപ്രവർത്തനം പ്രിൻസിപ്പൽ ലതാദീപ്, പ്രോഗ്രാം ഓഫീസർ കൃഷ്ണൻ സർ, അസി. പ്രോഗ്രാം ഓഫീസർ ശ്രീകല കെ.എ. എന്നിവരുടെ നേതൃത്വത്തിൽ ആരംഭിച്ചു. കുട്ടികളുടെ നേതൃത്വസ്ഥാനം ഏറ്റെടുത്തത് അർജുൻ ജെയും തന്മപ്രഭുവും ആയിരുന്നു.

സമൂഹത്തിന്റെ ആവശ്യങ്ങളും പ്രശ്നങ്ങളും മനസ്സിലാക്കി പ്രശ്നപരിഹാരത്തിനായി പ്രയത്നിക്കുവാൻ കുട്ടികളെ സജ്ജരാക്കുവാൻ ഈ വർഷത്തെ പ്രയത്നം കൊണ്ടു സാധിച്ചു. നമ്മുടെ വിദ്യാലയത്തിലെ സന്നദ്ധസംഘടനകളായ സ്കൗട്ട് ആൻഡ് ഗൈഡ്, റെഡ്ക്രോസ്, എൻ.എസ്.എസ്. എന്നിവയുടെ സംയുക്തആഭിമുഖ്യത്തിൽ നടന്ന മെഡിക്കൽ ക്യാമ്പ് ജനപങ്കാളിത്തം കൊണ്ട് ഏറെ ശ്രദ്ധേയമായി.

പ്രധാനപ്പെട്ട ദിനങ്ങൾ ആചരിക്കുന്നത് എൻ.എസ്.എസ് കുട്ടികളുടെ ദിനചര്യയായി മാറി. ശിശുദിനത്തോടനുബന്ധിച്ച് കൊച്ചുകുട്ടികൾക്ക് ക്ലാസെടുക്കുകയും മധുരം വിതരണം ചെയ്യുകയും ചെയ്തു. പ്രകൃതിയിലേക്കുള്ള മടങ്ങിവരവ് കുട്ടികളിൽ അത്യാന്താപേക്ഷിതമായതിനാൽ അവരെ കാർഷികമേഖലയിലേക്ക് തിരിച്ചു. സ്കൂൾ പരിസരത്ത് പച്ചക്കറിത്തോട്ടം നിർമ്മിച്ചു.

ലോകഭക്ഷ്യദിനത്തിൽ കുട്ടികൾ ഭക്ഷ്യമേള നടത്തുകയും അതിൽ നിന്നു ലഭിച്ച ലാഭം ജീവകാരുണ്യ പ്രവർത്തനങ്ങൾക്കായി വിനിയോഗിക്കുകയും ചെയ്തു. സാമൂഹ്യദിനത്തോടനുബന്ധിച്ച് ഭാരതഭൂപടമാതൃകയിൽ കുട്ടികൾ അണിനിന്നു.

മാതൃഷികമൂല്യങ്ങളെ തൊട്ടറിയുന്നതിനും അവയെ ബുദ്ധിമുട്ടുകളെ തിരിച്ചറിയുന്നതിനും വേണ്ടി അനാഥായങ്ങൾ സന്ദർശിക്കുവാനും അവർക്ക് ആവശ്യമായ സൗകര്യങ്ങൾ എത്തിച്ചുകൊടുക്കുവാനും എൻ.എസ്.എസ് കുട്ടികൾക്ക് കഴിഞ്ഞു. ഒരു നിർധന വിദ്യാർത്ഥിയെ സ്കൂളിലേക്ക് ചാരിറ്റി രൂപീകരിച്ചു. നിരാലംബരായ വ്യക്തികൾക്ക് ഒരു നേരം ഭക്ഷണം എന്ന ലക്ഷ്യത്തോടെ ഒരു ട്രഷർ 'പാഥേയം' എന്ന പരിപാടി ഇന്നും എല്ലാ വെള്ളിയാഴ്ചകളിലും തുടർന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.

മംഗളവനവും അഭയാരണ്യവും സന്ദർശിക്കാൻ സരം ലഭിക്കുകയും അവിടെ നിന്നു ലഭിച്ച ബോധവൽക്കരണ ക്ലാസുകൾ വഴി പ്രകൃതിയോടിണങ്ങിപ്പോകാനും ക്ലാസുകളിന്റെ ആവശ്യകത കുട്ടികൾ മനസ്സിലാക്കി.

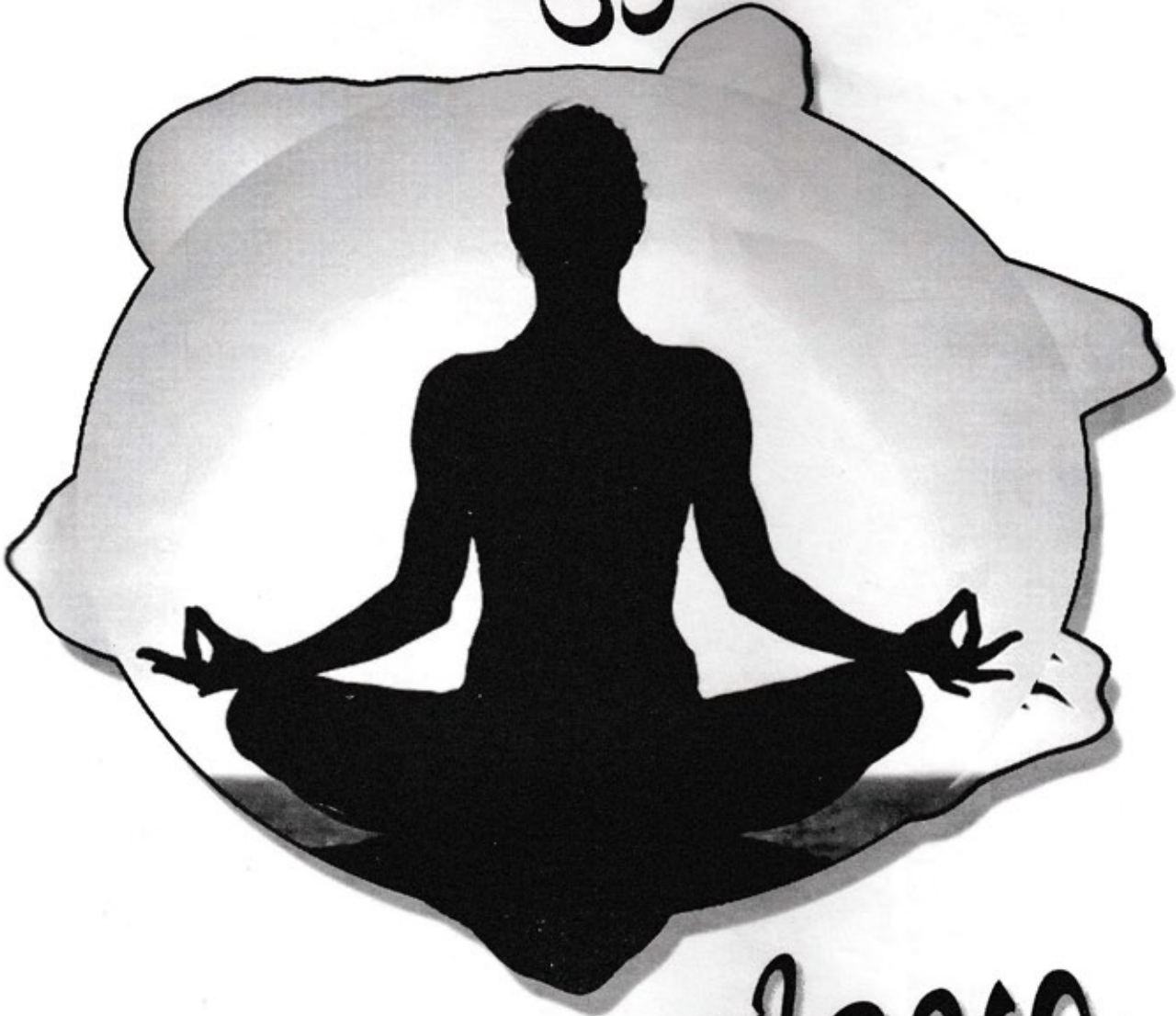
ഉളിയന്നൂർ ഗ്രാമത്തെ ദത്തെടുക്കുകയും അവിടെ എൽ.പി. സ്കൂളിൽ പച്ചക്കറിത്തോട്ടം നിർമ്മിച്ചുകൊടുക്കുകയും, ക്ലാസ് മുറികൾ അക്ഷരമാലകളാൽ അലങ്കരിക്കുകയും ചെയ്തു.

ലളിതജീവിതവും മൂല്യബോധവും പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കുന്നതിനു സഹായിച്ച സപ്തദിനക്യാമ്പുകൾ അദ്ധ്യാപന അനധ്യാപിക രക്ഷാകർത്താ പങ്കാളിത്തംകൊണ്ട് ശ്രദ്ധേയമായി. കൗമാരപ്രായക്കാരുടെ സഹജവാസനകൾ കുട്ടുകൂടൽ, സാഹസികത, അംഗീകരിക്കപ്പെടാൻ നുള്ള അവസരം, നേതൃത്വ താല്പര്യം എന്നിവ പരിപോഷിപ്പിക്കാൻ വിവിധ കലാകായിക പ്രവർത്തനങ്ങൾക്ക് ഊന്നൽ കൊടുവാൻ ക്യാമ്പിലൂടെ സാധിച്ചു.

50 കുട്ടികളെയും കൊണ്ട് ആരംഭിച്ച നാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീം ഇന്ന് 95 കുട്ടികളാൽ മുന്നേട്ടുവരുന്നു. നിരവധി പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ ചിലത് മാത്രം കൊണ്ട് വാക്കുകളേക്കാൾ പ്രവർത്തിക്ക് സ്ഥാനം നേടാനാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീമിന്റെ പ്രവർത്തനം ഇവിടെ ചുരുക്കുന്നു.



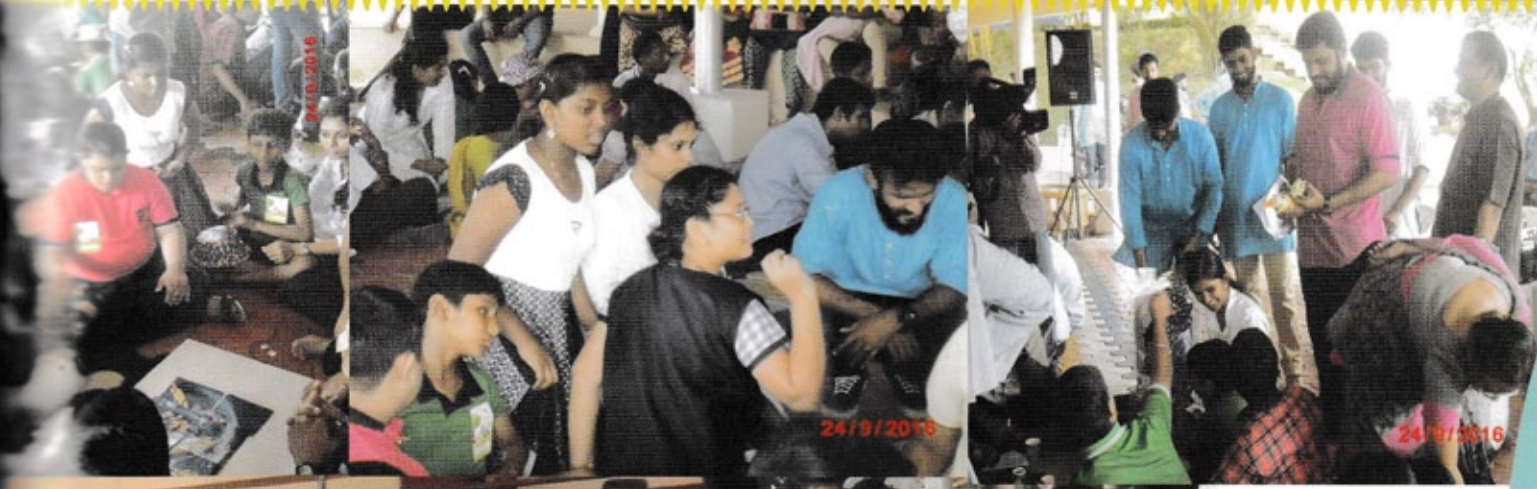
ॐ



മലയാളവീദോഗം

CHARITY

Hand that helps is holier than the lips that pray



Old Students raise up to the occasion



GANDHI JAYANTHI





creativity is contagious pass it on
EXHIBITION



KALOLSAVAM 2016 -17



LP overall
Runner-up

High School
Sanskrit
Overall



Muvva Sub district Overall

UP overall
Runner-up





NOVEMBER 1



Kalamandalam Mohanakrishnan



Kalamandalam Suresh Kaliyath



Dr. Muraleedharan Nair
Malayalam Department Head of Maharajas

INDEPENDENCE DAY & RAMAYANA MONTH EN



NSS

Alone we can do little, together we can do so much



Drawing is Exercise for a restless imagination



ANANDH KRISHANA K.S. (VB)



AHTUL KRISHNA P.B. (V B)



ADITHYA O.A. (VIII)



ASWAL ASHOKAN (VIII)



LAMIYA NAZRIN (LKG A)



BRINDA BABU (UKG B)



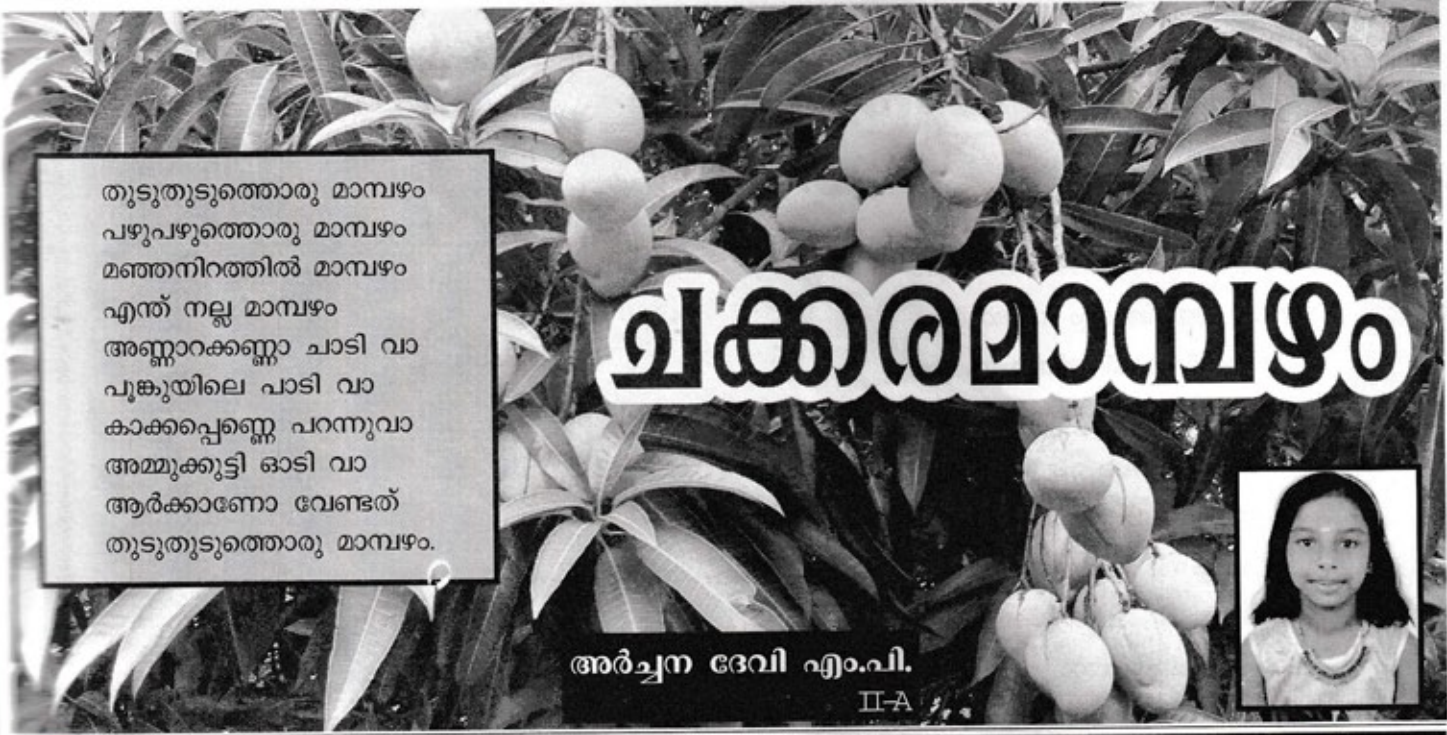
ABHILASH .P.B. (V A)



AKSHAY KUMAR T.S.(XII)



ADITHYAN T



ഉക്കമാമ്പഴം

തുടുതുടുത്തൊരു മാനുഷം
 പഴുപഴുത്തൊരു മാനുഷം
 മഞ്ഞനിറത്തിൽ മാനുഷം
 എന്ത് നല്ല മാനുഷം
 അണ്ണാറക്കണ്ണാ ചാടി വാ
 പുകുയിലെ പാടി വാ
 കാക്കപ്പെണ്ണെ പറന്നുവാ
 അമ്മുക്കുട്ടി ഓടി വാ
 ആർക്കൊന്നോ വേണ്ടത്
 തുടുതുടുത്തൊരു മാനുഷം.



അർച്ചന ദേവി എം.പി.
 II-A



കപ്പൽ

തിരമാലകൾക്ക് അകലേ അകലേ
 താണ്ടിവരുന്നൊരു കപ്പൽ
 സ്വർണ്ണക്കൊടിമരം നാട്ടിയ കപ്പൽ
 ഏഴുഴകുളെളൊരു കപ്പൽ
 ത്രാത്രക്കാരുടെ കപ്പൽ
 ആടിയുലഞ്ഞു വരുന്നതു കാണാൻ
 ആഹാ എന്തൊരു രസമാണ്
 കയറാൻ ഉള്ളിൽ കൊതിയാണ്.



ശ്രീരാഗ് സജീവ്
 III-B



സുന്ദരൻ

പൂമ്പാറ്റ

പൂമ്പാറ്റ പൂമ്പാറ്റ
 പാറി നടക്കും പൂമ്പാറ്റ
 പൂവിൽ പാറി നടക്കുമ്പോൾ
 എന്തൊരു സുന്ദരൻ പൂമ്പാറ്റ
 പല പല നിറങ്ങൾ ചേർത്തുവെച്ചൊരു
 സുന്ദരൻ പൂമ്പാറ്റ.



കൃഷ്ണജ പി.എസ്., III-B

നിലാവിന്റെ പുഞ്ചിരി

മുല്ലപ്പൂ നിറമുള്ള പുനിലാവേ
 നിന്റെ പുഞ്ചിരി തുകിയൊന്ന് വന്നുകൂടെ
 താരകം പൂത്തുനിൽക്കും പാതിരാവിൽ
 നിന്റെ പുഞ്ചിരി തുകിയൊന്ന് വന്നുകൂടെ
 പാർണ്ണമിനാളിൽ നിന്റെ പുഞ്ചിരി കാണാൻ
 മുടൽമഞ്ഞിൻ ചേലുണ്ട് പുനിലാവേ
 കൊച്ചുസുന്ദരികളായ താരകങ്ങൾ
 ഓടിയെത്തും നിന്നെക്കൊന്നാൻ പുനിലാവേ
 തുമ്പപ്പൂക്കൾ വിരിഞ്ഞു നിൽക്കും പാതിരാവിൽ
 നിന്റെ പുഞ്ചിരിതുകിയൊന്ന് വന്നുകൂടെ
 ആമ്പലിനെ പ്രണയിക്കും പുനിലാവേ
 നിന്റെ പുഞ്ചിരി തുകിയൊന്നു വന്നുകൂടെ.

പശ്ചിമോദിയിലെ നിലാവിന്റെ ചന്ദ്രം
 ഭരതസുദിക്കും.....



സുര്യലക്ഷ്മി. ഐ.പി

ആയിരം കണ്ണുമായ നോക്കി ഞാൻ മാമനെ
 പുഞ്ചിരി തുകുമാ അമ്പിളിമാമനെ
 പാലൊളി ചന്ദ്രിക തുകിക്കൊണ്ടെൻ മാമൻ
 തുവെള്ളിക്കിണ്ണം പോൽ നിൽക്കുമാകാശത്ത്
 കൂട്ടുകാർ മാമൻ ഏറെയുണ്ടെന്നത്
 മുക്കുറ്റി പോലുള്ള തോഴിമാർ അങ്ങനെ
 മേലങ്ങൾ കൂട്ടിയടിക്കുമാ ശബ്ദത്തിൽ
 ഞെട്ടിപ്പോയ മാമനാ ദുന്ദുഭിനാദത്തിൽ
 കൊച്ചുവർത്തമാനങ്ങൾ എറേയാ മാമൻ
 നക്ഷത്ര കുഞ്ഞിന്റെ കൂടെയാണെപ്പോഴും
 കുരിശുൾ വന്നപ്പോൾ മാമൻ പേടിയായ്
 ഓടിയൊളിച്ചൊരു മേലത്തിൻ പിന്നിലായ്.

അമ്പിളിമാമൻ

മിനാക്ഷി

മഴ വന്നു

മഴ വന്നു... മഴ വന്നു... മഴ വന്നു...
 ചന്നം പിന്നം പെയ്യുന്ന മഴ വന്നു
 പീലിവിടർത്തിയാടും
 മയിലിൻ നൃത്തം കാണാലോ
 മഴ വന്നു... മഴ വന്നു... മഴ വന്നു...
 കരിമുകിൽ മുടിയ വിണ്ണിൻ മാറിൽ
 തെല്ലും വെളിച്ചമയ്യോ കാണുന്നില്ല
 മഴ വന്നു... മഴ വന്നു... മഴ വന്നു...
 ഇടിമിന്നലും കൊടുങ്കാറ്റും അയ്യയ്യോ
 വന്നല്ലോ ഈ മണി മഴയ്ക്കൊപ്പം
 മഴ വന്നു... മഴ വന്നു... മഴ വന്നു...

അംശുഭദ്ര എം. വിനോദ്

IV C

വിദ്യാലയം



അച്ഛന്റെ കൈപിടിച്ചു ഞാൻ
 ആദ്യമായ് വിദ്യാലയപ്പടി വിടപറയും നേരം
 അച്ഛനെൻ കവിളിൽ മുത്തം നൽകി
 അച്ഛൻ മറയുന്നതും നോക്കി
 നിന്നു ഞാനാ വിദ്യാലയമുറ്റത്ത്
 അധ്യാപിക തൻ സ്നേഹത്താൽ
 ഞാനെൻ വിരഹദുഃഖം മറന്നു
 എൻ സഹജരോടൊത്തു ഞാൻ
 കളിച്ചു, ചിരിച്ചു, വളർന്നു.



കെ.എ. അവാദ്പിള്ള

IV A

സ്നേഹം



സ്നേഹത്തിന്റെ കഥ മനുഷ്യ വർഗത്തിന്റെ തുടക്കം മുതലുള്ളതാണ്. പരോക്ഷമായ സ്നേഹഭാവം പ്രായോഗികബുദ്ധിയില്ലാത്ത ജീവജാലങ്ങളിലും നമുക്ക് ദർശിക്കാം. സ്നേഹത്തിന്റെ ഭാവം വിപുലമായി വ്യാഖ്യാനിക്കാൻ ശ്രമിച്ചാൽ മനുഷ്യ വർഗത്തിന്റെ അല്ലെങ്കിൽ ലോകത്തിന്റെ തന്നെ നിലനിൽപ്പ് ഈ ഭാവത്തിൽ അധിഷ്ഠിതമാണെന്ന് നമുക്ക് മനസ്സിലാക്കാം.

എനിക്ക് അമ്മമാരുടെ സ്നേഹത്തെക്കുറിച്ചാണ് ഏറ്റവും കൂടുതൽ പറയാനുള്ളത്. ലോകത്തിലെ

ഏറ്റവും സത്യസന്ധമായ സ്നേഹമാണ് അമ്മയുടേത്. പ്രതിഫലം ഒന്നും ആഗ്രഹിക്കാതെ തന്റെ മക്കളുടെ ആരോഗ്യവും ഉയർച്ചയും മാത്രം സ്വപ്നം കാണുകയും അതിനുവേണ്ടി പ്രവർത്തിക്കുകയും ചെയ്യുന്ന സ്നേഹത്തിന്റെ, ത്യാഗത്തിന്റെ മുർത്തീഭാവമാണ് അമ്മ.

ലോകചരിത്രത്തിന്റെ ഏത് ഏടുകൾ നമ്മൾ പരിശോധിക്കുമ്പോഴും ഈ ബന്ധം നമുക്ക് കാണാൻ കഴിയും. വിജയികളുടെ ആത്മവിശ്വാസം അമ്മയിൽ നിന്നാണെന്ന് നമുക്ക് മനസ്സിലാക്കാം. ഏത് ഇതിഹാസങ്ങൾ നോക്കിയാലും ഈ സ്നേഹത്തിന്റെ ഗാഢമായ സ്പർശങ്ങൾ നമുക്ക് ദർശിക്കാനാകും. രാമായണത്തിൽ സീതാദേവി മക്കളായ ലവന്റെയും കുശന്റെയും കഴിവിലും പ്രകടനത്തിലും അമ്മയുടെ അദ്യശ്യസ്പർശങ്ങൾ വിവരിക്കുന്നു. മഹാഭാരതത്തിലാകട്ടെ കുന്തിയുടെ പുത്രസ്നേഹമാണ് ആ ഇതിഹാസത്തെ ലോകത്തിന്റെ നിറുകയിൽ എത്തിച്ചത്. ഗ്രീക്ക് ഇതിഹാസങ്ങളുടെ സ്ഥിതിയും വ്യത്യസ്തമല്ല. മലയാളത്തിലെ കവികളായ ഉള്ളൂർ, കുമാരനാശാൻ, വള്ളത്തോൾ എന്നിവരുടെ കൃതികളിലും സ്നേഹത്തിന്റെ

വിശാലത നമുക്ക് തലമുറകളായ ആസ്വദിക്കാൻതക്കതാണ്.

എന്തിനധികം നമ്മളനുഭവിക്കുന്ന അമ്മയുടെ സ്നേഹം ഞാൻ പറയാതെ തന്നെ നിങ്ങൾക്ക് മനസ്സിലാകും. ഞാൻ അമ്മയുടെ കാര്യം എടുത്തുപറഞ്ഞാലും മറ്റുള്ളവരുടെ സ്നേഹം കുറച്ചുകാണാൻ ആഗ്രഹിക്കുന്നില്ല. അച്ഛന്റെ കരുതലും സഹോദരങ്ങളുടെ കുറുമ്പുകളും മുത്തശ്ശി-മുത്തച്ഛന്മാരുടെ വാത്സല്യവും, കൂട്ടുകാരുടെ ആത്മാർത്ഥതയും സ്നേഹത്തിന്റെ വിവിധഭാഗങ്ങൾ തന്നെയാണ്.

'സ്നേഹം' അതൊന്നുമാത്രം കൊണ്ടാണ് എനിക്ക് സ്നേഹത്തെക്കുറിച്ച് ചിന്തിയ്ക്കാൻ കഴിയുന്നത്. സ്നേഹത്തിൽ ഒരിക്കലും വഞ്ചന കാണിക്കാതെ അതിന്റെ ശുദ്ധമായ ഭാവത്തിൽതന്നെ ഉൾക്കൊള്ളണമെന്നും അത്യാസരിച്ച് നാം പ്രവർത്തിയ്ക്കണമെന്നും ഓർമ്മിപ്പിക്കുന്നു.



രോഹിത, VIII-A

കവിത



ഒരു നാൾ വിരിഞ്ഞൊരു
പുവിൻചുവട്ടിൽ
മുടങ്ങാതെ വന്നൊരു മാരുതൻ
മാമലകേറി പുമലകേറി
മുടങ്ങാതെ വന്നൊരു മാരുതൻ
സുഗന്ധം പരത്തി
കുളിർമ നൽകി
മുടങ്ങാതെ വന്നൊരു മാരുതൻ.



അയന പി. രമേശൻ
V-A

മാരുതൻ

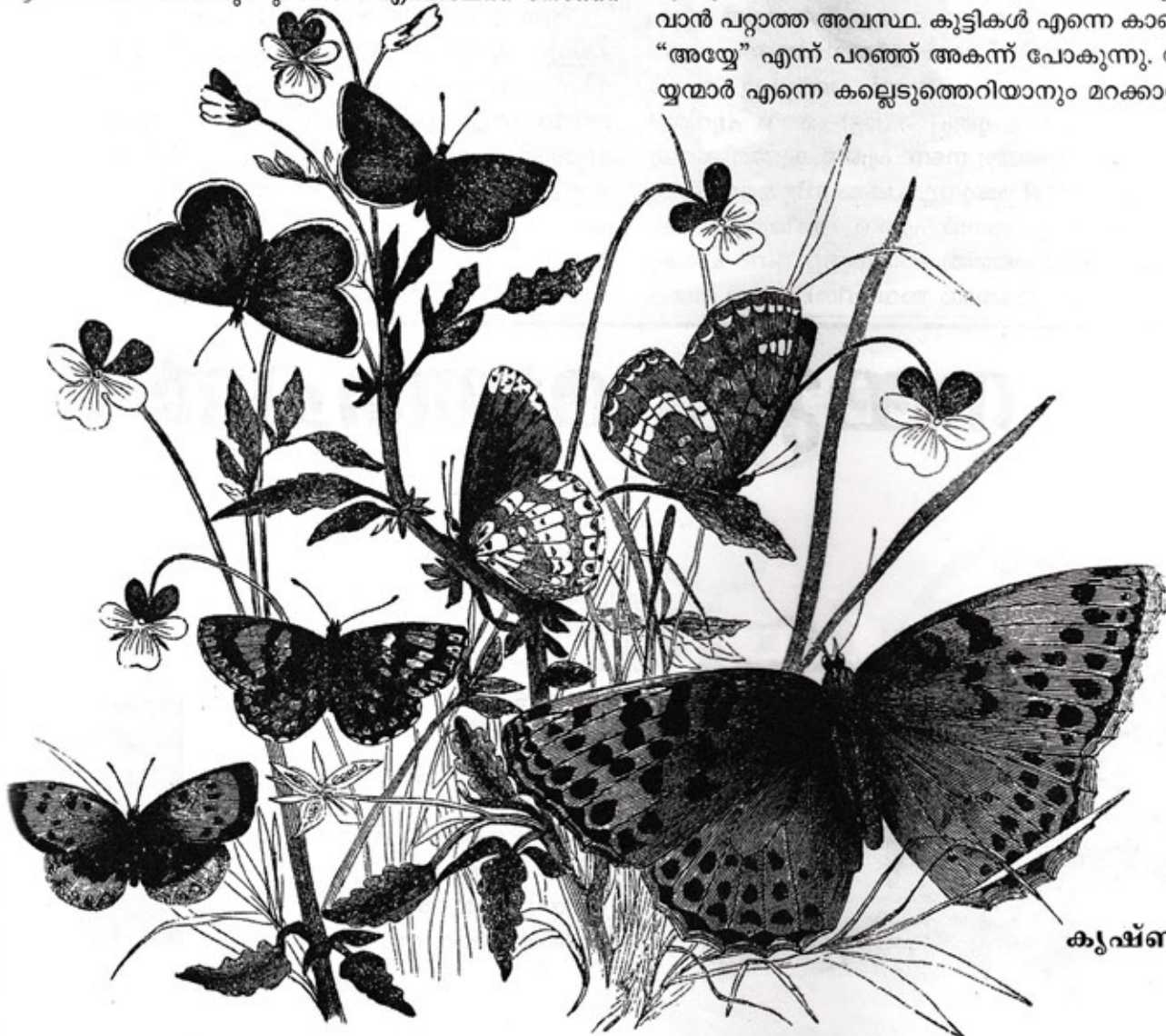


ചെറുകഥ

ചിറകു വിരിച്ച ഓർമ്മകൾ

സത്യത്തിൽ ഞാൻ ആർ എന്ന് ചെറുപ്പത്തിൽ എനിക്ക് പറഞ്ഞുതരുവാൻ ആരുമില്ലായിരുന്നു. അച്ഛനമ്മമാർ എന്നെ കുഞ്ഞായിരിക്കുമ്പോൾ തന്നെ ഉപേക്ഷിച്ചു. എന്നെയും എന്റെ ചുറ്റുമുള്ള ലോകത്തേയും പരസഹായമില്ലാതെ മനസ്സിലാക്കുക ക്ലേശകരമായിരുന്നു. ഞാൻ തലയുയർത്തി നോക്കി. വസന്തകാലം പ്രകൃതിയെ പൂക്കൾകൊണ്ട് അലങ്കരിച്ചിരുന്നു. ആ പൂക്കളിൽ മുത്തമിട്ട് അനേകം പീഠികൾ പറന്നുനടക്കുന്നു. ശലഭങ്ങളും, വണ്ടുകളും ചെറുപക്ഷികളും തുമ്പികളും ഒക്കെയുണ്ട് ഈ കൂട്ടത്തിൽ. കുറച്ചുകലെ കുട്ടികൾ വിനോദങ്ങളിൽപെട്ട് ആർത്തുല്ലസിക്കുന്നത് എനിക്ക് കാണാം. എവിടെയും ആനന്ദം അലയടിക്കുന്നു. ഞാൻ എന്നിലേക്ക് നോക്കി.

എന്റെ അവസ്ഥയോ?... ഞാൻ ചിന്തയിൽ മുഴുകി. ശോ! എത്ര ശപിക്കപ്പെട്ട ജീവിതമായിരിക്കുന്നു എന്റേത്? വൃത്തികെട്ടതും അറപ്പുള്ളവാക്കുന്നതുമായ രൂപം. കൊടും വെയിലും മഴയും തണുപ്പും ഏറ്റ ദുരിത ജീവിതം. ദുഷ്ടന്മാരായ പക്ഷികളുടെയും ഓന്തുകളുടെയും കണ്ണുവെട്ടിച്ച് എത്രയോ തവണ ഞാൻ ഒളിച്ചിരുന്നു. സമാധാനമായി ഒന്ന് ഭക്ഷണം പോലും കഴിക്കുവാൻ പറ്റാത്ത അവസ്ഥ. കുട്ടികൾ എന്നെ കാണുമ്പോൾ "അയ്യേ" എന്ന് പറഞ്ഞ് അകന്ന് പോകുന്നു. വികൃതിപ്പയ്യന്മാർ എന്നെ കല്ലെടുത്തേറിയാനും മറക്കാറില്ല. ഇതി



കൃഷ്ണചന്ദ്രൻ VII-C

നൊക്കെ പുറമേ നികൃഷ്ടമായ പുഴു എന്ന പേരും. ദൈവമേ... നീയ്ക്കിതു കാണുന്നില്ലേ? എന്തിനു എന്നെ സൃഷ്ടിച്ചു? എന്തിനെന്നെ ഈ വിധമാക്കി? ഞാൻ ചെടിയുടെ ഒരു വലിയ ഇലയുടെ മറവിൽ പറ്റിപ്പിടിച്ചിരുന്ന് വിതുവി. ഓരോന്നോരോന്ന് ആലോചിച്ചിരുന്ന് ഞാൻ ഗാഢനിദ്രയിലായി. കുറച്ചുകഴിഞ്ഞ് ഒരു ഉൾവിളി പോലെ ഞാൻ തെട്ടിയുണർന്നു. ഞാൻ എന്നെങ്കിലും നന്നാവുമോ? എന്റെ മനസ്സിൽ ഒരു ശുഭചിന്ത വന്നെത്തി. എനിക്കും നന്നാവണം, ഓമനിക്കപ്പെടണം. ഈ വൃത്തികെട്ട രൂപം ഒന്നു മാറിക്കിട്ടിയെങ്കിൽ ഞാൻ പ്രത്യംശിച്ചു.

ദിവസങ്ങൾ കഴിഞ്ഞു. ഒരു ദിവസം എന്നിൽ ചില മാറ്റങ്ങൾ വന്നു. എന്താണത്? എന്റെ ശരീരത്തിൽ നിന്ന് പുറത്തേക്കു വരുന്നത്? ഞാനാദ്യം ഭയന്നു. ഞാൻ യാത്രയിലായി എന്നെതന്നെ പൊതിഞ്ഞുതുടങ്ങി. ഞാൻ മനസ്സിൽ വിചാരിച്ചു. പൊതിയട്ടേ. ഈ അറയ്ക്കുന്ന ശരീരം ഇനി ആരും കാണേണ്ട. എനിക്ക് മയക്കം വന്നു. ഞാൻ ഉറങ്ങുകയായി. പിന്നെയൊന്നും എനിക്ക് ഓർമ്മയില്ല. ബോധം വന്നപ്പോൾ ഞാൻ അസ്വസ്ഥനായിരുന്നു. എനിക്ക് ഉടൻ പുറത്തിറങ്ങണം. ഞാൻ ശാന്തമായി. എന്റെ ശരീരം ഞാൻ ചലിപ്പിച്ചു. ഞാൻ പുതച്ചിരുന്ന ആ നൂൽപുതപ്പ് പൊട്ടി ഞാൻ പുറത്തിറങ്ങി. അത്ഭുതം! ഇഴഞ്ഞു നടന്ന എന്റെ കുഞ്ഞിക്കാലുകൾ അപ്രത്യക്ഷമായിരിക്കുന്നു. പകരം നീളമുള്ള കാലുകൾ വന്നിരിക്കുന്നു. ഞാൻ എന്റെ ശരീരത്തിലേക്ക് നോക്കി. എന്റെ ശരീരത്തിൽ ഭംഗിയുള്ള രണ്ട് ചിറകുകൾ. സന്തോഷത്താൽ ഞാൻ അവ വീശി. ഞാൻ അതാ

പറന്നുപൊങ്ങുന്നു. സ്പന്മാണോ ദൈവമേ ഇത്? ഞാൻ ചിന്തിച്ചു. ഞാൻ താഴോട്ട് നോക്കി. നിറയെ പൂക്കൾ. അവയെന്തെ മാടിവിളിക്കുന്നു. പണ്ട് എന്നെ പൂച്ചിപ്പുറമാണവർ. എനിക്ക് സന്തോഷമായി. ഞാൻ സുന്ദരനായില്ലേ! ഞാൻ പറന്നിറങ്ങി മതിയാവോളം തേൻകുടിച്ചു. ഒരുകൂട്ടം കുട്ടികൾ എന്റെ ഭംഗി കണ്ട് എന്റെയടുത്തേക്ക് വരുന്നു. ഞാൻ സന്തോഷത്താൽ മതിമറന്നു. അതിലൊരു വികൃതിപ്പയ്യൻ എന്നെ കയ്യിലൊതുക്കുവാൻ ശ്രമിച്ചു. ഞാൻ വഴുതിമാറി.

എന്റെ യഥാർത്ഥഭംഗി എനിക്ക് കാണണ്ടേ? ഞാൻ എന്തിനോ വേണ്ടി പരതി. അതാ അടുത്തവിട്ടിലെ കിണറ്റുകരയിൽ ഒരു പാത്രം വെള്ളം. ഞാൻ എന്റെ മനോഹരരൂപം ആസ്വദിച്ചു. ദൈവമേ ഞാൻ ഇത്ര മനോഹരമേ എന്റെ പഴയ ദുരിതജീവിതത്തെക്കുറിച്ച് ഞാൻ ഓർമ്മിക്കുവാൻ ഇഷ്ടമല്ലെങ്കിലും ഞാൻ നന്ദിയോടെ അത് സ്മരിച്ചു. കാരണം അതാണല്ലോ എനിക്ക് സന്തോഷം വിളമ്പിയത്.

ഏത് ദുഃഖത്തിനുമപ്പുറം ഒരു സന്തോഷമുണ്ടാകുമറിച്ചു എന്ന പാഠം ഞാൻ പഠിച്ചു. ദുരിതജീവിതത്തിൽ നിന്ന് കരകയറണമെന്ന അതിയായ മോഹവും പരിമലവുമാണല്ലോ ഇന്ന് എന്നെ ഇത്ര സന്തോഷവാന്മാരാക്കുന്നത് എന്ന സത്യം ഞാൻ മനസ്സിലാക്കി. ഞാൻ ഈ ഒരു ചിത്രശലഭമാണ്. അതാ വരുന്നു ഒരു പുറം സ്വന്തമായ ചിത്രശലഭങ്ങൾ. ഞാൻ അവരോട് ഉള്ള കൂടെ... സുന്ദരമായ ഈ ലോകം ഞാൻ മതിയാടാൻ കാണട്ടെ, ആസ്വദിക്കട്ടെ.

നമ്മുടെ മുത്തച്ഛൻ



നാടിനുണ്ടൊരു മുത്തച്ഛൻ
രാഷ്ട്രപിതാവൊരു മുത്തച്ഛൻ
കൈയ്യിൽ വലിയൊരു വടിയുണി
നാട്ടിൽ നടന്നൊരു മുത്തച്ഛൻ
നമ്മുടെ നാടിൻ
സ്വാതന്ത്ര്യത്തിനു
പാടുപെട്ടൊരു മുത്തച്ഛൻ
ഇംഗ്ലീഷുകാരെ തുരത്താനായി
സത്യാഗ്രഹം ചെയ്തൊരു മുത്തച്ഛൻ
നമ്മുടെ ബാപ്പുജി മുത്തച്ഛൻ
നമ്മുടെ സ്വന്തം മുത്തച്ഛൻ
ഗാന്ധിജിയെന്നൊരു മുത്തച്ഛൻ.

കൃഷ്ണപ്രിയ പിള്ള



നമ്മുടെ സമൂഹത്തിലെ മനുഷ്യരിൽ ഇരുപതുശതമാനത്തിലധികം വൃദ്ധജനങ്ങളാണ്. ജീവിതകാലം മുഴുവൻ അധാനിച്ചതിനുശേഷം വാർധക്യത്തെ അഭിമുഖീകരിക്കുമ്പോൾ അവർക്ക് അനേകം പ്രശ്നങ്ങൾ നേരിടേണ്ടിവരുന്നു. തിരക്കുപിടിച്ച ആധുനികജീവിതത്തിൽ വൃദ്ധജനങ്ങൾ പലപ്പോഴും അവഗണിക്കപ്പെടുന്നു. മാറിവരുന്ന സാമൂഹ്യപരിതസ്ഥിതിയിൽ വൃദ്ധസദനങ്ങൾ വർദ്ധിച്ചുവരികയാണ്. തെരുവിൽ ഉപേക്ഷിക്കപ്പെടുന്ന വൃദ്ധജനങ്ങളും നിരവധിയാണ്.

യുവത്വത്തിലെ ആഘോഷമാണ് നാം എവിടെയും കാണുന്നത്. യുവത്വമാണ് ഇവിടെ ആദർശം. അതുകൊണ്ടുതന്നെ വൃദ്ധജനങ്ങളും യുവാവിന്റെ/യുവതിയുടെ രൂപത്തിൽ പ്രത്യക്ഷപ്പെടാനാണ് ആഗ്രഹിക്കുന്നത്. സമൂഹത്തിന്റെ സ്വീകാര്യതയ്ക്കുവേണ്ടി അവർ പുതിയ വേഷം കെട്ടുന്നു. അവഗണിക്കപ്പെടുന്ന വാർധക്യം ഒരു യാഥാർത്ഥ്യമാണ്. വൃദ്ധജനങ്ങളെ പരിപാലിക്കുന്നതിൽ നാം കൂടുതൽ ശ്രദ്ധചെലുത്തേണ്ടിയിരിക്കുന്നു. അവർ സ്വന്തം ജീവിതം നമുക്കുവേണ്ടി സമർപ്പിച്ചവരാണ്. അവർ ഒരുക്കിത്തന്ന വഴികളിലൂടെയാണ് നാം മുന്നേറുന്നത് എന്ന സത്യം വിസ്മരിക്കരുത്. വൃദ്ധരെ ശല്യമായി കരുതി വൃദ്ധസദനത്തിലും തെരുവിലും തള്ളുമ്പോൾ നാളെ നമ്മെ കാത്തിരിക്കുന്ന അനുഭവം ഓർക്കുന്നത് നന്ന്.

വൃദ്ധജനങ്ങളെ സംരക്ഷിക്കേണ്ടത് വ്യക്തിയുടെയും സമൂഹത്തിന്റെയും ബാധ്യതയാണ്. അവരുടെ അനുഭവസമ്പത്തും അറിവും പക്ഷതയും നാം ശരിയായ വിധത്തിൽ പ്രയോജനപ്പെടുത്തണം. അവരുടെ ഏകാന്തതയിൽ ആശ്വാസവും സാന്ത്വനവും നൽകണം. വൃദ്ധജനങ്ങളെ പരിഗണിക്കുകയും വേണം. അവരെ മാറ്റിനിർത്തിയാൽ സമൂഹം



വൃദ്ധ പരിചരണം

അപൂർണ്ണമാകും. ഒഴിവാക്കാൻ പറ്റാത്ത സാഹചര്യത്തിൽ മാത്രമേ വൃദ്ധസദനത്തെക്കുറിച്ചും മറ്റും നാം ചിന്തിക്കാവൂ. വൃദ്ധജനങ്ങൾ നടന്നുതീർത്തത് വരുംതലമുറകൾക്കുവേണ്ടിയാണ് എന്ന യാഥാർത്ഥ്യം തിരിച്ചറിഞ്ഞ് നമുക്ക് മുന്നോട്ടു പോകാം.



ജോയൽ സാബു
VII-C

മഴവില്

വാർമഴവില്ലേ വാർമഴവില്ലേ
ആകാശത്തിൻ മടിത്തട്ടിൽ
വീല്ലുപോൽ വളഞ്ഞുനിൽക്കും
നിന്നെ കാണാൻ എന്തുഭംഗി...
വാർമഴവില്ലേ വാർമഴവില്ലേ...
ഏഴു വർണങ്ങൾ ചാർത്തി
നിലക്കും

ആകാശത്തെ അലങ്കരിക്കും
നിന്നെ കാണാൻ എന്തു രസം...
വാർമഴവില്ലേ വാർമഴവില്ലേ
ആരു നൽകി നിനക്കിത്ര ചന്തം
സൂര്യപ്രകാശമോ മഴത്തുള്ളികളോ
നിന്നെ കാണാൻ എന്തൊരു ചേൽ...



നന്ദനരാജ്, V-C

വഴി മാറുന്ന യുവത്വങ്ങൾ

നാളെയാണ് ആ ദിവസം. എന്റെ ജീവിതം മാറ്റിമറിയ്ക്കപ്പെട്ട, മാറിമറിയുവാൻ പോകുന്ന ആ ദിവസം. നല്ല സാമ്പത്തിക സ്ഥിതിയുള്ള മാതാപിതാക്കളുടെ ഏക മകനാണ് ഞാൻ. ഏവരുടെയും പ്രതീക്ഷ ക്ലാസിൽ എല്ലാവരുടെയും പ്രിയപ്പെട്ടവനായിരുന്നു ഞാൻ. പരീക്ഷകളിൽ നല്ല മാർക്കുകൾ വാങ്ങി. മാർക്കിന്റെ അടി

കൂടി. ആ യാത്രയിലാണ് ഞാൻ അവളെ കണ്ടുമുട്ടിയത്. നിധി... അതായിരുന്നു അവളുടെ പേര്. അപ്പോഴൊന്നും അവൾ എന്റെ ജീവിതത്തിൽ ഒരു വഴിത്തിരിവാകുമെന്നു കരുതിയിരുന്നില്ല. എന്റെ ജീവിതത്തിനു യാതൊരു തടവുമില്ലെന്ന ധാരണ കൊണ്ടോ എന്തോ എന്റെ കൂടെ

അവൾ നിർബന്ധിച്ചിട്ടുപോലും. പക്ഷെ എന്റെ ആ തീരുമാനം എത്ര തെറ്റായി പോയെന്നു ഇപ്പോൾ ഞാൻ ചിന്തിക്കുന്നു. അന്ന് അവളുടെ പിറന്നാൾ ദിവസം അവൾക്കുള്ള സമ്മാനവുമായി എത്തിയ എന്നെ സ്വീകരിച്ചത് ജീവനായി പിടിച്ചിറങ്ങപ്പെട്ട ശരീരമാണ്. കുറ്റാന്വേഷണത്തിൽ പ്രതികളെ കണ്ടെത്തി ഞാൻ അതിയായി വിശ്വസിക്കുകയും സ്നേഹിക്കുകയും ചെയ്ത എന്റെ സുഹൃത്തുക്കൾ. പക്ഷെ കോടതി അവരെ വെറുതെ വിട്ടു. പക്ഷെ ഞാൻ എന്റെ നീതി നടപ്പിലാക്കി. അവർ എന്റെ കൈകൊണ്ടാണ് കൊലപ്പെട്ടത്. കോടതി എന്നെ തൂക്കിലേറ്റാൻ വിധിച്ച നാളെയാണ് ആ ദിവസം. മരിക്കുവാൻ എനിക്കു ഭയമില്ല. പക്ഷെ നിങ്ങളെ എനിക്കു പറയുവാനുള്ള കാര്യം ഇതാ മാത്രം. ലഹരിയുടെ സുഖവും, അതിനടിമപ്പെട്ടവരുമായുള്ള സൗഹൃദം നിങ്ങളെ മാത്രമല്ല, നിങ്ങളുടെ ഊർവരയും നശിപ്പിക്കും. ലഹരിയുടെ നീരുളിപ്പിടിത്തത്തിൽ അകപ്പെടുന്ന യുവാക്കൾ, ആ കയത്തിൽനിന്നും കാലാനാകാതെ നശിക്കുന്ന ഒരു ചെറുപാത്രം പോലെ നിങ്ങളുടെ ജീവിതം തകരാതിരിക്കട്ടെ.

Pleasure & Pain

സ്ഥാനത്തിൽ ഏറ്റവും നല്ല കോളേജിൽ ഉപരിപഠനത്തിന് അവസരവും കിട്ടി. പക്ഷെ ഞാൻ തിരഞ്ഞെടുത്ത എന്റെ കൂട്ടുകാർ എന്നെ നയിച്ചത് ലഹരിയുടെ ലോകത്തേക്കായിരുന്നു. പതിയെ പതിയെ ഞാൻ അതിന് അടിമയായി. പഠനത്തിലുള്ള മികവു കുറഞ്ഞു. നാട്ടുകാർക്കും വീട്ടുകാർക്കും വേണ്ടാതായി. ഞാൻ നാടുവിടാൻ തീരുമാനിച്ചു. എപ്പോഴും കൂടെയുണ്ടായിരുന്ന സുഹൃത്തുക്കളും എന്റെ കൂടെ

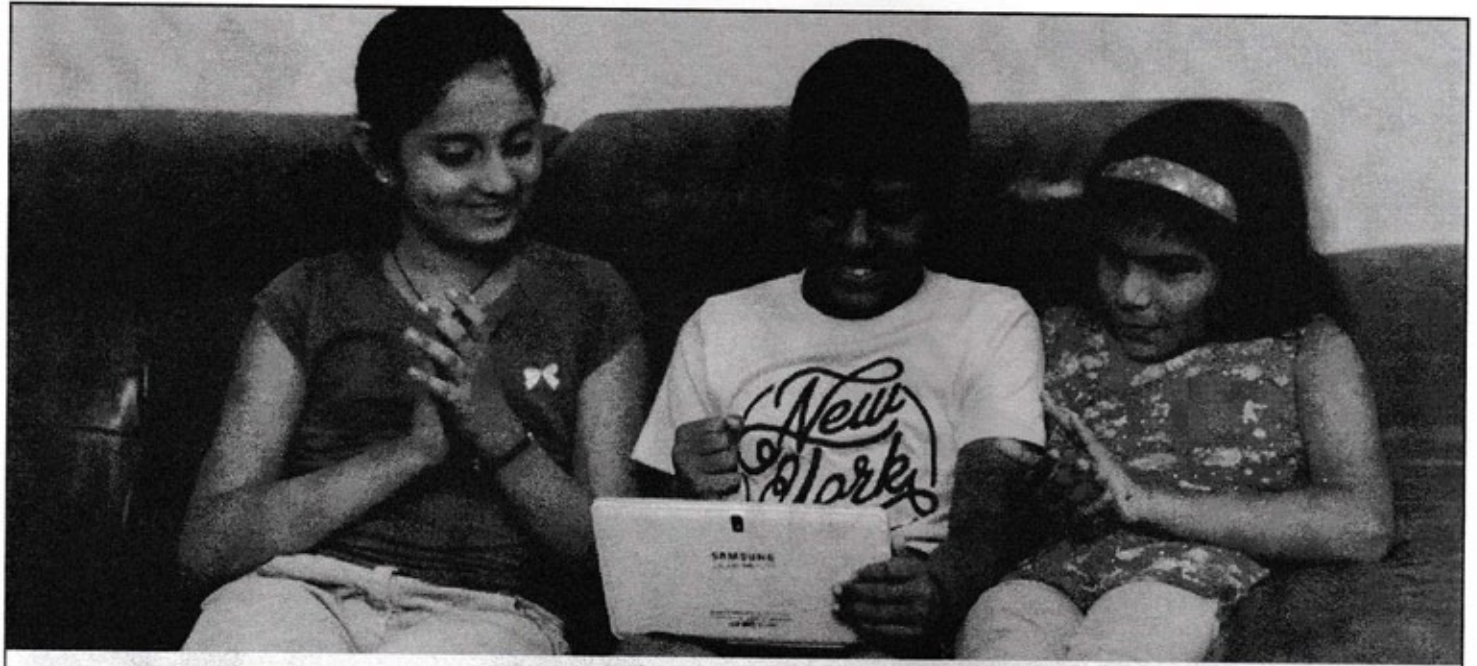
കരുതിയിരുന്ന വിദ്യാഭ്യാസസർട്ടിഫിക്കറ്റുകൾ ഞാൻ ആ യാത്രയിൽ ഉപേക്ഷിച്ചു. ലഹരിയുടെ സുഖത്തിന് അടിമയായ ഞാനുമായി സൗഹൃദം കൂടുവാൻ ആ മാലാഖ എന്റെ സർട്ടിഫിക്കറ്റുകളുമായി എത്തുമെന്ന് ഞാൻ ഒരിക്കലും പ്രതീക്ഷിച്ചില്ല. അവളുടെ ആ നല്ല സൗഹൃദത്തിലൂടെ ഞാൻ എന്റെ നല്ല കാലം വീണ്ടെടുത്തു. പക്ഷെ ആ പത്തുകളിലും മറ്റും സഹായിച്ചു. ആ കൂട്ടുകാരെ വിടാൻ ഞാൻ തയ്യാറായില്ല.



അതുലു അറാബ്



ਗਾਮਘੀ ਫਿੰਡੀ



आज के विद्यार्थी

बूझा बूझा से चेहरा, बिगड़े-बिगड़े बाल
आए दिन विद्यालय में करता नया-नया सवाल
डेब से है धनी, परविधा से है कंगाल,
पीठ पर एक मन का बस्ता दो रहा भूचाल।
आज के विद्यार्थी का बस यहीं है हाल।

नए युग के विद्यार्थी की अब बदल रही है चाल,
बातों-बातों में लगा देता है बंदूक की नाम।
यह समाज का दोष नहीं, पर विद्यार्थी का है कमाल,
इसी तरह विद्यार्थी बना रहा है स्वर्णिम काल,
आज के विद्यार्थी का बस यही है हाल।

विद्यार्थी अब खुद बुन रहा है विषयों का जाल
विधा की नागरी में उलझ कर, खड़ा कर रहा नया सवाल
नए युग के विद्यार्थी का किस्सा अब अपने में है बेमिसाल
आज के विद्यार्थी का बस यही है हाल।



देवनारायणन. एम,
VIII B

मेरी पिताजी

जिसके ऊँगलियों में लटकते
सीखा मैं चलना
कंधों पर चढ़कर
खेला है खुशी से
मार्गदर्शक बनकर
गलतियों को सुधारा है।
सत्य और धर्म क्या है।
समझाया मुझे
गडबड के समय
ईश्वर बनकर
दिखता है मार्ग
मेरे सपनों को साकार करने में
मेरे गुरु में वह
दुलार का दूसरा शब्द
मेरे पिताजी।
ईश्वर! आभारी हूँ मैं,
ऐसा आनमोल रत्न दिया मुझे



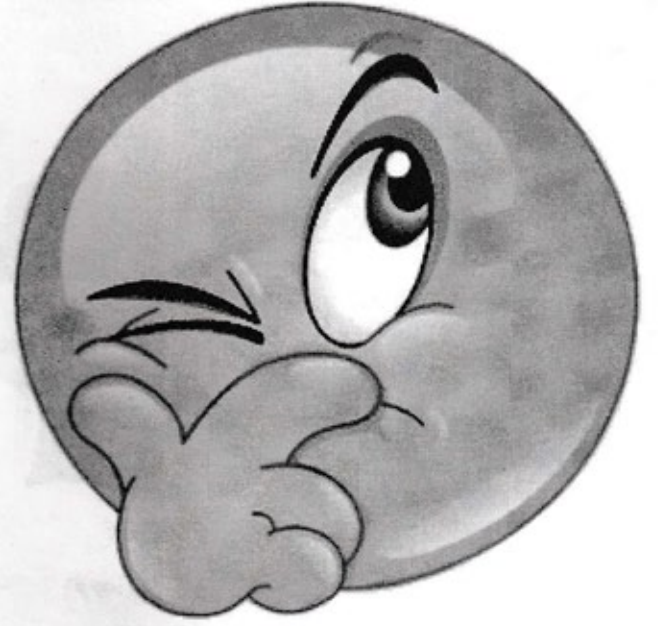
श्रीलक्ष्मी. वि.ए., X B



विनती

विनती करते है भगवान
हम सब बालक है अंजान
तुमने सारा जगत बनाया
तुमने तारों को चमकाया
तुमने सूरज चाँद बनाया
तुमने बादल को बरसाया
तुमने फूलों को महकाया
तुमने पानी गवन बनाया
तुम जग के पालक भगवान
हम सब बालक है अंजान
हम पर क्या कर भगवान
विनती करते है भगवान

शालुमोल पि.एस, VII A



पहेलियाँ

१. पंख नहीं; पर उडती हूँ
हाथ नहीं; पर लडती हूँ
उ: पतंग
२. दिखने में है काला
बारिश धूप का रखवाला
उ: बादल
३. दिन को रोए; रात को रोए
जितना रोए; उतना खोए।
उ: मोमबत्ती



राष्ट्रीय झंडा

भारत के राष्ट्रीय झंडों को तिरंगा कहता है। क्योंकि इसमें तीन रंग होते हैं। इस झंडे के ऊपरी पट्टी के सस्य रंग की है। तिरंगा हमारा देश का झंडा। सबसे निराला हमारा झंडा। हरा रंग हरियाली और समृद्धि का प्रतीक है। तीन रंग हरा, सफेद और केसरी रंग लाख मूसीबत आने पर भी विजयी रहेगा। बीच में सफेद है यह शांति का प्रतीक है। यह वीरता और त्याग का प्रतीक है। सदा यह झंडा आन हमारी है। यह झंडा शान हमारी है यह झंडा सुंदर है।



फिसा पि.ए, VI-A



स्वच्छ भारत

पिछले वर्ष हमारे प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था कि "स्वच्छ भारत" बनाओ। हमारे बीच कितने लोग उनका आदेश पालन किया। सब लोगों को केवल अपना धर स्वच्छ बनाने को आते हैं। लेकिन हमारी सड़कें मैदान कौन सभाई करता है। सारा लोग अपने धर के कूड़ा कचरा रास्ते पर डालते हैं। इसका परिणाम क्या है। रास्ते से चलना भी बहुत मुश्किल होता है। कूड़ा कचरा में मक्खियाँ बढजाती हैं। इससे हैजा, बुखार आदि फैलने की संभावना है। हम विद्यार्थी लोगों की प्रतिज्ञा लोगों की आवश्यकता है कि आगो चलकर घर के समान सारा रास्ता, स्कूल और मैदान सार्वजनिक मैदान, आस्पताल आदि की सफाई रखने में भी ध्यान दे दूंगा।

इसप्रकार हमें प्रधानमन्त्री की 'स्वच्छ भारत' योजना में भाग लेना है। इससे हमारा देश स्वच्छ होगा। हमारी तंदुरुस्ती भी बढ जाएगी।



सूरज पी सोमन, VI-A

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

- | | | |
|-------------------------------|---|-----------|
| १. कभी न मरने वाला | - | अमर |
| २. जो नहीं हो सकता | - | असंभव |
| ३. आँखों के सामने | - | प्रत्यक्ष |
| ४. जो दूसरों का भला करे | - | परोपकारी |
| ५. जो मांस खाता है | - | मांसाहारी |
| ६. अपने परिवार के साथ | - | सपरिवार |
| ७. आकाश को चूमने वाला | - | गगनचुंबी |
| ८. देखने वाला | - | दर्शक |
| ९. पीने की इच्छा | - | पिपासा |
| १०. पढनेवाला | - | पाठक |
| ११. एहाँ पुस्तकें रखी जाती है | - | पुस्तकालय |
| १२. सुनने वाला | - | श्रोता |
| १३. लिखने वाला | - | लेखक |
| १४. ए कठिनाई से मिले | - | दुर्लभ |
| १५. सत्य बोलने वाला | - | सत्यवादी |



आर्याविष्णु, VII-C

भारतीय त्योहार



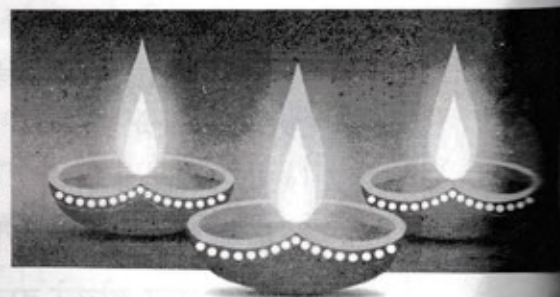
स्वतंत्रता दिवस - जो पर्व सारे भारतीय सहर्ष सादर मनाए जाते हैं। आगस्त १५ भारत के लिए सैकड़ों वर्ष की दासता से मुक्ति मिला दिन है। जिस आज़ादी को गोधलो तिलक, गाँधिजी, पटेल, सुभाष, जवाहर, आज़ाद और भगतसिंह आदि के बड़े त्याग और बलिदान से प्राप्त किया था, उसकी रक्षा करना हर एक भारतियों का परम धर्म है।

स्वातंत्र के प्रमुख राष्ट्रीय पर्व हैं गणतंत्र दिवस। यह प्रतिवर्ष २६ जानवरी को मनाया जाता है। २६ जानवरी को संपन्न गणराज्य घोषित किया

गया।

गाँधिजयन्ति भारतवासियों का तीसरा राष्ट्रीय और समाजीक पर्व जो प्रतिवर्ष दो अक्तूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधि की पुण्य स्मृति में समस्त भारत में बड़ी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। सत्य और अहिंसा पर अटल रहने का संदेश प्रसारित किया जाता है।

- हिन्दुओं के चार बड़े त्योहारों में एक है दीपावली। लक्ष्मी पूजा और जपमालों का पर्व है। जो अंधकार पर प्रकाश का विजय मानकर धार्मिक और ऐतिहासिक स्वच्छता की सूचना देने है।



मनोविनोद, मस्ती, रंगों की त्योहार है। हिरण्यकश्यपु और प्रह्लाद जीवनी का त्योहार है। जिसने होलिका का नाश किया है अधर्म पर धर्म की विजय की सूचना है।

- यह ईसाईयों का पवित्र पर्व है। प्रतिवर्ष दिसंबर को सारे संसार में आनंद के साथ मनाया जाता है।